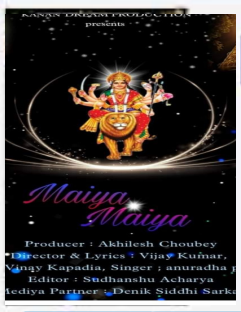
RNI No.UPHIN/2021/82019



दैनिक

सिद्धि सरकार

वर्ष :5 | अंक:306 | WWW.Siddhisarkar.com | ललितपुर 24 जुलाई शुक्रवार 2026 | पृष्ठ:12 मूल्य :3 रुपये



बड़ा एक्शन- कॉकरोच जनता पार्टी प्रदर्शन के दौरान हिंसा में शामिल लोगों के रद्द हो सकते हैं पासपोर्ट

दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ दिल्ली पुलिस सख्त कार्रवाई की तैयारी में है. पुलिस सूत्रों के मुताबिक, प्रदर्शन की आड़ में हिंसा और उपद्रव करने वालों की पहचान की जा रही है. इनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ पासपोर्ट रद्द कराने की प्रक्रिया भी शुरू की जा सकती है.

सूत्रों के अनुसार, हिंसा में शामिल आरोपियों के खिलाफ उपलब्ध वीडियो फुटेज, सीसीटीवी रिकॉर्डिंग और अन्य डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर पहचान की जा रही है. जिन लोगों की भूमिका हिंसा में सामने आएगी, उनके खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया जाएगा.

हिंसा में शामिल लोगों पर एक्शन-दिल्ली पुलिस का कहना है कि सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, कानून-व्यवस्था भंग करने और हिंसक गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. पुलिस सूत्रों के मुताबिक, ऐसे आरोपियों के पासपोर्ट रद्द कराने के लिए भी संबंधित प्रक्रिया शुरू की जाएगी, ताकि भविष्य में उनके विदेश यात्रा संबंधी दस्तावेजों पर भी कार्रवाई की जा सके.

फिलहाल पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है और हिंसा में शामिल सभी लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी जारी है. दूसरी तरफ, दिल्ली के



उपराज्यपाल ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत निवारक हिरासत में लेने की दिल्ली पुलिस की शक्तियों को 18 अक्टूबर तक बढ़ा दिया है. इस संबंध में दिल्ली सरकार के गृह विभाग ने 15 जुलाई को अधिसूचना जारी की है. यह फैसला ऐसे समय आया है, जब परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के नेतृत्व में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन जारी है और हाल ही में संसद मार्च के दौरान हिंसा भी हुई थी.

18 अक्टूबर तक बढ़ाई गई दिल्ली पुलिस की शक्ति-अधिसूचना के अनुसार, दिल्ली पुलिस आयुक्त को रासुका की धारा 3(2) के तहत किसी व्यक्ति को एहतियातन हिरासत में लेने का अधिकार 18 अक्टूबर तक प्रदान किया गया है. राष्ट्रीय सुरक्षा कानून केंद्र और राज्य सरकारों को ऐसे व्यक्तियों को निवारक हिरासत में लेने का अधिकार देता है, जिनकी गतिविधियों को भारत की सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था या शांति के लिए खतरा माना जाता है.

रासुका के तहत किसी व्यक्ति को तीन महीने से लेकर अधिकतम 12 महीने तक हिरासत में रखा जा सकता है, हालांकि आवश्यकता पड़ने पर इससे पहले भी रिहा किया जा सकता है. चूंकि यह निवारक हिरासत है, इसलिए हिरासत में लिए गए व्यक्ति को सामान्य गिरफ्तारी की तरह तत्काल अदालत में पेश करना कानूनी रूप से अनिवार्य नहीं होता.

दिल्ली के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया कि रासुका के तहत यह अधिकार हर तीन महीने में नियमित रूप से बढ़ाया जाता है और इस बार भी किसी विशेष परिस्थिति या अनुरोध के आधार पर यह फैसला नहीं लिया गया है. उन्होंने बताया कि दिल्ली पुलिस आयुक्त को यह अधिकार 1980 के दशक से लगातार दिया जाता रहा है. प्रदर्शन के बीच बड़ा कदम-इस बीच दिल्ली पुलिस ने भी बयान जारी कर कहा कि रासुका के तहत शक्तियों का विस्तार पूरी तरह नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया है. पुलिस के मुताबिक, वर्तमान नवीनीकरण 19 जुलाई से 18 अक्टूबर की अवधि के लिए है और इसका आदेश 7 जुलाई को ही जारी कर दिया गया था, जो कॉजपा के विरोध-प्रदर्शन शुरू होने से काफी पहले का है. दिल्ली पुलिस ने यह भी कहा कि इस मामले में कोई विशेष अनुरोध नहीं किया गया था और कुछ मीडिया रिपोर्टों में इस फैसले को प्रदर्शन से जोड़कर गलत तरीके से पेश किया गया है. पुलिस के अनुसार, यह केवल एक नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया है.

गौरतलब है कि कॉजपा ने 20 जून से जंतर-मंतर पर नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के विरोध में आंदोलन शुरू किया था.

सरकार ने बताया पाकिस्तान को क्यों नहीं भेजा कोई अलर्ट, सिंधु जल संधि पर भी दिया बड़ा संदेश



भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि को लेकर जारी तनाव के बीच एक बार फिर बाढ़ संबंधी सूचनाओं को लेकर चर्चा तेज हो गई है. इस बीच भारत सरकार के सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि पाकिस्तान को किसी भी तरह की बाढ़ चेतावनी इसलिए नहीं भेजी गई, क्योंकि ऐसी स्थिति बनी ही नहीं थी. सरकारी सूत्रों के मुताबिक, चिनाब (अखनूर), तवी (जम्मू), सतलुज (फिरोजपुर) और रावी (माधोपुर) नदियों में मौजूदा जलप्रवाह निर्धारित असाधारण जलप्रवाह या उच्च बाढ़ की सीमा से काफी नीचे है. ऐसे में पाकिस्तान को अलर्ट भेजने की जरूरत नहीं पड़ी.

नहीं भेजा गया अलर्ट-सूत्रों ने बताया कि सिंधु जल संधि के अनुच्छेद IV(8) के तहत बाढ़ संबंधी जानकारी केवल उन्हीं परिस्थितियों में साझा की जाती है, जब असाधारण जलप्रवाह या बाढ़ की स्थिति दूसरे पक्ष को प्रभावित कर सकती हो. चूंकि फिलहाल ऐसी कोई स्थिति नहीं है, इसलिए भारत की ओर से कोई सूचना नहीं भेजी गई.

सरकार ने यह भी याद दिलाया कि अप्रैल 2025 में भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने का फैसला लिया था. इसके बाद संधि के तहत भारत पर नियमित रूप से जानकारी साझा करने का दायित्व नहीं रह गया. हालांकि, भारत ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए उन परिस्थितियों में बाढ़ संबंधी सूचनाएं साझा करना जारी रखा है, जब वास्तव में असाधारण बाढ़ की आशंका उत्पन्न हुई है.

सूत्रों के अनुसार, बाढ़ संबंधी सूचनाओं का आदान-प्रदान केवल चिनाब, तवी, रावी और सतलुज के अंतिम निगरानी स्थलों (टर्मिनल साइट्स) पर दर्ज असाधारण जलप्रवाह तक सीमित रहता है. संधि में असाधारण जलप्रवाह की कोई निश्चित सीमा तय नहीं है. इसके लिए भारत-पाकिस्तान सिंधु आयोग की प्रचलित कार्यप्रणाली के आधार पर मानक तय किए जाते हैं.

पिछले साल 23 बार चेतावनी-सरकार ने यह भी जानकारी दी कि 2025 के बाढ़ सीजन के दौरान भारत ने भारतीय उच्चायोग के माध्यम से पाकिस्तान को 23 बाढ़ चेतावनियां भेजी थीं. वर्ष 2026 में भी यही व्यवस्था लागू है. लेकिन इस समय वाटर लेवल तय सीमा से नीचे होने के कारण पाकिस्तान को किसी प्रकार की चेतावनी भेजने की आवश्यकता नहीं पड़ी.

इधर सीजेपी से बातचीत के लिए तैयार हुई सरकार, उधर खरगे ने मोदी सरकार के सामने रखी ये शर्त

नीट पेपर लीक के मुद्दे पर सड़क से लेकर संसद तक राजनीति गरमाई हुई है. सरकार की तरफ से कहा गया है कि वह हृश्वश्वज्ञ के मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष नई शर्तें थोपकर सदन रुकावट पैदा कर रहा है. इस बीच राज्य सभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार के सामने शर्त रख दी है. उन्होंने कहा कि हम चर्चा के लिए तभी तैयार होंगे, जब शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा होगा.

युवा सडकों पर लाठी खाने पर मजबूर-खरगे मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, पीएम मोदी ने ऐसा वातावरण बनाया जिससे युवा सडकों पर लाठी खाने पर मजबूर हुए. अब वह अपने ही सांसदों को विपक्ष की आवाज दबाने के लिए भड़का कर रहे हैं.% संसद के मानसून सत्र के चौथे दिन गुरुवार (23 जुलाई 2026) को संसद भवन परिसर में नीट पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी राजनीतिक टकराव देखने को मिला.



बीजेपी की यह प्रतिक्रिया लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के उस आरोप के बाद आई, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर युवाओं के भविष्य को नुकसान पहुंचाने और देश की शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद होने देने का आरोप लगाया था. दोनों पक्ष संसद के मकर द्वार के बाहर जमा हुए और एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी की.

सरकार छात्रों से बातचीत को तैयार-केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार नीट पेपर लीक मुद्दे को लेकर संवेदनशील है और छात्रों के साथ बातचीत कर इसका हल निकालना चाहती है. उन्होंने कहा, धीरे-धीरे हम चर्चा करके समाधान की तरफ बढ़ सकते हैं और समाधान से ही नया रास्ता भी निर्धारित हो सकता है. जहां भी आप कहें... चाहे आप जेपी नड्डा के आवास पर कहें या आप कहें ऑफिस में तो वहां चर्चा हो सकती है. हमारे लिए ये प्रतिष्ठा का सवाल नहीं है.

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर अड़ी -दूसरी तरफ जंतर-मंतर पर भी सीजेपी शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर अड़ी हुई है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेपर लीक के मामलों में सख्ती दिखाते हुए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का ऐलान किया है. इसका मकसद दोषियों को जल्दी और कड़ी सजा दिलाना है. उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इस पर तुरंत काम शुरू करने के निर्देश दिए. इसके थोड़ी देर बाद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और सीजेपी का रिएक्शन आया. राहुल गांधी ने कहा, छात्रों की मांगें साफ हैं. धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाएं. छात्रों से माफी मांगें. छात्रों के साथ हिंसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करें. CJP ने कहा, धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना होगा.

छात्रों का हित सरकार की प्राथमिकता-राजनाथ सिंहरक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत के युवाओं का भविष्य सुरक्षित करना पीएम मोदी के नेतृत्व वाली ह्रश्व सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है. उन्होंने कहा, %पेपर लीक मामलों में तुरंत सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का पीएम मोदी का निर्णय युवाओं को सशक्त बनाने के प्रति उनके दृढ़ संकल्प और अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है

जंतर-मंतर लाठीचार्ज के बाद युवती की मौत का दावा फर्जी, दिल्ली पुलिस ने जारी की चेतावनी



दिल्ली के जंतर-मंतर पर सोमवार (20 जुलाई) को पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज में कई लोगों के घायल होने की खबर है. इस बीच दिल्ली पुलिस की सोशल मीडिया पर सख्त नजर बनी हुई है. सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर एक युवती और पुलिसकर्मी की मौत की झूठी खबर प्रसारित की जा रही है. जिसको लेकर दिल्ली पुलिस ने लोगों से अपील की है.

दिल्ली पुलिस ने अपील में सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरें न फैलाने के लिए कहा है. साथ ही दिल्ली पुलिस ने गलत खबर फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई करने की बात कही है. दरअसल सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल किया जा रहा है जिसमें दावा किया जा रहा है

छात्रों पर पर पैलेट गन का इस्तेमाल! जानें क्या है इसको लेकर नियम, कब और कहां हो सकता है इस्तेमाल?

नीट पेपर लीक के मामले को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का मांग को लेकर दिल्ली में सीजेपी और पुलिस में जोरदार झड़प देखने को मिली. इसके कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं. इस झड़प के दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पैलेट गन के इस्तेमाल का आरोप लगाया है. हालांकि दिल्ली पुलिस प्रशासन ने इन सभी दावों को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि स्थिति को संभालने के लिए किसी भी घातक हथियार का इस्तेमाल नहीं किया गया है. इस विवाद के सामने आने के बाद एक बार फिर से पैलेट गन से इस्तेमाल करने के नियम को लेकर बहस तेज हो गई है. आइए इस बारे में विस्तार से समझ लेते हैं.



पैलेट एक विशेष प्रकार की पंप-एक्शन गन होती है, जिसका इस्तेमाल मुख्य रूप से अनियंत्रित भीड़ को रोकने के लिए किया जाता है. इसके कारतूसों की श्रेणी 5 से 12 नंबर तक होती है. इसमें से 5 नंबर के कारतूस को सबसे ज्यादा असरदार और खतरनाक माना जाता है. इस बंदूक के एक ही कारतूस के अंदर लोहे के लगभग 500 छोटे-छोटे छर्रे भरे होते हैं. जब भी इसे फायर किया जाता है तो कारतूस हवा में छूटते ही फट जाता है और उसके अंदर मौजूद सैकड़ों छर्रे बेहद तेज रफ्तार से अलग-अलग दिशाओं में फैल जाते हैं.छर्रों से आम लोगों को कितना खतरा?पैलेट गन का सबसे घातक पहलू इसका अनियंत्रित बिखराव है. निशाना साधकर फायर करने के बाद भी इसके छर्रे एक निश्चित दिशा की बजाय चारों ओर फैल जाते हैं. इस कारण न केवल प्रदर्शन में शामिल उग्र लोग बल्कि आसपास से गुजर रहे निर्दोष नागरिक या फिर दूर खड़े लोग भी इसकी चपेट में आ जाते हैं. मूल रूप से इस तरीके के हथियारों का इस्तेमाल जंगल में शिकार के लिए किया जाता था,





जयपुर और दिल्ली के जंतर मंतर में क्या है फर्क, वहां क्यों नहीं होते इस तरह के धरने प्रदर्शन?

दिल्ली का जंतर-मंतर दशकों से किसानों, पहलवानों, छात्रों और राजनीतिक दलों के उग्र विरोध-प्रदर्शनों और धरना स्थल का केंद्र रहा है. इस वक्त दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपक लीक को लेकर सीजेपी के कार्यकर्ता और छात्रों का उग्र प्रदर्शन देखने को मिल रहा है. वहीं दूसरी तरफ जयपुर के जंतर-मंतर पर कभी भी कोई भी धरना प्रदर्शन देखने को नहीं मिला. अब जब दिल्ली में धरना चल रहा है तो ऐसे में लोगों के मन में एक सवाल आना लाजमी है कि आखिर एक ही नाम और एक ही दौर की दो विरासतों की स्थिति इतनी अलग क्यों है, चलिए जानें.



दिल्ली और जयपुर के जंतर-मंतर का कब हुआ था निर्माण?इन दोनों ऐतिहासिक वेधशालाओं का निर्माण जयपुर के राजा महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय ने कराया था, लेकिन इसकी स्थापना के समय में बड़ा अंतर देखने को मिलता है. दिल्ली के जंतर-मंतर की स्थापना सबसे पहले साल 1724 में हुई थी, जो देश की बनी पांच वेधशालाओं में सबसे पुरानी मानी जाती है. इसके ठीक 10 साल के बाद यानी 1734 में महाराजा जयसिंह ने जयपुर के जंतर-मंतर का निर्माण कराया था. आकार के दृष्टिकोण से देखें को जयपुर का जंतर-मंतर दिल्ली वाले परिसर की तुलना में काफी बड़ा है और यहां अधिक विशाल और विस्तृत संरचनाएं हैं.

जयपुर जंतर-मंतर पर क्यों नहीं होता विरोध-प्रदर्शन?संरक्षण और अंतरराष्ट्रीय महत्व के आधार पर भी दोनों में बड़ा फर्क देखने को मिलता है. जयपुर के जंतर-मंतर को उसके विशाल आकार और अद्भुत बनावट और उत्कृष्ट रखरखाव की वजह से यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया है, यहां पर दुनिया की सबसे बड़ी पत्थर की धूपघड़ी सम्राट यंत्र मौजूद है. इसके विपरीत राजधानी दिल्ली में स्थित जंतर-मंतर को एक राष्ट्रीय महत्व का संरक्षित स्मारक तो माना गया है, लेकिन इसे यूनेस्को की अंतरराष्ट्रीय धरोहरों की सूची में शामिल होने का दर्जा नहीं प्राप्त है. इसीलिए जयपुर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन नहीं होते हैं.

प्रशासनिक नियम और तय प्रदर्शन स्थलःजयपुर शहर में प्रशासन द्वारा धरने और विरोध-प्रदर्शन आयोजित करने के लिए अलग से स्थान निर्धारित किए गए हैं. जब भी किसी संगठन या जनता को अपनी मांगों को लेकर विरोध दर्ज कराना होता है, तो जयपुर पुलिस और जिला प्रशासन उन्हें कलेक्टर सर्किल के पास स्थित शहीद स्मारक या रामलीला मैदान जाने की अनुमति देता है. इस प्रशासनिक व्यवस्था की वजह से पर्यटन और विरासत से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों जैसे जंतर-मंतर को सार्वजनिक भीड़-भाड़ और राजनीतिक प्रदर्शन से दूर ही रखा जाता है.

मांगे गये मुफ्त विद्युत कनेक्शन की मांग पूरी न होने पर विद्युत लाइन के निर्माण कार्य में किया व्यवधान उत्पन्न

काम कर रहे कर्मचारियों के साथ झगड़ा कर करने की धमकी देने का आरोप अधिशासी अभियंता की शिकायत पर गांव के तीन विपक्षियों पर मामला दर्ज ललितपुर। कोतवाली महरौनी क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पठा विजयपुरा में विद्युत विभाग के अधिकारियों की देखरेख में विद्युत लाइन निर्माण का कार्य कराया जा रहा है जिससे इलाके के लोगों को विद्युत की सुविधा मिल सके लेकिन इस इलाके में डाली जा रही विद्युत निर्माण के कार्य में गांव के ही तीन लोगों ने इसलिए बाधा उत्पन्न की कि उन्हें मुफ्त कनेक्शन देने से इनकार कर दिया गया इस मामले को लेकर विद्युत विभाग के अर्थशासी अभियंता ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

विद्युत कार्य खंड झांसी में तैनात अर्थशासी अभियंता सतीश चंद्र पंडित सीता सिंह ने कोतवाली महरौनी पुलिस को एक पत्र लिखकर अवगत कराया कि शासन की मनसा की अनुरूप कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पठा विजयपुरा में विद्युत लाइन डालने के लिए निर्माण कार्य कराया जा रहा है। बताया गया कि इस गांव में रहने वाले विकास विश्वकर्मा के साथ दो अन्य ग्रामीणों द्वारा विद्युत लाइन निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न की जा रही है और उनके द्वारा मुफ्त विद्युत कनेक्शन की मांग की जा रही है। जब उन्होंने मुफ्त विद्युत कनेक्शन देने से मना किया, तो उन्होंने व्यवधान उत्पन्न करते हुए वह काम कर रहे कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज करते हुए झगड़ा किया और उन्हें मारने पीटने की धमकी दी, जिससे विद्युत लाइन निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न हुई। कोतवाली महरौनी पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर अधिशासी अभियंता द्वारा भेजे गए पत्र के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ 132, 351(3), 221, 308(2), धाराओं में मामला पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

मड़ावरा में मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान में हुई चोरी का मामला हुआ दर्ज

दुकान के ताले चटका कर अज्ञात बदमाशों ने चोरी की घटना को दिया था अंजाम

ललितपुर। थाना मड़ावरा की स्थानीय कस्बे के पंजाब नेशनल बैंक के पास एक मोबाइल शॉप की दुकान में अज्ञात बदमाशों ने शाटर का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया था। इस मामले को लेकर पीि?त दुकानदार आशीष अवस्थी पुत्र बैजनाथ द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर अज्ञात चोर के खिलाफ धारा 305 में मामला पंजीकृत कर लिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार कस्बा मड़ावरा के पंजाब नेशनल बैंक के पास गांव में ही रहने वाले आशीष अवस्थी पुत्र बैजनाथ स्वास्थ्य की मोबाइल की दुकान है, जहां वह मोबाइल की रिपेयरिंग और नए मोबाइल बेचकर अपना और अपने परिवार का वहां पोषण करता है। बताया गया है कि आशीष अवस्थी मंगलवार की शाम करीब 8ः00 बजे अपनी दुकान को भली भांति बंद कर उसके ताले लगाकर अपने घर चला गया था. इसके बाद उसे बुधवार की सुबह करीब 8 बजे आसपास के लोगों से सूचना मिली कि उसकी दुकान के ताले टूटे पड़े हुए हैं और उसकी शटर भी आधि खुली हुई है। जब वह दुकान पर पहुंचा, तो उसने अपनी दुकान की पड़ताल की, तो उसे पता चला कि अज्ञात चोर उसकी दुकान में रखे हुए कुछ मोबाइल और कुछ उसकी सामग्री के साथ गुल्लक में रखी नगद धनराशि लेकर रफू चक्कर हो गए हैं। जिसके बाद दुकानदार ने इस मामले की तत्काल थाना मड़ावरा पुलिस की सूचना दी। इस घटना के बाद मडवरा पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया था और बाद में अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

जमीन के पत्थर उखाड़कर अबैध रूप से कब्जा करने का आरोप

महिला की शिकायत पर गांव के ही आधा दर्जन से अधिक विपक्षियों पर मामला दर्ज

ललितपुर। थाना बार क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सेमरा डांग में स्थित एक महिला की जमीन पर गांव के ही दबंगों ने लगे पत्थरों को उखाड़ कर फेंक दिया पर अवैध रूप से कब्जा जमा लिया। इस मामले को लेकर पीि?ता ने पुलिस को शिकायती पत्र दिया, जिसके आधार पर सात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

सेमरा डांग निवासी राधा भाई पत्नी बृजलाल अहिरवार ने थाना बार पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए अवगत कराया कि गांव में उसकी जमीन है जिस पर चिंहीकरण के लिए पत्थर गड़े हुए थे। बताया गया है कि इस जमीन पर गांव में ही रहने वाले विपक्षी बालचंद पुत्र सूरज सिंह यादव अवैध कब्जा करने का प्रयास कर रहे थे, जिसको लेकर उसने अपनी जमीन को सुरक्षित करने के लिए उस पर पत्थर ग?वा दिए थे। इसके बावजूद दबंग बिपक्षी बालचंद ने अपने आधा दर्जन से अधिक परिजनों के साथ मिलकर एक राय होकर दिनांक 14 जुलाई 2026 को दिनदहाड़े करीब 11ः30 बजे जमीन पर ग? हुए पत्थरों को उखाड़ कर फेंक दिया और उसे पर अवैध रूप से कब्जा जमा लिया। थाना बार पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर पीड़ति महिला द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर सभी सात आरोपियों के खिलाफ धारा 329(3) में मामला पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी है

जल संयोजन की पत्रावली एवं पैसा देने के बाद भी दो वर्ष में नहीं कराए गए कनेक्शन

तीन पीड़ितों ने डीएम को ज्ञापन देकर अपने जाल संयोजन करने और बाबू के खिलाफ कार्यवाही की उठाई मांग

ललितपुर। जिला मुख्यालय की शहरी क्षेत्र में कैलागुआ रोड पर मुहल्ला रावतयाना में जल संयोजन लेने के लिए तीन लोगों ने जल संस्थान में तैनात एक बाबू को पत्रावली तैयार करवा कर पैसे भी दे दिए थे लेकिन 2 वर्ष बाद भी आज तक उनके घरों में नल कनेक्शन नहीं हो पाए हैं। इस मामले को लेकर फिर तो नहीं जिला अधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया और बाबू के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनके घरों में स्वच्छ जल हेतु नल संयोजन करने की मांग उठाई।

शहर के मोहल्ला रावतयाना निवासी ललित कुमार साहू पुत्र चंद्रपाल साहू कुलदीप कुमार पुत्र ललित कुमार साहू एवं सावित्री पत्नी पहलाद सिंह ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया कि उन्होंने जल संयोजन हेतु नल कनेक्शन करवाने के लिए जल संयोजन पत्रावली तैयार करवा कर मार्च 2024 में नदीम बाबू को दे दी थी और इसके साथ ही पत्रावली के साथ 13500 भी उक्त नदीम बाबू को दे दिए थे। लेकिन इस मामले को दो वर्ष हो गए हैं, अब तक उक्त बाबू ने इस मामले में कोई ठोस कदम नहीं उठाया, जिससे अभी तक उनका जल संयोजन नहीं हो पाया है। नदीम बाबू से जब उन्होंने अपने दिए गए पैसों की रसीद मांगी, तो उन्होंने जल संयोजन की रसीद भी नहीं दी। इस प्रार्थना पत्र के माध्यम से पीड़तों ने उक्त नदीम बाबू से जल संयोजन की रसीद दिलवाने और जल संयोजन के कनेक्शन करवाने की मांग उठाई है। अन्यथा की दृष्टि में बाबू के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही करने की भी मांग उठाई है।।

तेज रफ्तार के कहर ने उजाड़े तीन घरों के चिराग...

झांसी नेशनल हाईवे पर चंदेरा इंडस्ट्रियल एरिया के पास ट्रक ने तीन बाइक सवार चचेरे भाइयों को रौंदा, तीनों की हुई मौत

मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरी परीक्षण के दौरान डॉक्टरों ने तीनों को किया मृतक घोषित

घर से अपने खेत पर जाते समय हुए सड़क हादसे का शिकार

आक्रोसित ग्रामीणों ने हाईवे जाम कर किया प्रदर्शन

ललितपुर। जिला मुख्यालय से सटे झांसी नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार के कर ने तीन घरों के चिरागों को उजाड़ दिया है। बताया गया है कि तीन चचेरे भाई अपनी बाइक पर सवार होकर खेतों पर जा रहे थे। इसी दौरान हाइवे पर तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने उन्हें टक्कर मारकर रौंद दिया। इस सड़क हादसे में तीनों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। हालांकि स्थानीय लोगों ने तत्काल एंबुलेंस बुलाकर तीनों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा, जहां तैनात डॉक्टरों ने मेडिकल परीक्षण के दौरान तीनों को मृतक घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। घटना के बाद ग्रामीणों ने हाइवे जाम कर दिया और जमकर प्रदर्शन किया। हालांकि घटना की सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने बुझाने का प्रयास किया जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत शहर से सटे ग्राम रोंडा निवासी 14 वर्षीय अभिषेक पुत्र बृगभान अपने छोटे चचेरे भाई 12 वर्षीय शनि पुत्र जहां और 8 वर्षीय अंशु पुत्र रूप लाल के साथ शुक्रबार को शाम करीब 3 बजे बाइक पर सवार होकर गांव के बाहर स्थित अपने खेत पर जा रहा था। बताया गया है गांव के डिवाइडर पर सड़क हादसों को रोकने के लिए सुरक्षा जाली लगाई गई है, इसीलिए गांव के दोनों तरफ रहने वाले ग्रामीणों को सुरक्षा जाल का चक्कर लगाकर दूसरी तरफ जाना पड़ता है। इसी कारण तीनों भाई बाइक पर सवार होकर अपने घर से निकले और सुरक्षा जाल का चक्कर लगाकर सड़क की दूसरी तरफ अपने खेत पर जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक ने सुरक्षा जाली



का चक्कर हाईवे की दूसरी तरफ सड़क पर जाने का प्रयास किया, तभी विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार अनियंत्रित एक ट्रक ने तीनों बाइक स्वरों को रौंद दिया और वहां से रफू चक्कर हो गया। इस सड़क हादसे में उनकी बाइक क्षतिग्रस्त हुई और तीनों भाई गंभीर रूप से लहू-लुहान होकर घायल हो गए। आनन ?नन में वहां मौजूद स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल एक निजी एंबुलेंस बुलाकर तीनों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया। इमरजेंसी वार्ड में तैनात डॉक्टरों ने परीक्षण के दौरान तीनों चचेरे भाइयों को मृतक घोषित कर दिया। जिसके बाद पुलिस ने तीनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। घटना के बाद ग्रामीणों ने हाइवे जाम कर दिया और जमकर प्रदर्शन किया। हालांकि घटना की सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने बुझाने का प्रयास किया जा रहा है।



क्या कहता है मृतकों का दादा :-

इस मामले में मृतक तीनों पोतों के दादा हल्के पाल ने बताया कि उनको उनके तीनों पोते बाइक पर सवार होकर अपने खेत पर जा रहे थे। क्योंकि उनके गांव में सुरक्षा जाल लगा दी गई है, जिस कारण उन्हें अपने खेत पर जाली को घेर कर जाना पड़ता है। तीनों पोते जाली को घेर कर बाइक से खेत पर जा रहे थे, तभी विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनके पोतों को जोरदार टक्कर मार कर रोंद दिया, जिसमें तीनों की मौत हो गई। हमारे तीन पोतों की मौत की जिम्मेदार अधिकारी और सुरक्षा जाल है, जिसकी वजह से यह घटना हुई है। जब सुरक्षा जाल नहीं लगी थी,तब इतनी बड़ी-बड़ी घटनाएं नहीं होती थी।

इनका कहना है :-

इस मामले में मेडिकल कॉलेज में तैनात डॉक्टर शिवकुमार तिवारी ने बताया कि हाईवे एंबुलेंस के माध्यम से तीन नाबालिक बच्चों को घायल अवस्था में लाया गया था। जब यहां डाक्टरी परीक्षण किया गया, तो तीनों मृतक थे, इसलिए तीनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। बॉक्स :- क्र(ग्रामीणों को समझाते सदर कोतवाल)

घटना के बाद ग्रामीणों ने हाईवे जाम कर किया प्रदर्शन :-

भीषण सड़क हादसे में तीन चचेरे भाइयों की हुई मौत के बाद ग्रामीणों में आक्रोश पनप उठा और उन्होंने हाईवे को दोनों तरफ से जाम कर दिया और जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान मौके पर कुछ पथराव भी किया गया। हाईवे जाम होने की सूचना पर सदर कोतवाल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने बुझाने का काम किया गया। हाईवे जाम की सूचना पर अपर जिला अधिकारी के साथ अन्य कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे, जहां ग्रामीणों को समझने बुझाने का काम किया जा रहा है। लेकिन ग्रामीण किसी की एक सुनने को तैयार नहीं है। ग्रामीणों का आरोप है कि जब से यहां पर सुरक्षा जाली लगाई गई है,

जिला पंचायत के पास बने स्वागत द्वार के गिरे घातला मार्बल पर डीएम ने बैठाई जांच

जांच टीम की एक सप्ताह में रिपोर्ट के आधार पर चिन्हित लोगों पर कार्यवाही के दिए संकेत

शहर में नगर पालिका परिषद द्वारा बनाए गए स्वागत द्वार का बरसात के बीच मार्बल गिरने से कोचिंग से लौट रही दो छत्राएं हुई थी घायल

ललितपुर। शहर में बनाये गये नगर पालिका के स्वागत द्वारा का मार्बल गिरने से घायल हुई दो छात्रों के मामले में जिलाधिकारी ने सख्ती दिखाई है और इस घटिया निर्माण की जांच के लिए दो सदस्यई टीम का गठन किया है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषियों पर कार्यवाही सुनिश्चित है। बतातें चलें नगर पालिका परिषद द्वारा बनाये गये स्वागत द्वारों के निर्माण में ठेकेदारों द्वारा काफी घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया, जिस कारण लगातार हदसे हो रहे हैं।

शासन की मंशा के अनुरूप शहर की सुंदरता बढ़ाने के लिए जनपद के शहरी इलाके में नगर पालिका परिषद द्वारा कई स्वागत द्वारा बनाए गए हैं। लेकिन इन बनाये गये स्वागत द्वारों का निर्माण कार्य काफी घटिया किस्म का किया गया है, जिससे अब हादसे होने लगे हैं। यह स्वागत द्वार इतने घातक साबित हो रहे हैं कि कभी भी इन स्वागत द्वारा पर लगाये गये मारवल के गिरने से किसी की भी जान जा सकती है। क्योंकि हाल ही गुरुबार की शाम को शहर के स्टेशन रोड पर स्थित जिला पंचायत के पास बनाए गए एक स्वागत द्वारा का अचानक मार्बल बरसात होते ही भर-भराकर गिर गया, जिसकी चपेट में आने से कोचिंग से लौट कर



आ रही दो छात्राएं गंभीर रूप से घायल हुई। स्थानीय लोगों ने इस घटिया निर्माण पर हगरा आक्रोश व्यक्त किया और दोनों छात्राओं को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया जहां उनका इलाज चल रहा है। बताया गया है कि बुधबार की शाम करीब 5ः00 बजे सदर क्षेत्र के पुलिस कॉलोनी निवासी 20 वर्षीय आरती देवी पटरी जीवनलाल अपने भाई संदीप वह सहेली 21 वर्षीय रिया पुत्री राजीव के साथ सिविल लाइन प्रथम में लाइब्रेरी में पढ़ने के लिए गई हुई थी। जब वह शाम के समय लाइब्रेरी से अपने घर लौट रहे थे, तभी हो रही बरसात के बीच जिला पंचायत के पास स्थित प्रवेश द्वार का मार्बल अचानक टूट कर गिरा, जिससे आरती देवी का सिर फट गया और रिया को भी पैरों में चोट लगी। इस दौरान दोनों को तत्काल मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने ठेकेदार द्वारा घटिया निर्माण पर काफी आपत्ति जताई और मोहल्ले वासियों ने आक्रोश व्यक्त किया। इसके साथ ही इन स्वागत द्वारों को मौत का द्वार भी बताया। यह मामला जैसे ही जिलाधिकारी सत्य प्रकाश के संज्ञान में आया, उन्होंने तत्काल दो सदस्य टीम जांच के लिए नामित की। जिलाधिकारी ने इस जांच की जिम्मेदारी अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी और डिप्टी कलेक्टर को सोंपी है। यह जांच टीम एक सप्ताह में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी और इसमें जो दोषी पाए जाएंगे उन पर कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

इनका कहना है :-

शहर में जिला पंचायत के पास नगर पालिका परिषद द्वारा बनाए गए स्वागत द्वार का बुधवार को मार्बल गिर गया था, जिससे दो छात्राएं घायल हो गई थी। इस मामले में उन्होंने जांच टीम नामित की है, जिसमें पीडब्ल्यूडी अधिशासी अभियंता और डिप्टी कलेक्टर को नामित किया गया है। यह पूरे मामले की जांच करेंगे और जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषियों पर कार्यवाही की जाएगी।

नर्सिंग होम के डॉक्टर पर अल्ट्रासाउंड करने के दौरान बच्चों को लताड़ने और उठाकर पटकने का आरोप

अल्ट्रासाउंड टेबल पर बच्चे के रोने के दौरान दिया घटना को अंजाम, पिता के साथ भी की अभद्रता



पीड़ति ने जिला अधिकारी को शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की उठाई मांग

ललितपुर। शहर में संचालित होने वाले एक नर्सिंग होम और अल्ट्रासाउंड सेंटर पर अल्ट्रासाउंड कराने गए एक पिता और उसके बच्चे के साथ अभद्र व्यवहार किया गया। आरोप है कि सनकी डॉक्टर ने बच्चे को रोने पर अल्ट्रासाउंड टेबल पर उठाकर पटक दिया और विरोध करने पर पिता के साथ अभद्रतापूर्ण व्यवहार किया गया। इस मामले को लेकर पीड़ति पिता ने डीएम को शिकायती पत्र देकर नर्सिंग होम अल्ट्रासाउंड क्लीनिक के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही करने की मांग उठाई।

सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत मोहल्ला तुलसी नगर निवासी मयंक मिश्रा पुत्र प्रकाश नारायण मिश्रा गुरुवार को जिला अधिकारी कार्यालय पर उपस्थित हुआ, जहां उसने शहर में संचालित एक हॉस्पिटल संचालक के खिलाफ शिकायती पत्र दिया। बताया गया है कि पीड़ति मयंक मिश्रा ने जिला अधिकारी को बताया कि उसके बेटे की काफी तबीयत खराब थी और उसका पेट दर्द कर रहा था। इसीलिए वह अपने ढाई वर्षीय पुत्र मेवान मिश्रा का इलाज करने के लिए एक डॉक्टर के पास गया, जहां डॉक्टर ने उसे पुत्र का अल्ट्रासाउंड करने के लिए कहा। बताया गया है कि जब वह अल्ट्रासाउंड करने के लिए अर्चित हॉस्पिटल गया, तो उसका पुत्र काफी रो रहा था, क्योंकि उसके पेट में दर्द था। इस दौरान उसे करीब ढाई घंटे तक अस्पताल के बाहर बैठाया गया और जब उसके पुत्र के अल्ट्रासाउंड का नंबर आया, तो वह अपने पुत्र को लेकर अल्ट्रासाउंड कक्ष में पहुंचा। जहां मौजूद डॉक्टर उसका अल्ट्रासाउंड करने लगा, लेकिन जब उसका पुत्र जोर-जोर से रोने लगा तब सनकी डॉक्टर ने उसके पुत्र के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए उसे जमकर ललकारा और अल्ट्रासाउंड टेबल पर ही उठाकर पटक दिया। इस दौरान जब उसने डॉक्टर की इस हरकत पर विरोध जताया, तब उसने उसके साथ अभद्रता की और धक्के मार कर नर्सिंग होम से बाहर निकाल दिया। इस प्रार्थना पत्र के माध्यम से पीड़ति ने नर्सिंग होम और डॉक्टर के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही करने की मांग उठाई है।

देश के महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की मनाई गई जयंती

ललितपुर। शहर के तालाबपुरा स्थित गौशाला अखाड़ा में महान क्रांतिकारी चांदशेखर आजाद की जयंती मनाई गई। इस दौरान वक्तओं ने कहा कि यह महान स्वतंत्रता सेनानी भारत के युवाओं के लिए सदैव प्रेरणा का एक प्रमुख स्रोत हैं। चन्द्रशेखर आजाद इतने महान क्रांतिकारी थे कि जब महज 15 साल की उम्र में असहयोग आंदोलन के दौरान जब उन्हें गिरफ्तार किया गया, तो अदालत में मजिस्ट्रेट द्वारा नाम, पिता का नाम और पता पूछे जाने पर उन्होंने निर्भीकता से अपना नाम ÷आज़ाद÷, पिता का नाम ÷स्वतंत्रता÷ और घर का पता ÷जेल÷ बताया था। इसके बाद से उन्हें %चंद्रशेखर आजाद% के नाम से जाना जाने लगा।वह %हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन% (॥स्त्र) के प्रमुख कमांडर-इन-चीफ थे। इस बैठक की अध्यक्षता शीलचंद सिंघई (पप्पी) पूर्व नगर संयोजक बजरंग दल व संचालन शांत सागर साहू (पूर्व पार्षद)ने किया । बैठक में फूल चन्द विश्वकर्मा, आदर्श जैन ,मुन्ना लाल जैन, अविन्द संज्ञा पं. नरेश विदुआ , राजू सेठ,भारत रिछारिया,नरेन्द्र पाठक, अशीष तिवारी, पंकज रकैवार , सुनील सोनी सुन्नू,,हरगोविंद सोनी छोटे, ओम विदुआ मनोज गिरी,किशन पटेल ,मनोज गुप्ता, रामरतन माली, मनीष पवैया, मुकेश जैन, प्रभु ,कोमल, पूरन, जग्गी, वीरेन्द्र,दशरथ, लल्लू मनोज नायक, अरुण गोस्वामी, विक्की सोनी,लक्ष्मण,रतन ,प्रकाश , कमता ,प्रताप कुशवाहा, अंकित शिवाजी, टोनी, संजय, प्रेम, अमित श्रीवास्तव, कुदंन सेन, रोहित यादव, रामेश्वर साहू बड़े ,कल्लन चौबे,महेश जैन मोनू भागवत वाजपेई,विपिन सराफ ,छोटू सर्राफ वकील आनंद रानू , शैलेश राठौर, मनीष रजक अतुल खरे, अजय तोमर, सुनील राठौर, दीपराज सोनी,सनत जैन,हरि धर्मेन्द्र मुकेश यादव, उल्की जैन,मंजीत कैरोसिया,महेंद्र राजपूत, रणजीत बुंदेला,रानू बॉबी राजा,मुकेश तामिया, लल्लू संजीव सोनी,विनोद मनोकामना बड़े सेन,शिवम विरधा,आमोद दीक्षित,ललित तिवारी,शंकर कुशवाहा ,भोडले,परमानन्द झा,पप्पू पाल, सुनील साहू,रूपेश,महेश श्रीवास्तव ,बल्देव राजा, लक्ष्मी नारायण माली, संतोष सोनी जग्गू, लक्ष्मण बारी,लीलाधर उपाध्याय,दिनेश हलवाई राजा,आदि मौजूद रहे।

जनपद में वृहद स्तर पर आयोजित होगा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

ललितपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 इम्तियाज अहमद ने बताया कि बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण स्तर और उनके सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग द्वारा अगस्त 2026 में %राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस% (नेशनल डिवॉर्मिंग डे) का एक वृहद आयोजन किया जा रहा है। इस अत्यंत महत्वपूर्ण जन-स्वास्थ्य अभियान के अंतर्गत जनपद के 1 वर्ष से लेकर 19 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों तथा किशोर-किशोरियों को आंतों के कीड़े मारने वाली अत्यंत प्रभावी और सुरक्षित दवा %एल्बेंडाजोल% खिलाई जाएगी।

इस दौरान उन्होंने बताया कि इस राष्ट्रव्यापी अभियान के लिए मुख्य दिवस 10 अगस्त 2026 निर्धारित किया गया है, जिस दिन सभी लक्षित बच्चों को यह दवा दी जाएगी। हालांकि, स्वास्थ्य विभाग ने यह भी सुनिश्चित किया है कि यदि कोई बच्चा बीमारी, अनुपस्थिति या किसी अन्य अपरिहार्य कारणवश दवा खाने से वंचित रह जाता है, तो उसे घबराने की आवश्यकता नहीं है। ऐसे सभी छूटे हुए बच्चों को 14 अगस्त 2026 को आयोजित होने वाले %मॉप-अप दिवस% पर विशेष रूप से यह खुराक प्रदान की जाएगी ताकि कोई भी बच्चा इस सुरक्षा चक्र से बाहर न रहे। इस वृहद अभियान का दायरा और इसके क्रियान्वयन की रणनीति बहुत ही व्यापक और सुव्यवस्थित रखी गई है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के अनुसार, बच्चों की आंतों में पनपने वाले परजीवी कीड़े, जिन्हें सामान्य भाषा में कृमि कहा जाता है, बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को अत्यंत गंभीर रूप से बाधित करते हैं। इन कीड़ों के कारण बच्चों में कई प्रकार की स्वास्थ्य जटिलताएं उत्पन्न हो जाती हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए, इस दवा को खिलाने की जिम्मेदारी विभिन्न शैक्षणिक और बाल विकास संस्थाओं को सौंपी गई है। सभी सरकारी स्कूलों, सरकारी सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थानों, निजी स्कूलों के साथ-साथ ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के आंगनवाड़ी केंद्रों पर शिक्षकों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की प्रत्यक्ष और सख्त निगरानी में बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जाएगी। जो बच्चे किसी कारण से स्कूल नहीं जाते हैं या जिन्होंने पढ़ाई छोड़ दी है, उन तक पहुँचने के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों का उपयोग किया जाएगा। बच्चों के शरीर पर इस कृमि संक्रमण के प्रभाव अत्यंत विनाशकारी और दीर्घकालिक होते हैं। जब ये कीड़े बच्चों की आंतों में पनपते हैं, तो वे वहां से खून चूसना शुरू कर देते हैं, जिसके परिणामस्वरूप बच्चों में हीमोग्लोबिन का स्तर तेजी से गिरने लगता है और वे एनीमिया यानी खून की कमी के शिकार हो जाते ह

कृषि उद्यमी स्वावलंबन योजना में 6 पात्रों का हुआ चयन, शेष प्रतीक्षा सूची में

ललितपुर। कषि विभाग में संचालित कुषि उद्यमी स्वावलम्बन योजना के अन्तर्गत वर्ष 2026-27में कुल छः उद्यमी का चयन किये जाने हेतु लक्ष्य प्राप्त हुए थे। जिस हेतु जिलाधिकारी द्वारा नामित अध्यक्ष मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में प्रति विकास खण्ड से एक-एक अभ्यर्थी का चयन कार्ययोजना में उपलब्ध कराये गये निरमों (आयु के वरीयता के कममें) के अनुसार किया गया है। इस प्रकार प्रत्येक विकास खण्ड में एक अभ्यर्थी का चयन कियागया एवं एक अभ्यर्थी को प्रतीक्षा सूची में रखा गया है। यदि चयनित आभ्यर्थी योजना का लाभ नहीं लेता है, तो विकास खण्ड के प्रतीक्षा सूची से अभ्यर्थी का चयन कर लिया जायेगा। जिसकी सूचना उप कृषि निदेशक के सूचना पटल पर चस्पा है।

शिक्षक रहे राजाराम गोस्वामी की श्रद्धांजलि सभा में लगा जनजागरूकता शिविर, मात्र 5 यूनिट रक्तदान ने बढ़ाई चिंता

स्वास्थ्य परीक्षण, रक्तदान, अंगदान-देहदान, नशामुक्ति और वृक्षारोपण से दिया सामाजिक सरोकार का संदेश, वैज्ञानिक सोच अपनाने की अपील

ललितपुर। ग्राम चिगलौआ में दिवंगत शिक्षक राजाराम गोस्वामी की श्रद्धांजलि सभा के अवसर पर शांति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट, ललितपुर द्वारा बहुआयामी जनजागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रक्तदान, स्वास्थ्य परीक्षण, अंगदान-देहदान जागरूकता, नशामुक्ति अभियान एवं वृक्षारोपण जैसे जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित किए गए। हालांकि सैकड़ों लोगों की मौजूदगी के बावजूद केवल 5 यूनिट रक्तदान होने से रक्तदान के प्रति लोगों में व्याप्त झिझक और जागरूकता की कमी एक बार फिर उजागर हो गई। शिविर के दौरान 184 ग्रामीण महिला-पुरुषों तथा पूर्व माध्यमिक विद्यालय के 75 एवं प्राथमिक विद्यालय के 98 विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। चिकित्सकों ने मौसमी बीमारियों से बचाव, स्वच्छता, संतुलित जीवनशैली, नशामुक्ति, रक्तदान, अंगदान एवं देहदान के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही प्राथमिक विद्यालय, गौशाला एवं अंत्येष्टि स्थल पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में ग्रामीण, परिजन एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे, लेकिन जब किसी अज्ञात जरूरतमंद का जीवन बचाने के लिए रक्तदान का अवसर आया तो अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बार के चिकित्सा अधीक्षक ने स्वयं सबसे पहले रक्तदान कर लोगों को प्रेरित किया, लेकिन इसके बावजूद पूरे शिविर में केवल एक चिकित्सक और ट्रस्ट से जुड़े चार सदस्यों सहित कुल 5 यूनिट रक्तदान ही हो सका। ट्रस्ट के अनुसार अब तक आयोजित पांच रक्तदान शिविरों में यह सबसे



कम रक्तदान रहा। संस्था का मानना है कि यह स्थिति ग्रामीण क्षेत्रों में रक्तदान के प्रति फैली भ्रांतियों, वैज्ञानिक सोच की कमी और व्यापक जनजागरूकता की आवश्यकता को दर्शाती है। कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बार के तीन चिकित्सकों, छह स्वास्थ्यकर्मियों, ट्रस्ट के दो चिकित्सकों, दो स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं तथा छह सदस्यीय रक्तदान टीम ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। ट्रस्ट के संस्थापक ने बताया कि ग्राम चिगलौआ उनका पैतृक गांव है। उन्होंने बताया कि उनकी जीवन संगिनी एवं प्रेरणास्रोत बोधिसत्व शांति साहू ने अस्पताल में जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष करते हुए निधन से दो दिन पूर्व अंगदान एवं देहदान का संकल्प लिया था। उसी प्रेरणा से ट्रस्ट लगातार रक्तदान, अंगदान, देहदान, स्वास्थ्य जागरूकता, नशामुक्ति और वैज्ञानिक सोच के प्रसार के लिए कार्य कर रहा है। संस्था ने कहा कि किसी भी श्रद्धांजलि का वास्तविक सम्मान तभी है, जब वह केवल पुष्प अर्पित करने तक सीमित न रहकर समाजहित के कार्यों में भी दिखाई दे। यदि श्रद्धांजलि सभाओं के साथ रक्तदान, अंगदान, देहदान और वैज्ञानिक सोच जैसे जनहितकारी संकल्प जुड़ जाएं, तो वे समाज के लिए वास्तविक प्रेरणा बन सकती हैं।

विचारों से आगे- व्यवहार की कसौटी

एक शिक्षक, जिसने जीवनभर समाज को शिक्षित और जागरूक बनाने का कार्य किया, उसे श्रद्धांजलि देने सैकड़ों लोग पहुंचे। श्रद्धा, संवेदनाएं और शब्दों की कोई कमी नहीं थी, लेकिन जब किसी अनजान व्यक्ति का जीवन बचाने के लिए कुछ मिनट का समय और कुछ मिलीलीटर रक्त देने का अवसर आया, तब केवल एक चिकित्सक और ट्रस्ट से जुड़े चार सदस्य ही आगे आए।

श्रद्धांजलि देने वाले सैकड़ों थे, लेकिन जीवन बचाने वाले केवल पांच

यह दृश्य समाज के सामने एक महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा करता है कि क्या हमारी संवेदनाएं केवल औपचारिकता तक सीमित हैं? विशेषज्ञों का मानना है कि विचारों का वास्तविक मूल्य तभी है, जब वे व्यवहार में दिखाई दें। समाज को केवल श्रद्धांजलि देने वाले नहीं, बल्कि संकट की घड़ी में आगे बढ़कर मानव जीवन बचाने वाले जागरूक और जिम्मेदार नागरिकों की आवश्यकता है।

दिल्ली में छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में अधिवक्ता संवाद का प्रदर्शन



महामहिम राष्ट्रपति के नाम डीएम सत्य प्रकाश को सौंपा ज्ञापन

ललितपुर। दिल्ली में शिक्षा, पारदर्शी परीक्षा प्रणाली और रोजगार जैसे मुद्दों को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस द्वारा किए गए कथित लाठीचार्ज के विरोध में सामाजिक संगठन अधिवक्ता संवाद मैदान में उतर आया। संगठन के पदाधिकारियों एवं अधिवक्ताओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भेजकर घटना की निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच कराने, दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा घायल छात्रों को न्याय दिलाने की मांग उठाई। ज्ञापन में कहा गया कि शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों पर पुलिस द्वारा बल प्रयोग किया जाना लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। संगठन का कहना है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) एवं 19(1)(बी) प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा शांतिपूर्ण ढंग से एकत्र होकर अपनी बात रखने का अधिकार प्रदान करते हैं। ऐसे में छात्रों पर लाठीचार्ज मानवाधिकारों के साथ-साथ संविधान की मूल भावना के भी विपरीत है। अधिवक्ता संवाद ने राष्ट्रपति से मांग करते हुए कहा कि पूरे घटनाक्रम की किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश अथवा स्वतंत्र एवं निष्पक्ष एजेंसी से उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। लाठीचार्ज का आदेश देने वाले प्रशासनिक अधिकारियों एवं बल प्रयोग करने वाले पुलिसकर्मियों की पहचान कर उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाए। साथ ही घायल छात्रों का निःशुल्क एवं बेहतर उपचार कराया जाए तथा उन्हें उचित आर्थिक मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। संगठन ने यह भी मांग की कि शांतिपूर्ण आंदोलन में शामिल छात्रों के विरुद्ध दर्ज सभी मुकदमों को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए और भविष्य में किसी भी लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण आंदोलन पर अनावश्यक पुलिस बल प्रयोग रोकने के लिए स्पष्ट एवं सख्त दिशा-निर्देश जारी किए जाएं, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। ज्ञापन सौंपने के दौरान अधिवक्ता संवाद से हरदयाल सिंह लोधी एड., कैलाश नारायण एड., पुष्पेन्द्र सिंह चौहान एड., आनंद सिंह एड., महेन्द्र पाराशर एड., अंगद राजपूत एड., शेरसिंह यादव एड., आकाश झां एड., अनुराग सिंह एड., गजराम एड., शशिकान्त सिंह एड., रवीन्द्र प्रताप सिंह एड., रामकुमार एड., हरेन्द्र कुमार झां एड., देवसिंह राजपूत एड., उमाशंकर कुशवाहा एड., अजय सिंह राजपूत एड. समेत अन्य अधिवक्ता एवं संगठन के सदस्य उपस्थित रहे।

नवागत एसपी से मिले सराफा व्यापारी फर्जी शिकायतों पर निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की उठाई मांग



ललितपुर। जिले के नवागत पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई से सराफा एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट कर उनका स्वागत किया। इस दौरान व्यापारियों ने जिले में सराफा कारोबार से जुड़ी विभिन्न समस्याओं से अवगत कराते हुए पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष कार्रवाई और सहयोग की अपेक्षा जताई। व्यापारियों ने बताया कि सोना-चांदी की कीमतों में लगातार हो रहे उतार-चढ़ाव के कारण गिरवी रखे गए आभूषणों के लेन-देन तथा पुरानी धातु से नए आभूषण तैयार कराने के मामलों में मूल्य का अंतर आना स्वाभाविक है। इसके बावजूद कुछ ग्राहक मनमाने तरीके से अनुचित मांगें करते हैं और विरोध करने पर सराफा व्यापारियों के खिलाफ फर्जी एवं मनगढ़ंत शिकायतें दर्ज कराकर उन्हें अनावश्यक रूप से प्रताड़ित करने का प्रयास करते हैं। प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक से आग्रह किया कि ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की कार्रवाई से पहले निष्पक्ष एवं तथ्यों पर आधारित जांच कराई जाए। जांच में जो भी तथ्य सामने आएं, उनके आधार पर ही कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि निर्दोष व्यापारियों का उत्पीड़न न हो और दोषियों के विरुद्ध भी प्रभावी कार्रवाई हो सके। शिष्टाचार मुलाकात के दौरान सराफा व्यापारियों ने हाल ही में सराफा व्यापारी मनीष नायक के विरुद्ध दर्ज एससी/एसटी एक्ट के प्रकरण का भी मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। व्यापारियों ने मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि जांच में शिकायतकर्ता के आरोप असत्य या भ्रामक पाए जाते हैं, तो उसके विरुद्ध भी कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाए। पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और भरोसा दिलाया कि पुलिस प्रत्येक मामले में निष्पक्ष जांच के सिद्धांत पर कार्य करेगी तथा कानून के अनुसार उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर सराफा एसोसिएशन अध्यक्ष मज्जू सोनी, मनोज जैन बल्ली, सुशील जडि?ा, संजय सराफ, राजेश सोनी, संजीव सोनी, मुकेश तामिया, सुनील जैन, बृजेश लाला, गौरव सोनी, कमल सोनी, आनंद सोनी, राजेंद्र सोनी, अर्जुन भोसले, विशाल सराफ, विशाल जैन गंगचारी सहित बड़ी संख्या में सराफा व्यापारी उपस्थित रहे।

ठेकेदार की लापरवाही से राजकीय हाईस्कूल थनवारा की सुरक्षा पर संकट गेट व दीवार तोड़कर निर्माण अधूरा छोड़ हुआ गायब

लिखित आश्वासन के बावजूद नहीं बनवाया मुख्य प्रवेश द्वार स्कूल परिसर में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा, प्रधानाध्यापक ने जखौरा पुलिस से कार्रवाई की मांग

ललितपुर। विकासखंड जखौरा के राजकीय हाई स्कूल थनवारा में बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य के दौरान ठेकेदार की लापरवाही के कारण विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई है। आरोप है कि ठेकेदार ने निर्माण सामग्री अंदर पहुंचाने के लिए विद्यालय का मुख्य गेट एवं बाउंड्री वॉल का एक हिस्सा तोड़ दिया और कार्य पूर्ण होने के बाद उसे पूर्ववत बनवाने का लिखित आश्वासन दिया था। लेकिन कई महीने बीत जाने के बावजूद न तो गेट बनाया गया और न ही क्षतिग्रस्त दीवार का निर्माण कराया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा उपलब्ध कराए गए अभिलेखों के अनुसार, 6 नवंबर 2025 को ठेकेदार राजेश ने लिखित पत्र देकर विद्यालय प्रशासन से गेट एवं दीवार हटाने की अनुमति मांगी थी। पत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया था कि बाउंड्री वॉल का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद गेट और दीवार को पूर्व की स्थिति में पुनः निर्मित करा दिया जाएगा। विद्यालय प्रशासन ने इसी भरोसे पर अनुमति प्रदान कर दी थी। प्रधानाध्यापक का कहना है कि बाउंड्री वॉल का निर्माण कार्य काफी पहले पूरा हो चुका है, लेकिन ठेकेदार अपने वादे से मुकर गया।



कई बार फोन के माध्यम से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन वह फोन रिसीव नहीं कर रहा है और न ही विद्यालय पहुंच रहा है। विद्यालय परिसर का मुख्य गेट और दीवार नहीं होने से सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई है। स्कूल समय के बाद तथा अवकाश के दिनों में असामाजिक तत्व परिसर में आसानी से प्रवेश कर रहे हैं। विद्यालय प्रशासन के अनुसार, ऐसे लोग परिसर में गंदगी फैलाने के साथ-साथ विद्यालय में लगाए गए पेड़-पौधों को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। इससे विद्यालय का शैक्षणिक वातावरण प्रभावित हो रहा है और छात्रों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए राजकीय हाई स्कूल थनवारा के प्रधानाध्यापक ने थानाध्यक्ष जखौरा को प्रार्थना पत्र देकर ठेकेदार के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने तथा लिखित आश्वासन के अनुरूप विद्यालय का मुख्य गेट और क्षतिग्रस्त बाउंड्री वॉल का निर्माण शीघ्र कराए जाने की मांग की है। विद्यालय प्रशासन का कहना है कि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो विद्यालय की संपत्ति को और अधिक नुकसान पहुंचने की आशंका बनी रहेगी।

रायपुर सेक्टर में बूथ गठन को लेकर बसपा की समीक्षा बैठक आयोजित



संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने पर जोर

पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

ललितपुर। बहुजन समाज पार्टी के संगठनात्मक अभियान के अंतर्गत सेक्टर क्रमांक-24, रायपुर के बूथ संख्या 277 एवं 278 पर बुधवार को बूथ गठन एवं संगठन विस्तार को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बूथ स्तर पर संगठन को अधिक मजबूत बनाने, सक्रिय कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां तय करने तथा आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के मुख्य अतिथि देवेन्द्र मैनवार (विधानसभा प्रभारी) ने कहा कि बसपा की सबसे बड़ी ताकत उसका मजबूत बूथ संगठन है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से प्रत्येक बूथ पर संगठन को और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने का आह्वान किया। बैठक की अध्यक्षता संतोष अहिरवार (विधानसभा अध्यक्ष) ने की। इस दौरान तुलाराम राजपूत (विधानसभा सचिव), प्रदीप (सेक्टर प्रभारी), रमेश (सेक्टर अध्यक्ष), सुरेश (सेक्टर सचिव), इमामी खान (सेक्टर अध्यक्ष) तथा वरिष्ठ कार्यकर्ता करन पठला ने भी अपने विचार रखे और बूथ गठन की प्रगति की समीक्षा करते हुए संगठनात्मक कार्यों को गति देने पर बल दिया। बैठक में बूथ संख्या 277 एवं 278 के सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से घर-घर संपर्क अभियान को प्रभावी बनाने तथा पार्टी की नीतियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक का समापन संगठन को बूथ स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने के संकल्प के साथ हुआ।

बिरधा ब्लॉक में मजदूरों ने समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन



125 दिन रोजगार और 400 रुपये दैनिक मजदूरी की उठाई मांग

ललितपुर। स्वाभिमानी मजदूर संगठन के नेतृत्व में गुरुवार को बिरधा ब्लॉक परिसर में मजदूरों की विभिन्न समस्याओं एवं वीबी रामजी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की मांग को लेकर प्रदर्शन किया गया। इसके बाद संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) के नाम संबोधित ज्ञापन एपीओ (सहायक कार्यक्रम अधिकारी) को सौंपा। ज्ञापन में संगठन ने मांग की कि वीबी रामजी योजना के अंतर्गत सभी पात्र मजदूरों को वर्ष में 125 दिनों का रोजगार उपलब्ध कराया जाए तथा मजदूरों को 400 रुपये प्रतिदिन मजदूरी सुनिश्चित की जाए। साथ ही मजदूरों को समय पर काम उपलब्ध कराने और निर्धारित समय सीमा में मजदूरी का भुगतान करने की मांग भी उठाई गई। संगठन ने आरोप लगाया कि जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में मजदूरों द्वारा कार्य के लिए आवेदन दिए जाने के बावजूद उन्हें रोजगार उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो रहा है। ज्ञापन में मजदूरों के अधिकारों की रक्षा करते हुए उनकी सभी लंबित समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने की भी मांग की गई। स्वाभिमानी मजदूर संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि मजदूरों को रोजगार और उचित मजदूरी मिलना उनका अधिकार है। यदि समयबद्ध तरीके से उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन आगे भी पूरी तरह शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन जारी रखेगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान स्वाभिमानी मजदूर संगठन के कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में मजदूर मौजूद रहे।

27 जुलाई को महिला अधिकारों और आत्मनिर्भरता पर मंथन बुन्देलखण्ड महिला विकास सेवा समिति ने शुरू की तैयारियां

ललितपुर। महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करने के उद्देश्य से बुन्देलखण्ड महिला विकास सेवा समिति ने 27 जुलाई को महिला सशक्तिकरण विषयक विचार गोष्ठी एवं जागरूकता समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया है। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर समिति की बैठक अध्यक्ष श्रीमती गुलाबबाई सैन की अध्यक्षता में समिति कार्यालय पर आयोजित की गई। बैठक में महिला शिक्षा, सामाजिक भागीदारी, आर्थिक आत्मनिर्भरता और कानूनी अधिकारों पर विस्तार से चर्चा हुई। समिति ने कहा कि बदलते समय में महिलाओं को केवल योजनाओं की जानकारी ही नहीं, बल्कि अपने संवैधानिक अधिकारों के प्रति भी जागरूक होना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से 27 जुलाई को आयोजित होने वाली विचार गोष्ठी में विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों और समाजसेवियों के विचार भी साझा किए जाएंगे। समिति अध्यक्ष श्रीमती गुलाबबाई सैन ने कहा कि आज महिलाएं शिक्षा, प्रशासन, राजनीति, विज्ञान, खेल और अन्य क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। ऐसे में समाज में महिलाओं की भागीदारी और अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जाने चाहिए। समिति की सचिव श्रीमती गीता सैन ने बताया कि प्रस्तावित विचार गोष्ठी महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगी, जहां उन्हें अपने अधिकारों, सरकारी योजनाओं और आत्मनिर्भर बनने के अवसरों की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने अधिक से अधिक महिलाओं से कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की। बैठक में गुडडी, रानी, वंदना कुशवाहा, मीरा साहू, गीता वर्मा, ममता राज, रेनू याज्ञिक सहित कई सदस्याओं ने महिला शिक्षा, सामाजिक समानता और सशक्तिकरण से जुड़े विषयों पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर श्रीमती रामदेवी सैन, श्रीमती रेखा वर्मा, रामदेवी, श्रीमती गुडडी सैन, श्रीमती ममता सोनी, श्रीमती राधिका शर्मा, कमला साहू, उमा यादव, रेखा राजपूत, प्रीति जैन, मीरा नामदेव, नवल कुशवाहा, तारा अहिरवार, मिथिलेश राजपूत, सरोज साहू, कुसुम रजक, विनीता निरंकारी, रमा जीवास, शीला कुशवाहा, जीजादेवी परिहार, मधु तिवारी, कुसुम प्रजापति, मुन्नी रैकवार, प्रतिभा कौशिक, मधुलता वर्मा, द्रौपदी पंथ, जशोदा, ज्योति पंत, संगीता कुशवाहा, मीना देवी, जेपी सैन, प्रियंका सैन, प्राची, किरण, नर्बदा पाल, रश्मी रैकवार, आरती तिवारी, कल्पना कुशवाहा, विनीता अहिरवार, मोहिनी प्रजापति, सरोज सैन, गुड्डी नापित, नीतू कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में समिति की सदस्याएं उपस्थित रहीं। बैठक का संचालन श्रीमती गीता सैन ने किया, जबकि अंत में प्राची सैन ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया। समिति ने अधिक से अधिक महिलाओं से 27 जुलाई को आयोजित होने वाली विचार गोष्ठी में भाग लेकर महिला सशक्तिकरण के अभियान को मजबूत बनाने की अपील की।

सात खोए मोबाइल बरामद कर लौटाई लोगों के चेहरों की मुस्कान

सीईआईआर पोर्टल और तकनीकी विश्लेषण की मदद से 1.07 लाख रुपये के मोबाइल किए बरामद



एसपी संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन में कार्रवाई

ललितपुर। जिले की जखौरा पुलिस ने आधुनिक तकनीक और सीईआईआर पोर्टल की मदद से खोए हुए सात मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को सौंप दिए। बरामद मोबाइलों की कुल अनुमानित कीमत 1,07,398 रुपये बताई गई है। अपने खोए मोबाइल वापस मिलने पर लोगों ने पुलिस अधीक्षक और जखौरा पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए उनकी कार्यशैली की सराहना की। पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन, एएसपी कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार के पर्यवेक्षण में थाना जखौरा पुलिस ने यह कार्रवाई की। थाना जखौरा पर जनसुनवाई एवं विभिन्न पोर्टलों के माध्यम से प्राप्त खोए हुए मोबाइलों संबंधी प्रार्थना पत्रों पर नियमानुसार गुमशुदगी दर्ज की गई थी। इसके बाद थाना जखौरा पुलिस टीम ने पीड़ितों द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों का परीक्षण करते हुए भारत सरकार के सीईआईआर पोर्टल पर आवश्यक विवरण अपलोड किए। विभिन्न एजेंसियों से प्राप्त तकनीकी डेटा एवं डिजिटल विश्लेषण के आधार पर पुलिस ने सात खोए हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को नियमानुसार सुपुर्द कर दिया। मोबाइल वापस मिलने पर सभी लाभार्थियों ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि उनका मोबाइल दोबारा मिल जाएगा। उन्होंने पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई तथा जखौरा थाना पुलिस की त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। बरामदगी अभियान में प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार वैस, उपनिरीक्षक एवं साइबर प्रभारी विवेक धामा, कांस्टेबल देवेन्द्र गौतम तथा कांस्टेबल मुकेश कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

रैपिडो बुक कर गर्दन पर कोयता रखने वाले शातिर लुटेरे गिरफ्तार, नाबालिग भी शामिल!

इंद्र यादव/

मुंबई/मीरा-भयंदर,हमारे देश के नौजवानों में टैलेंट की कोई कमी नहीं है। कोई ऐप बनाकर देश का नाम रोशन कर रहा है, तो कोई हमारी ही तरह %रैपिडो% और %ऑटो% बुक करके सीधे लूटपाट की नई यूनिवर्सिटी चला रहा है। जी हाँ, मुंबई के मीरा-भयंदर शहर में एक ऐसा ही %शानदार% गिरोह सक्रिय था, जो खुद को किसी बाहुबली से कम नहीं समझता था। लेकिन काशीगांव पुलिस ने इनकी सारी शेखी पलभर में हवा कर दी और इन महोदय को सीधा सलाखों के पीछे पहुँचा दिया।इन शातिर महापुरुषों का दिमाग देखिए। ये सीधे-साधे काम करने वाले रैपिडो और ऑटो चालकों की तरह मेहनत करने के बजाय शॉर्टकट अपनाते थे। इनका डेली रूटीन बड़ा फिक्स था!स्टेप 1= घोड़बंदर रोड पर आराम से बैठकर फोन से रैपिडो या ऑटो बुक करो।

स्टेप 2= जब बेचारा गरीब चालक अपनी गाड़ी लेकर सही सलामत तय पते पर पहुँचे, तो उस पर एहसान जताने के बजाय ये लोग अपनी मर्दानगी दिखाते हुए उसकी गर्दन पर %कोयता% (धारदार हथियार) अड़ा देते थे। स्टेप 3= भाईसाहब, कसम से इनकी दरियादली तो देखिए! हथियार देखकर डर से कांप रहे चालक से इन्होंने सिर्फ जेब में रखे 700 रुपए ही नगद छीने।

स्टेप 4= इतने से मन नहीं भरा, तो दूसरा ऑटो बुक किया। इस बार चालक से मारपीट की, कोयते का खौफ दिखाया और 1500 रुपए नगद, मोबाइल फोन, और गूगल पे (तश्शद्दद्यद्द ख्ख्4) के जरिए ऑनलाइन 2000 रुपए ट्रांसफर करवा लिए। मतलब, लूटपाट में भी डिजिटल इंडिया का पूरा सपोर्ट!

जब इन महानुभावों की हरकतें कुछ ज्यादा ही बढ़ने लगीं, तब काशीगांव पुलिस स्टेशन की टीम हरकत में आई।

सम्पादकीय

नई यूरिया नीति ही काफी नहीं, सब्सिडी सुधार अब भी जरूरी

नई राष्ट्रीय यूरिया नीति कृषि क्षेत्र से जुड़े इस महत्त्वपूर्ण कच्चे माल से जुड़ी समस्या का आंशिक समाधान प्रस्तुत करती है। इसका उद्देश्य यूरिया उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करना है ताकि इसे वैश्विक आपूर्ति झटकों से बचाया जा सके। भारत अपनी वार्षिक 4 करोड़ टन यूरिया मांग का 25 फीसदी आयात करता है। पश्चिम एशिया युद्ध और होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने के बाद जब तक चीन ने अपना अस्थायी निर्यात प्रतिबंध नहीं हटाया तब तक कीमतें 40 से 50 फीसदी तक बढ़ गईं। नीति का लक्ष्य 8 या 9 यूरिया संयंत्र स्थापित करना है जिनकी उत्पादन क्षमता 1 करोड़ टन होगी। यानी वर्तमान में आयात की जाने वाली मात्रा के समतुल्य। इसके लिए प्रोत्साहन संरचना में बदलाव किए गए हैं। इनमें स्थिर और परिवर्तनीय लागतों को अलग करना, इक्विटी पर रिटर्न की गणना के लिए 12-16 फीसदी का बैंड लागू करना और विदेशी मुद्रा जोखिम को कम करने के लिए मौजूदा विनिमय दर के आधार? पर स्थिर लागतों को चार साल बाद रुपये में बदलना शामिल है। आत्मनिर्भरता का उद्देश्य निस्संदेह एक तात्कालिक समस्या का समाधान करता है क्योंकि निकट भविष्य में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की अनिश्चितताएं बनी रहेंगी। लेकिन जब भारत की उर्वरक नीति की गहरी संरचनात्मक समस्याओं के संदर्भ में देखा जाए तो यह अपर्याप्त प्रतीत होता है। मूल समस्या भारत की उर्वरक सब्सिडी संरचना में है जो अमोनिया-आधारित यूरिया (एन) को फॉस्फेट आधारित (पी) और पोटैशियम आधारित (के) पोषक तत्वों पर प्राथमिकता देती है। जहां बाद के दोनों पोषक तत्वों पर सब्सिडी पोषक तत्व सामग्री के आधार पर दी जाती है वहीं यूरिया पर सपाट दर से सब्सिडी दी जाती है। वर्तमान में किसान 45 किलो का यूरिया बैग 242 रुपये में खरीदता है जबकि सरकार को इसकी लागत 2,200 रुपये से 4,000 रुपये तक आती है। यह इस पर निर्भर करता है कि यूरिया घरेलू रूप से निर्मित है या आयातित। आश्चर्य नहीं कि वर्षों में यूरिया सबसे अधिक उपयोग किया जाने वाला उर्वरक बन गया है जिससे वार्षिक सब्सिडी अस्थिर स्तर तक पहुंच गई है। आमतौर पर यूरिया ही उर्वरक सब्सिडी का सबसे बड़ा हिस्सा होता है जिसके लिए चालू वित्त वर्ष में 1.71 लाख करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है। पश्चिम एशिया में संघर्ष के बाद वैश्विक कीमतों में तेजी से वृद्धि होने के कारण यह आंकड़ा काफी अधिक होने की संभावना है। अधिक घरेलू संयंत्र स्थापित करना आयात पर निर्भरता को कुछ हद तक कम कर सकता है, लेकिन अन्य समस्याओं पर भी विचार करना आवश्यक है। पहला, सरकार का अनुमान है कि यूरिया की मांग हर साल 5 फीसदी बढ़ रही है। एक यूरिया संयंत्र बनाने में लगभग दो साल लगते हैं। मान लें कि सभी नए संयंत्र समय पर बनकर 1 करोड़ टन उत्पादन शुरू कर दें यानी वर्तमान घरेलू कमी के बराबर, तब भी भारत मांग के ग्राफ से पीछे ही रहेगा। यह स्थिति 2012 की पहली यूरिया नीति में भी स्पष्ट थी जिसके तहत छह नई इकाइयां स्थापित की गईं लेकिन आयात जारी रहा।

जंतर-मंतर के विशाल आंदोलन से क्या सरकार झुकेगी?



सौरभ वार्ष्णेय

लोकतंत्र में सरकारें केवल सड़कों के दबाव से नहीं, बल्कि जनमत, राजनीतिक परिस्थिति, न्यायिक हस्तक्षेप और सामाजिक दबाव के संयुक्त प्रभाव से निर्णय लेती हैं। यदि आंदोलन शांतिपूर्ण बना रहता है, देशभर में व्यापक जनसमर्थन प्राप्त करता है और उसके मुद्दों को समाज का बड़ा वर्ग अपना मुद्दा मानने लगता है, तो सरकार पर संवाद और कुछ मांगें स्वीकार करने का दबाव बढ़ सकता है। हालिया घटनाक्रम में सरकार की ओर से आंदोलनकारियों से बातचीत के संकेत भी सामने आए हैं, हालांकि अभी तक सभी प्रमुख मांगें स्वीकार नहीं की गई हैं।



भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में जंतर-मंतर केवल एक भौगोलिक स्थान नहीं, बल्कि जनभावनाओं की अभिव्यक्ति का प्रतीक बन चुका है। वर्ष 2011 में अन्ना हजारे के नेतृत्व में शुरू हुए भ्रष्टाचार-विरोधी आंदोलन ने इस स्थान को राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में ला खड़ा किया था। आज एक बार फिर जंतर-मंतर पर छात्रों, युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं की आवाज़ गूंज रही है। ऐसे में स्वाभाविक प्रश्न उठता है—क्या यह आंदोलन भी अन्ना आंदोलन जैसी ऐतिहासिक दिशा ले सकता है? और यदि ऐसा हुआ, तो क्या सरकार को झुकना पड़ेगा?

अगर हम दोनों आंदोलनों में कुछ स्पष्ट समानताएँ दिखाई देती हैं। पहली समानता जनभावनाओं की है। जिस प्रकार 2011 में भ्रष्टाचार के विरुद्ध व्यापक असंतोष था, उसी प्रकार आज परीक्षा प्रणाली, कथित प्रश्नपत्र लीक, युवाओं के भविष्य और जवाबदेही जैसे मुद्दों पर व्यापक नाराज़गी देखने को मिल रही है। हाल के दिनों में जंतर-मंतर पर चल रहे आंदोलन ने देशभर के छात्रों और युवाओं का ध्यान आकर्षित किया है, तथा सरकार और आंदोलनकारियों के बीच बातचीत की संभावना भी बनी है।दूसरी समानता प्रतीकात्मक नेतृत्व की है। अन्ना हज़ारे ने अनशन को नैतिक दबाव का माध्यम बनाया था। वर्तमान आंदोलन में भी अनशन और शांतिपूर्ण प्रदर्शन ने जनसहानुभूति अर्जित करने का प्रयास किया है। तीसरी समानता यह है कि दोनों आंदोलनों ने सोशल मीडिया और जनसंचार माध्यमों के जरिए व्यापक चर्चा पैदा की। आज डिजिटल माध्यमों की शक्ति 2011 की तुलना में कहीं अधिक है, जिससे आंदोलन की पहुँच तेज़ी से बढ़ सकती है।

फिर भी यह मान लेना जल्दबाज़ी होगी कि हर बड़ा धरना अन्ना आंदोलन बन जाता है। अन्ना आंदोलन का मुख्य मुद्दा भ्रष्टाचार था, जिसने समाज के लगभग हर वर्ग को प्रभावित किया। उसके पास एक स्पष्ट राष्ट्रीय एजेंडा—जन लोकपाल—था। दूसरी ओर, वर्तमान आंदोलन मुख्यतः शिक्षा, परीक्षा व्यवस्था और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित है। यद्यपि ये विषय अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, लेकिन क्या वे उतने व्यापक सामाजिक समर्थन को स्थायी रूप से जुटा पाएँगे, यह अभी स्पष्ट नहीं है। दूसरा बड़ा अंतर राजनीतिक परिस्थितियों का है। 2011 में तत्कालीन सरकार कई घोटालों के आरोपों से घिरी हुई थी और विपक्ष को आंदोलन का व्यापक राजनीतिक लाभ मिला। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य अलग है। केंद्र सरकार मजबूत संसदीय स्थिति में है और आंदोलनों के प्रति उसकी रणनीति भी पहले की तुलना में अधिक संगठित मानी जाती है।

क्या सरकार झुकेगी?

लोकतंत्र में सरकारें केवल सड़कों के दबाव से नहीं, बल्कि जनमत, राजनीतिक परिस्थिति, न्यायिक हस्तक्षेप और सामाजिक दबाव के संयुक्त प्रभाव से निर्णय लेती हैं। यदि आंदोलन शांतिपूर्ण बना रहता है, देशभर में व्यापक जनसमर्थन प्राप्त करता है और उसके मुद्दों को समाज का बड़ा वर्ग अपना मुद्दा मानने लगता है, तो सरकार पर संवाद और कुछ मांगें स्वीकार करने का दबाव बढ़ सकता है। हालिया घटनाक्रम में सरकार की ओर से आंदोलनकारियों से बातचीत के संकेत भी सामने आए हैं, हालांकि अभी तक सभी प्रमुख मांगें स्वीकार नहीं की गई हैं।

लेकिन यदि आंदोलन सीमित दायरे में रह जाता है या उसका प्रभाव केवल कुछ वर्गों तक सीमित रहता है, तो सरकार समय के साथ उसे नियंत्रित करने या सीमित प्रभाव वाला मानकर आगे बढ़ने की कोशिश कर सकती है।

अन्ना आंदोलन जैसी सफलता के लिए क्या आवश्यक है?

यदि कोई आंदोलन वास्तव में अन्ना आंदोलन जैसी ऐतिहासिक पहचान बनाना चाहता है, तो उसके लिए कुछ बुनियादी शर्तें आवश्यक हैं—

आंदोलन का मुद्दा व्यापक राष्ट्रीय सरोकार का बने।

नेतृत्व विश्वसनीय, अनुशासित और नैतिक रूप से मज़बूत दिखाई दे।

आंदोलन अहिंसक और सकारात्मक बना रहे।

स्पष्ट और व्यावहारिक मांगें हों।

समाज के विभिन्न वर्ग—युवा, महिलाएँ, किसान, कर्मचारी, बुद्धिजीवी और मध्यम वर्ग—एक साझा उद्देश्य के साथ जुड़ें।

इन तत्वों के बिना केवल भीड़ या सोशल मीडिया की लोकप्रियता किसी आंदोलन को ऐतिहासिक नहीं बना सकती।

जंतर-मंतर का वर्तमान आंदोलन निश्चित रूप से देश के युवाओं की बेचैनी और व्यवस्था से जुड़े प्रश्नों को सामने ला रहा है। इसकी तुलना अन्ना आंदोलन से होना स्वाभाविक है, क्योंकि दोनों ने जनभावनाओं को आवाज़ देने का प्रयास किया है। किंतु इतिहास केवल प्रतीकों से नहीं, बल्कि परिणामों से लिखा जाता है।यह कहना अभी जल्दबाज़ी होगी कि यह आंदोलन पूरी तरह अन्ना आंदोलन बन चुका है। आने वाले दिनों में इसकी दिशा, जनसमर्थन, नेतृत्व की विश्वसनीयता, सरकार की प्रतिक्रिया और राजनीतिक परिस्थितियाँ तय करेंगी कि यह आंदोलन केवल एक विरोध प्रदर्शन बनकर रह जाएगा या भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक नए अध्याय के रूप में दर्ज होगा। लोकतंत्र की शक्ति यही है कि सरकार और जनता दोनों संवाद के माध्यम से समाधान खोजें। किसी भी आंदोलन की सबसे बड़ी सफलता केवल सरकार को झुकाना नहीं, बल्कि व्यवस्था में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन लाना होती है।

(यह लेखक के अपने निजी विचार है)

23 जुलाई/जन्मदिवस

चंद्रशेखर आजाद, जो सदा आजाद रहे

सम्पादक की कलम से,
DR.akhilesh,choubey.
प्रधान संपादक
दैनिक सिद्धि सरकार



भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के सेनानियों में चन्द्रशेखर आजाद का नाम सदा अग्रणी रहेगा। उनका जन्म 23 जुलाई, 1906 को ग्राम मावरा (झाबुआ, मध्य प्रदेश) में हुआ था। उनके पूर्वज गाँव बदरका (जिला उन्नाव, उत्तर प्रदेश) के निवासी थे; पर अकाल के कारण इनके पिता श्री सीताराम तिवारी मावरा में आकर बस गये थे।

बचपन से ही चन्द्रशेखर का मन अंग्रेजों के अत्याचार देखकर सुलगता रहता था। किशोरावस्था में वे भागकर अपनी बुआ के पास बनारस आ गये और संस्कृत विद्यापीठ में पढ़ने लगे।

बनारस में ही वे पहली बार विदेशी सामान बेचने वाली एक दुकान के सामने धरना देते हुए पकड़े गये। थाने में हुई पूछताछ में उन्होंने अपना नाम आजाद, पिता का नाम स्वतन्त्रता और घर का पता जेलखाना बताया। इस पर बौखलाकर थानेदार ने इन्हें 15 बेंतों की सजा दी। हर बेंत पर ये 'भारत माता की जय' बोलते थे। तब से ही इनका नाम %आजाद% प्रचलित हो गया।

आगे चलकर आजाद ने सशस्त्र क्रान्ति के माध्यम से देश को आजाद कराने वाले युवकों का एक दल बना लिया। भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरु, बिस्मिल, अशफाक, मन्मथनाथ गुप्त, शचीन्द्रनाथ सान्याल, जयदेव आदि उनके सहयोगी थे।

आजाद तथा उनके सहयोगियों ने नौ अगस्त, 1925 को लखनऊ से सहारनपुर जाने वाली रेल को काकोरी स्टेशन के पास रोककर सरकारी खजाना लूट लिया। यह अंग्रेज शासन को खुली चुनौती थी, अतः सरकार ने क्रान्तिकारियों को पकड़ने में पूरी ताकत झोंक दी।पर आजाद को पकड़ना इतना आसान नहीं था। वे वेष बदलकर क्रान्तिकारियों के संगठन में लगे रहे। ग्वालियर में रहकर इन्होंने गाड़ी चलाना और उसकी मरम्मत करना भी सीखा।

17 दिसम्बर, 1928 को इनकी प्रेरणा से ही भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरु आदि ने लाहौर में पुलिस अधीक्षक कार्यालय के ठीक सामने सांडर्स को यमलोक पहुँचा दिया। अब तो पुलिस बौखला गयी; पर क्रान्तिवीर अपने काम में लगे रहे।

कुछ समय बाद क्रान्तिकारियों ने लाहौर विधानभवन में बम फेंका। यद्यपि उसका उद्देश्य किसी को नुकसान पहुँचाना नहीं था। बम फेंककर भगतसिंह तथा बटुकेश्वर दत्त ने आत्मसमर्पण कर दिया। उनके वीरतापूर्ण वक्तव्यों से जनता में क्रान्तिकारियों के प्रति फैलाये जा रहे भ्रम दूर हुए। दूसरी ओर अनेक क्रान्तिकारी पकड़े भी गये। उनमें से कुछ पुलिस के अत्याचार न सह पाये और मुखबिरी कर बैठे। इससे क्रान्तिकारी आन्दोलन कमजोर पड़ गया।

वह 27 फरवरी, 1931 का दिन था। पुलिस को किसी मुखबिर से समाचार मिला कि आज प्रयाग के अल्फ्रेड पार्क में चन्द्रशेखर आजाद किसी से मिलने वाले हैं। पुलिस ने समय गँवाये बिना पार्क को घेर लिया। आजाद एक पेड़ के नीचे बैठकर अपने साथी की प्रतीक्षा कर रहे थे। जैसे ही उनकी निगाह पुलिस पर पड़ी, वे पिस्तौल निकालकर पेड़ के पीछे छिप गये।

कुछ ही देर में दोनों ओर से गोली चलने लगी। इधर चन्द्रशेखर आजाद अकेले थे और उधर कई जवान। जब आजाद की पिस्तौल में एक गोली रह गयी, तो उन्होंने देश की मिट्टी अपने माथे से लगायी और उस अन्तिम गोली को अपनी कनपटी में मार लिया। उनका संकल्प था कि वे आजाद ही जन्मे हैं और मरते दम तक आजाद ही रहेंगे। उन्होंने इस प्रकार अपना संकल्प निभाया और जीते जी पुलिस के हाथ नहीं आये।

हमारा राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' आज विश्व में भारतीयता की पहचान है



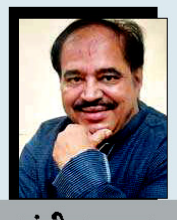
सुनील कुमार वाजपेयी

राष्ट्रीय ध्वज अंगीकरण दिवस प्रतिवर्ष 22 जुलाई को मनाया जाता है। इसी दिन 1947 में, संविधान सभा ने पिंगली वेंकैया द्वारा डिज़ाइन किए गए तिरंगे को आधिकारिक तौर पर भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया था। इसी दिन यह निश्चय लिया गया कि तिरंगा ही हम भारतीयों की पहचान होगा। डा. राजेन्द्र प्रसाद की अध्यक्षता में भारतीय संविधान सभा द्वारा राष्ट्रीय ध्वज को अपनाए जाने की याद में भारत का राष्ट्रीय ध्वज दिवस मनाया जाता है। राष्ट्रीय ध्वज हमारे राष्ट्रीय गौरव, एकता और स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक है तथा स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के प्रति श्रद्धांजलि है।

भारत के राष्ट्रीय ध्वज को अंगीकृत करने का प्रस्ताव रखते समय तदर्थ समिति के सदस्य पंडित जवाहरलाल नेहरू ने कहा, इसलिए यह झण्डा जिसे प्रस्तुत करने का मुझे गौरव मिला है,मुझे आशा और विश्वास है कि यह एक सम्राट का झण्डा,एक साम्राज्य का झण्डा,किसी भी व्यक्ति पर प्रभुत्व का झण्डा नहीं है,बल्कि यह स्वतंत्रता का झण्डा है सिर्फ हमारे लिए ही नहीं बल्कि उन सभी के लिए,जो इसे देख रहे हैं। उसी दिन उसी अवसर पर श्रीमती सरोजिनी नायडू ने कहा - इस झण्डे के तले राजकुमार और किसान,धनी और निर्धन,पुरुष और महिला में कोई अन्तर नहीं है। 'यह संकल्प लिया गया है कि भारत का राष्ट्रीय ध्वज गहरे केसरिया , सफेद और गहरे हरे रंग का समान अनुपात में क्षैतिज तिरंगा होगा। सफेद पट्टी के बीच में चरखे को दर्शाने के लिये गहरे नीले रंग का एक चक्र होगा। इस चक्र का डिज़ाइन अशोक के सारनाथ सिंह स्तंभ पर बने चक्र जैसा होगा। चक्र का व्यास सफ़ेद पट्टी की चौड़ाई के लगभग बराबर होगा। ध्वज की चौड़ाई और लंबाई का अनुपात सामान्यत: 2:3 होगा। सभा ने सर्वसम्मति से इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया, जिससे ब्रिटिश शासन के अंत के साथ स्वतंत्रता और भविष्य की समृद्धि के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई। जब भी राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा को फहराया जाता है, तो यह सम्मान की स्थिति में होना चाहिये। क्षतिग्रस्त या अव्यवस्थित ध्वज को नहीं फहराना चाहिये और उसका पूरी तरह से निजी तौर पर निस्तारण कर दिया जाना चाहिये।क्षतिग्रस्त तिरंगे का निस्तारण करने के लिये दो स्वीकृत तरीके हैं, या तो उसे दफनाया या जलाना। राष्ट्रीय ध्वज का निस्तारण करते समय हमेशा इसकी गरिमा बनाए रखी जानी चाहिये। ध्वज को किसी अन्य ध्वज के साथ एक ही मास्टहेड/मस्तूल शिखर द्वारा नहीं फहराया जाना चाहिये। ध्वज को ध्वज संहिता के भाग ङ्खङ्खङ्ख की धारा ङ्खङ्ग में उल्लिखित गणमान्य व्यक्तियों, जैसे राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल आदि के अतिरिक्त किसी भी अन्य वाहन पर नहीं फहराया जाना चाहिये। किसी अन्य ध्वज या पताका को राष्ट्रीय ध्वज से ऊँचा या ऊपर या उसके बगल में नहीं रखा जाना चाहिये। कोई भी सार्वजनिक सदस्य, कोई निजी संगठन या कोई शैक्षणिक संस्थान राष्ट्रीय ध्वज के गौरव और सम्मान के अनुरूप सभी दिनों एवं अवसरों पर, औपचारिक या अन्यथा, राष्ट्रीय ध्वज फहरा/प्रदर्शित कर सकता है। भारतीय ध्वज संहिता, 2002 में वर्ष 2021 में संशोधन करके पॉलिएस्टर या मशीन से बने ध्वज को अनुमति दी गई और फिर वर्ष 2022 में ध्वज को दिन-रात फहराने की अनुमति दी गई। निर्धारित किया गया कि राष्ट्रीय ध्वज का आकार आयताकार होगा। ध्वज किसी भी आकार का हो सकता है, लेकिन ध्वज की लंबाई और ऊँचाई (चौड़ाई) का अनुपात 3:2 होना चाहिये। कोई भी व्यक्ति जो किसी सार्वजनिक स्थान पर या किसी भी ऐसे स्थान पर सार्वजनिक रूप से भारतीय राष्ट्रीय झंडे या भारत के संविधान या उसके किसी भाग को जलाता है, विकृत करता है, विरूपित करता है, दूषित करता है, कुरूपित करता है, नष्ट करता है, कुचलता है या अन्यथा उसके प्रति अनादर प्रकट करता है या (मौखिक या लिखित शब्दों में या कृत्यों द्वारा) अपमान करता है तो उसे तीन वर्ष तक के कारावास से या जुर्माने से या दोनों से दंडित किया जाएगा।

आज राष्ट्र ध्वज देशवासियों की श्रद्धा और भक्ति का केन्द्र बिन्दु बना है। अत: उसकी स्तुति और वन्दना प्रत्येक देश वासी का कर्तव्य है। नागरिकों द्वारा राष्ट्र ध्वज को सर्वोपरिता प्रदान करना उसके स्वाभिमान और आत्म गौरव की उद्घोषणा है। कानपुर के श्याम लाल गुप्त पार्षद जी द्वारा रचित उत्साहवर्धक आह्लादकारी ' विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झण्डा ऊंचा रहे हमारा ' इस वन्दना गीत द्वारा जब हम ध्वज को नमन करते हैं तो हमारा हृदय अपूर्व उत्साह उमंग और अह्लाद के अतिरेक से प्रफुल्लित हो जाता है।

वैश्विक युद्ध की प्रबल संभावना। शांति की बात अब कोरी कल्पना



संजीव ठाकुर

अमेरिका के शीर्ष नेतृत्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल की हठधर्मिता ईरान के प्रमुख की हत्या का बदला लेने की सनक ने वैश्विक शांति को तार तार कर दिया है। अब वैश्विक शांति तथा शांति वार्ता की बातों को परी कल्पना ही मानकर चलिए, शांति की बात अब दूर की कौड़ी होती दिखाई दे रही है। सभ्यता ने विज्ञान, तकनीक, चिकित्सा और संचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है, किंतु विडंबना यह है कि इसी सभ्यता का नेतृत्व करने वाले अनेक विश्व नेता आज भी युद्ध, हथियारों की होड़ और शक्ति प्रदर्शन की मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाए हैं। आधुनिक विश्व का सबसे बड़ा संकट केवल आर्थिक असमानता या पर्यावरणीय विनाश नहीं, बल्कि वह मानसिक अस्थिरता और वैचारिक भ्रम है जिसने वैश्विक नेतृत्व को असंवेदनहीन बना दिया है। शांति की भाषा आज उन्हें कमजोरों की भाषा प्रतीत होती है, जबकि इतिहास गवाह है कि स्थायी विकास केवल शांति और सहअस्तित्व से ही संभव हुआ है। आज दुनिया के कई शक्तिशाली राष्ट्र युद्ध की आग में झुलस रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध, मध्य-पूर्व में इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष, चीन-ताइवान तनाव, उत्तर कोरिया की परमाणु धमकियों और आतंकवाद की बढ़ती घटनाएँ यह प्रमाणित करती हैं कि विश्व नेतृत्व संवाद के स्थान पर टकराव को प्राथमिकता दे रहा है। ऐसा प्रतीत होता है मानो मानवता की करुणा पर सत्ता की महत्वाकांक्षा भारी पड़ गई हो।

महात्मा गांधी ने कहा था

आँख के बदले आँख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।

गांधीजी का यह कथन आज पहले से अधिक प्रासंगिक दिखाई देता है। विश्व के बड़े नेता प्रतिशोध और प्रभुत्व की राजनीति में इतने उलझ चुके हैं कि उन्हें युद्ध के पीछे रोती मानवता दिखाई नहीं देती। लाखों निर्दोष नागरिक विस्थापित हो रहे हैं, बच्चे अनाथ हो रहे हैं,अर्थव्यवस्थाएँ बिखर रही हैं, किंतु हथियार उद्योग और सामरिक राजनीति लगातार फल-फूल रही है। संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान ने कहा था हमें युद्ध को मानवता के भविष्य से बाहर करना होगा। दुर्भाग्य यह है कि संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएँ भी आज महाशक्तियों के राजनीतिक दबाव से पूर्णत: स्वतंत्र नहीं रह पाई हैं। वीटो शक्ति रखने वाले देश अक्सर अपने हितों के अनुसार वैश्विक निर्णयों को प्रभावित करते हैं। परिणामस्वरूप शांति वार्ताएँ केवल औपचारिकता बनकर रह जाती हैं।

विश्व के बड़े नेताओं की मानसिकता में एक गहरा भय भी दिखाई देता है—सत्ता खोने का भय, वर्चस्व समाप्त होने का भय और दूसरे राष्ट्र के अधिक शक्तिशाली हो जाने का भय। यही भय उन्हें शांति की जगह युद्ध की तैयारी की ओर धकेलता है। अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ. केनेडी ने अपने एक ऐतिहासिक भाषण में कहा था मानव जाति को युद्ध समाप्त करना होगा, अन्यथा युद्ध मानव जाति को समाप्त कर देगा। केनेडी की यह चेतावनी आज परमाणु हथियारों से लैस दुनिया के लिए किसी भविष्यवाणी से कम नहीं लगती।वर्तमान वैश्विक राजनीति में सबसे चिंताजनक बात यह है कि नेताओं की भाषा से संवेदनशीलता कम होती जा रही है। राजनीतिक मंचों पर संवाद के स्थान पर कटुता और धमकियों का प्रयोग बढ़ गया है। सोशल मीडिया और प्रचार तंत्र ने भी आक्रामक राष्ट्रवाद को बढ़ावा दिया है। जनता को भावनात्मक रूप से उकसाकर युद्ध समर्थक वातावरण तैयार किया जाता है। राष्ट्रहित के नाम पर हिंसा को उचित ठहराया जाने लगा है। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने पंचशील सिद्धांत प्रस्तुत करते हुए कहा था कि विश्व शांति सहअस्तित्व और पारस्परिक सम्मान से ही संभव है। उन्होंने गुटनिरपेक्ष आंदोलन के माध्यम से यह संदेश दिया कि शक्ति संतुलन युद्ध से नहीं बल्कि संवाद से कायम रखा जा सकता है। किंतु आज विश्व राजनीति में संवाद की जगह आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य गठबंधन और हथियारों का प्रदर्शन अधिक दिखाई देता है।

दक्षिण अफ्रीका के महान नेता नेल्सन मंडेला ने कहा था यदि आप अपने शत्रु के साथ शांति चाहते हैं तो आपको उसके साथ काम करना होगा। यह कथन बताता है कि शांति केवल समझौतों से नहीं बल्कि मानसिक परिवर्तन से आती है। दुर्भाग्यवश वर्तमान विश्व नेतृत्व में यह मानसिक परिपक्वता कम दिखाई देती है। नेताओं के निर्णय अक्सर अहंकार, राजनीतिक लाभ और चुनावी रणनीतियों से प्रभावित होते हैं। मानवता पीछे छूट जाती है।

धार्मिक और सांस्कृतिक संघर्षों को भी कई बार राजनीतिक नेतृत्व अपने हित में उपयोग करता है। इससे समाजों में अविश्वास और घृणा बढ़ती है। दुनिया का सामान्य नागरिक शांति चाहता है, लेकिन सत्ता के गलियारों में बैठे लोग संघर्ष से लाभ अर्जित करते हैं। हथियार कंपनियों का बढ़ता प्रभाव भी विश्व शांति के लिए गंभीर खतरा बन चुका है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान को दी सख्त चेतावनी

होर्मुज में यूएस जहाजों को निशाना बनाया तो पुल व बिजली संयंत्र पर होगा हमला

● वाशिंगटन

यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी जारी करते हुए कहा कि अगर होर्मुज में किसी भी जहाज को निशाना बनाया गया, तो यूएसा इसके जवाब में ईरान के अहम बुनियादी ढांचे को निशाना बनाएगा। अब से जब भी ईरान होर्मुज में किसी जहाज पर हमला करेगा, चाहे वह मिसाइल, रॉकेट, ड्रोन या किसी भी अन्य हथियार या साधन से किया हो, तो यूएस एक पुल या बिजली संयंत्र को बम से नष्ट कर देगा। यूएस ने ईरान पर सतत 11वें दिन पांच शहरों पर हमला किया। बुशेहर, पूर्वी अजरबैजान, हमदान, होर्मोजगान, खुजेस्तान और सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांतों में भी विस्फोट हुए। ईरान की 4 मिसाइलों को जॉर्डन के बंदरगाह शहर अकाबा में एयर डिफेंस ने मार गिराया।

सप्लाई चेन पर हो सकता है असर

भारत जो कच्चे तेल की जरूरत का एक बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से आयात करता है, होर्मुज की सुरक्षा रणनीतिक और आर्थिक रूप से बहुत अहम है। इस रास्ते से जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने पर माल ढुलाई का खर्च, ऊर्जा की कीमतें और सप्लाई चेन पर असर पड़ सकता है।



यूएस के सैन्य विमानों में ईंधन भरने को तैयार नहीं इजराइल

तेलअवीव। इजराइल ने अमेरिका के ईंधन भरवाने वाले सैन्य विमान की रिफ्यूलिंग पर असहमति जताई है। ईरान के साथ जारी संघर्ष के चलते बड़ी संख्या में अमेरिकी सैन्य एयरक्राफ्ट रिफ्यूलिंग के लिए इजरायल के बेन गुरियन एयरपोर्ट पर पहुंच रहे हैं, जिस कारण वहां की यात्री विमानों की फ्लाइट्स प्रभावित हो गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, एक इजराइली अधिकारी ने बयान जारी कर और अधिक विमानों की रिफ्यूलिंग पर असहमति जताई है। अधिकारी ने चेतावनी दी है कि अगर बेन गुरियन एयरपोर्ट पर अमेरिका के और अधिक ईंधन भरने वाले विमान पहुंचते हैं, तो इससे उड़ानों को रद्द करना पड़ सकता है और देरी भी हो सकती है।

सऊदी को मिला यूरेनियम एनरिचमेंट का अधिकार

सऊदी का टारगेट सिर्फ परमाणु आधारित पॉवर प्लांट बनाना नहीं है। वह पूरे न्यूक्लियर फ्यूल साइकिल में शामिल होना चाहता है। यानी यूरेनियम निकालने से लेकर उसे समृद्ध करने तक की क्षमता विकसित करना चाहता है। मो. बिन सलमा लंबे समय से इसके पीछे लगे हुए थे। ट्रम्प से लेकर बाइडेन तक, सभी से उन्होंने डील करने की कोशिशें की। आखिरकार ट्रम्प ने उनकी इस मांग को पूरा कर दिया और वो भी पूरी शर्तों के साथ। अमेरिका आमतौर पर जिन मुल्कों के साथ परमाणु समझौता करता है, उसे यूरेनियम एनरिचमेंट का अधिकार नहीं दिया जाता। जैसे कि यूएई के साथ भी उसका परमाणु समझौता है। लेकिन उसे अमेरिका ने यूरेनियम संवर्धन का अधिकार नहीं दिया है। अमेरिका और यूएई के बीच इस समझौते को गोल्ड स्टैंडर्ड कहा जाता है। लेकिन सऊदी इस मॉडल से आगे जाना चाहता था। यही वजह है कि अमेरिका-सऊदी एटमी डील पर पूरी दुनिया की नजर है।

यूएस-ईरान युद्ध में अब तक 37.5 अरब डॉलर खर्च: पीट हेगसेथ

वाशिंगटन, आरएनएन। यूएस रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने यूएस सीनेट की विनियोग समिति को बताया है कि ईरान के साथ युद्ध में अब तक 37.5 अरब डॉलर खर्च हो चुके हैं और यह कार्रवाई आगे बढ़ेगी, तो खर्च और बढ़ सकता है। सीनेट समिति के सामने जेसीओएस अध्यक्ष जनरल डैन केन के साथ पेश होते हुए हेगसेथ ने 87.6 अरब डॉलर के अतिरिक्त आपात बजट की मंजूरी मांगी। इसमें से 67 अरब डॉलर से अधिक की राशि सीधे सैन्य अभियानों के लिए रखी गई है। उन्होंने तर्क दिया कि दुनिया भर में बढ़ते खतरों को देखते हुए अमेरिका को अपनी सुरक्षा तैयारियों के लिए भारी संसाधनों की सख्त जरूरत है। जुलाई में यूएस-ईरान में शुरू जंग के बाद आयोजित इस पहली सुनवाई में माहौल काफी गर्म रहा। प्रमुख राजनीतिक दलों (डेमोक्रेटिक और रिपब्लिक) के सांसदों ने युद्ध की भारी वित्तीय लागत, शहीद एवं घायल होते सैनिकों और युद्ध का कोई स्पष्ट लक्ष्य न होने को लेकर सरकार की रणनीति पर गंभीर सवाल उठाए।

समुद्र में बढ़ी भारत की ताकत, नौसेना में शामिल हुआ आईएनएस मालवन

आईएनएस मालवन: 80% स्वदेशी उपकरण व तकनीक का इस्तेमाल

दुश्मन को बनाता है टारगेट

● कारवार

भारतीय नौसेना को अपनी ताकत बढ़ाने के लिए एक और स्वदेशी युद्धपोत मिल गया है. कर्नाटक के कारवार में आईएनएस मालवन को नौसेना में शामिल किया गया। यह माहे श्रेणी का दूसरा पनडुब्बी रोधी उथले जल युद्धपोत है। इस युद्धपोत को भारत में ही डिजाइन और तैयार किया गया है।

आईएनएस मालवन का नाम भारतीय नौसेना के पुराने माइंसवीपर आईएनएस मालवन के नाम पर रखा गया है। वह जहाज 19 साल तक सेवा देने के बाद 2003 में रिटायर हुआ था। समारोह में वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह मुख्य अतिथि रहे. इस मौके पर पश्चिमी नौसेना कमान के प्रमुख वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन, नौसेना के वरिष्ठ अधिकारी, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के प्रतिनिधि मौजूद रहे।



जहाज के प्रतीक में बाघ नख : आईएनएस मालवन के प्रतीक चिन्ह में बाघ नख बनाया गया है। यह साहस, तेजी और दुश्मन पर अचानक हमला करने की क्षमता का प्रतीक है। इसके चारों ओर बनी समुद्री लहरें भारत के समुद्री क्षेत्र की सुरक्षा के लिए नौसेना की सतर्कता को दर्शाती हैं।

आत्मनिर्भर भारत अभियान का बड़ा उदाहरण

आईएनएस मालवन में 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी उपकरण और तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। यह जहाज आत्मनिर्भर भारत अभियान का बड़ा उदाहरण माना जा रहा है। यह प्रोजेक्ट भारत की जहाज निर्माण क्षमता और रक्षा क्षेत्र में बढ़ती आत्मनिर्भरता को भी दिखाती है।

वायुसेना अध्यक्ष बोले समुद्री व्यापार की सुरक्षा बेहद जरूरी

समारोह को संबोधित करते हुए एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह ने कहा कि समुद्री व्यापार की सुरक्षा देश की अर्थव्यवस्था के लिए बेहद जरूरी है। एयर चीफ ने कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में समुद्री मार्गों को सुरक्षित रखना पहले से ज्यादा अहम हो गया है। उन्होंने भारतीय नौसेना की आत्मनिर्भरता की दिशा में हुई प्रगति की भी सराहना की। एयरचीफ ने सेना, नौसेना और वायुसेना के बीच बेहतर तालमेल पर भी जोर दिया। वायुसेना प्रमुख का कहना था कि भविष्य की चुनौतियों का सामना तीनों सेनाओं की संयुक्त क्षमता से ही किया जा सकेगा।

आईएनएस मालवन के शामिल होने से भारतीय नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमता और मजबूत होगी। यह युद्धपोत बड़े युद्धपोतों, पनडुब्बियों और नौसैनिक विमानों के साथ मिलकर काम कर सकता है। नौसेना का कहना है कि इससे उसकी युद्धक क्षमता और समुद्री सुरक्षा दोनों मजबूत होंगी। साथ ही, भारत के समुद्री हितों और समुद्री सीमाओं की सुरक्षा में भी यह युद्धपोत अहम भूमिका निभाएगा।

आकाश में एयरफोर्स की निगरानी और मजबूत होगी

डीआरडीओ ने किए दो बड़े समझौते



● नई दिल्ली

दुश्मन की हर गतिविधि पर नजर रखने और भारतीय वायुसेना की निगरानी क्षमता को नई ऊंचाई देने की पहल की गई है। इसके लिए एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल (एईडब्ल्यू एंड सी एमके-2) कार्यक्रम को नई मजबूती प्रदान की जा रही है।

डीआरडीओ ने इस अहम परियोजना के लिए दो अहमऔद्योगिक साझेदारों के साथ अनुबंध किए हैं। ये अनुबंध अदाणी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लि. व एआई इंजीनियरिंग सर्विसेज लि. के साथ किए हैं। डीआरडीओ के सेंटर फॉर एयर बोर्न सिस्टम्स (कैब्स) ने छह ए321 विमानों को विशेष सैन्य भूमिका के लिए तैयार करने हेतु एआई इंजीनियरिंग सर्विसेज लि. के से डील की है। ये विमान पहले वाणिज्यिक उड़ानों में इस्तेमाल होते थे, लेकिन अब इन्हें अत्याधुनिक हवाई चेतावनी व नियंत्रण प्लेटफॉर्म में बदला जाएगा। अदाणी डिफेंस लि. को एईडब्ल्यू एंड, कार्यक्रम के मिशन सिस्टम्स के विकास और उत्पादन साझेदार के रूप में चुना है। कंपनी डीआरडीओ के साथ अत्याधुनिक प्रणालियों को विकसित करेगी, जो विमान को आसमान में उड़ता हुआ कमांड एवं कंट्रोल केंद्र बना देंगी।

भारतीय दूत से मिलने को राजी हुए नेपाली पीएम

काठमांडू, आरएनएन। नेपाल के पीएम बालेन्द्र शाह ने काठमांडू में तैनात विदेशी राजदूतों से वन-ऑन-वन यानी अकेले में मुलाकात न करने का अपना ही नियम तोड़ने का फैसला किया है। पीएम शाह इस हफ्ते भारत-चीन के राजदूतों के साथ अलग-अलग अहम बैठक करने वाले हैं। नेपाल सरकार के 100 दिन पूरे होने के ठीक बाद यह बड़ा कूटनीतिक कदम उठाया जा रहा है।

कूटनीतिक कदम उठाया

नेपाल के विदेश मंत्रालय के समन्वय से यह बैठकें इसी हफ्ते होने की उम्मीद है। तय कार्यक्रम के अनुसार, पीएम शाह एक ही दिन भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव और चीनी राजदूत झांग माओमिंग से अलग-अलग मुलाकात करेंगे। एक ही दिन दोनों देशों के दूतों से मिलने का मकसद यह साफ संदेश देना है कि नेपाल के लिए नई दिल्ली और बीजिंग दोनों का ही समान महत्व है।

बिल गेट्स और एपस्टीन की 30 मुलाकातों का खुलासा

स्टाफ ने पहले ही जताई थी ये चिंता

● वाशिंगटन

माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स और उनकी संस्था गेट्स फाउंडेशन को लेकर एक नई रिपोर्ट सामने आई है। बाहरी कानूनी फर्म विलमरहेल की जांच में खुलासा हुआ है कि बिल गेट्स और गेट्स फाउंडेशन के अधिकारियों ने दोषी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से 2011 से 2014 के बीच करीब 30 बार मुलाकात की थी।

रिपोर्ट के मुताबिक इन बैठकों के दौरान फाउंडेशन के कुछ कर्मियों ने एपस्टीन के साथ जुड़ने से संस्था की साख पर पड़ने वाले असर को लेकर चिंता भी जताई थी। हालांकि जांच में किसी तरह की गैरकानूनी गतिविधि या एपस्टीन को भुगतान किए जाने का कोई सबूत नहीं मिला। रिपोर्ट के अनुसार ये मुलाकातें मुख्य रूप से एक ऐसे वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य निवेश कोष पर चर्चा के लिए हुई थीं, जो आखिरकार कभी अस्तित्व में नहीं आ सका। इसके अलावा इंटरनेशनल पीस इंस्टीट्यूट को दिए गए एक अनुदान को लेकर भी बातचीत हुई थी. इस संस्था का नेतृत्व उस समय टेरजे रोड-लार्सन कर रहे थे, जिन्हें एपस्टीन का करीबी माना जाता था।



सभी बैठकों का समय 2011 से 2014 के बीच का बताया गया

रिपोर्ट में कहा गया है कि इन बैठकों का मकसद परोपकारी परियोजनाओं पर चर्चा था। जांच रिपोर्ट के मुताबिक करीब 30 बैठकों में से कई न्यूयॉर्क के मैनहट्टन स्थित जेफ्री एपस्टीन के आलीशान टाउनहाउस में हुईं. इसके अलावा एक बैठक गेट्स फाउंडेशन के कैंपस में भी आयोजित की गई थी. इन सभी बैठकों का समय 2011 से 2014 के बीच का बताया गया है. गेट्स फाउंडेशन ने मंगलवार को विलमरहेल की तीन पन्नों की सारांश रिपोर्ट जारी की, लेकिन पूरी रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई। रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि गेट्स फाउंडेशन की ओर से एपस्टीन को कोई भुगतान नहीं किया गया और न ही ऐसा कोई सबूत मिला, जिससे यह साबित हो कि संस्था ने कोई गैरकानूनी काम किया हो। दूसरी ओर बिल गेट्स पर भी एपस्टीन के यौन अपराधों में किसी तरह की संलिप्तता का आरोप नहीं है।

एनएचपीसी कर्मियों को तत्काल मिली थी राहत

साइट इंजीनियरिंग टीमें प्राधिकारियों संग मिलकर 24 घंटे कर रही काम

● गंगटोक

एनएचपीसी तीस्ता स्टेज-4 जलविद्युत परियोजना, दक्षिण सिक्किम के समरडुंग में निर्माणाधीन हेड रेस टनल (एचआरटी) के भीतर सोमवार 20 जुलाई को अपराह्न 1:04 बजे चट्टानों में फँसी/अंतर्निहित संदिग्ध मीथेन गैस के अचानक विस्फोटित होने से दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित हुई, जिसके फलस्वरूप विषैली गैसें उत्पन्न हुईं।

प्रोजेक्ट टीम ने तत्काल अपने इमरजेंसी रिस्पॉन्स प्रोटोकॉल लागू कर दिए। प्रोजेक्ट टीम बचाव कार्यों में मदद के लिए जिला प्रशासन, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, स्थानीय अधिकारियों और अन्य इमरजेंसी एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही है। इसके अतिरिक्त, बचाव कार्यों के लिए डीजी माइन्स-सेफ्टी की एक विशेष बचाव टीम भी साइट पर पहुंच गई है। हमारी साइट इंजीनियरिंग टीमें प्राधिकारियों संग मिलकर 24 घंटे काम कर रही हैं ताकि टनल के वातावरण को स्थिर किया जा सके व बचाव कार्य सुनिश्चित हो सके।



एनएचपीसी का शीर्ष प्रबंधन साइट पर पहुंचा और बचाव टीमों तथा स्थानीय प्राधिकारियों के साथ काम कर रहा है। फंसे कार्मिकों को बाहर निकालने हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। ताजा जानकारी के अनुसार, टनल के अंदर 25 कार्मिक फंसे हुए थे, जिनमें से अब तक 10 लोगों के निधन की खबर है। घटना के कारण का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच की जाएगी।

चीन बोला- हमारे 12 नाविकों को बचाने का एहसान कभी नहीं भूलेंगे

भारत का जताया आभार

● बीजिंग



भारत और चीन के रिश्तों में धीरे-धीरे सुधार के संकेतों के बीच चीन ने भारतीय सेना के मानवीय अभियान की खुलकर सराहना की है। भारत में चीन के रक्षा अताशे रियर एडमिरल यू जियान ने कहा कि चीन पिछले साल केरल तट के पास दुर्घटनाग्रस्त मालवाहक जहाज से 12 चीनी नाविकों को सुरक्षित बचाने में भारतीय सेना की भूमिका को कभी नहीं भूलेगा। चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की 99वीं वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में यू जियान ने कहा कि हम यह कभी नहीं भूलेंगे कि पिछले जून में केरल तट के पास आग लगने और विस्फोट का शिकार हुए एक मालवाहक जहाज से भारतीय सेना ने 12 चीनी नाविकों को सुरक्षित बचाया था। उन्होंने इस मानवीय सहायता के लिए भारत का सार्वजनिक रूप से धन्यवाद भी किया।

नवाज शरीफ ने पीओके का पीएम बनने की इच्छा जताई

● लाहौर

पाक के पूर्व पीएम नवाज शरीफ ने पीओके का पीएम बनने की इच्छा जाहिर की है। पीएमएल-एन अध्यक्ष शरीफ ने कहा कि पीओके का पीएम बनने पर उनके लिए क्षेत्र में विकास कार्यों की व्यक्तिगत रूप से देखरेख करना संभव होगा। पीओके में 27 जुलाई से 10 अगस्त के बीच चुनाव होने हैं। शरीफ ने यह टिप्पणी मंगलवार को मुजफ्फराबाद में एक चुनाव रैली के दौरान की। भारत का कहना है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत का अभिन्न एवं अविभाज्य हिस्सा हैं। उसका यह भी कहना है कि पाक ने दोनों केंद्र-शासित प्रदेशों के कुछ हिस्सों पर गैर-कानूनी तरीके से और जबरन कब्जा कर रखा है।

यह मेरा दूसरा घर

कीटनाशकों के इस्तेमाल की छूट पर फ्रांस की मंत्री बारबट ने दिया इस्तीफा

● पेरिस/

फ्रांस की पर्यावरण परिवर्तन मंत्री मोनिक बारबट ने एक कानून का विरोध होने पर ही इस्तीफा देने की पेशकश की है। वे बुधवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को अपना इस्तीफा सौंपेंगी।

विवाद की मुख्य वजह फ्रांसीसी सांसदों द्वारा पारित नया आपातकालीन कृषि विधेयक है। इस कानून के तहत संघर्षरत कृषि क्षेत्रों को जहरीले कीटनाशकों के इस्तेमाल की अस्थायी छूट दी गई है। लेकिन वैज्ञानिक ही इसका विरोध कर रहे हैं। फ्रांस की पर्यावरण परिवर्तन मंत्री मोनिक बारबट ने पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है। इसकी वजह सरकार का एक नया कृषि कानून बना है। इसमें ऐसे कीटनाशकों के इस्तेमाल की अस्थायी अनुमति दी गई है, जिन्हें वैज्ञानिक मधुमक्खियों के लिए खतरनाक मानते हैं। बारबट ने कहा कि अब वह अपने पर्यावरण बचाने के मकसद को आगे नहीं बढ़ा पा रही हैं। इसलिए बुधवार को राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को अपना इस्तीफा सौंप देंगी।



आज का इतिहास

- **1555 :** सरहिंद में सिकन्दर सूरी को हराकर मुगल शासक हुमायूं दिल्ली पहुंचा।
- **1829 :** विलियम ऑस्टिन बर्ट ने अमेरिका में टाइपोग्राफर (टाइपराइटर का अग्रदूत) का पेटेंट कराया।
- **1856 :** गणितज्ञ, दार्शनिक और राष्ट्रवादी व्यक्ति बाल गंगाधर तिलक का जन्म।
- **1877 :** हवाई में पहली टेलिफोन और टेलिग्राफ लाईन बिछाई गई।
- **1881 :** अंतरराष्ट्रीय जिम्नास्टिक संघ ने खेल परिसंघ की स्थापना की। यह विश्व का सबसे पुराना खेल परिसंघ है।
- **1903 :** फोर्ड मोटर कंपनी ने अपनी पहली कार बेची थी।

नई सोच इसे नाम दिया है सेंटॉर, इस रोबोट को खतरनाक हालातों में काम करने के लिए बनाया गया

आधा इंसान, आधा जानवर, चीन ने बनाया अनोखा रोबोट

● नई दिल्ली

क्या आपने ऐसी साइंस फिक्शन फिल्में देखी हैं जिनमें आधे इंसान और आधे जानवर जैसे किरदार होते हैं? वैसे ही रोबोट अब आपको असल दुनिया में देखने को मिल सकते हैं। दरअसल शंघाई के वर्ल्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कॉन्फ्रेंस (डब्ल्यूएआईसी) 2026 में रन रोबोटिक्स नाम की कंपनी ने आधे इंसान और आधे जानवर जैसा रोबोट पेश किया है। इसे सेंटॉर कहते हैं यानी कि इंसानी घोड़े जैसा दिखने वाली मशीन। यह पहियों और पैरों की मदद से उबड़-खाबड़ रास्तों पर चलने की क्षमता रखता है। इसे खास तौर पर आग बुझाने, मुश्किल आपदाओं में काम करने और औद्योगिक निरीक्षण जैसे खतरनाक कामों को करने के लिए तैयार किया गया है। पारंपरिक ह्यूमनॉइड रोबोट्स दो पैरों पर चलते हैं लेकिन इस सेंटॉर रोबोट का निचला हिस्सा पहियों वाले ऑल-टेरेन मोबिलिटी सिस्टम पर बना है। वहीं इसका ऊपरी हिस्सा ह्यूमनॉइड रोबोट यानी कि इंसानों जैसा लगता है।



भारी सामान उठाने में भी होगा सक्षम

यह निगरानी करने के साथ-साथ भारी सामान हटाने, उपकरण चलाने और राहत कार्यों में मदद करने में सक्षम होते हैं। पोर्ट्स के मुताबिक यह रोबोट 100 से 120 किलोग्राम तक का वजन आसानी से उठा सकता है, जबकि यह ज्यादा से ज्यादा 210 किलोग्राम तक का वजन उठाने में सक्षम है। इस रोबोट को ऐसे बनाया गया है कि ये ज्यादा तापमान वाली स्टील फैक्ट्रियों और रेडिएशन वाले खतरनाक इलाकों में भी अच्छे से काम कर सके।

आधुनिक तकनीक और निर्णय लेने की क्षमता

इस रोबोट की एक खासियत और है कि यह एनवायरमेंटल परसेप्शन सिस्टम से लैस है, जिसमें लायडार सेंसर, बायोक्युलर विजन और डेप्थ कैमरे लगे हैं। इस तकनीक की मदद से यह अपने आसपास के माहौल को समझ पाता है। इन सेंसर्स की बदौलत यह रोबो बहुत आसानी से गर्म पाइपलाइनों, वाल्वों, रुकावटों और इंसानों को सटीक रूप से पहचान पाता है। यह रोबोट अपने आप रास्ता चुनने, रुकावटों से बचने और काम को बिना इंसानी मदद के पूरा भी कर सकता है। कंपनी 2026 तक इसका बड़े पैमाने पर उत्पादन करने का टार्गेट लेकर चल रही है।

इंडो-चीन सीमा पर उठाया शांति का मुद्दा

मनीला, आरएनएन। भारत और चीन के विदेश मंत्रियों की बैठक बेहद सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई, लेकिन भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने द्विपक्षीय संबंधों को पूरी तरह सामान्य बनाने की राह में बाधक बने सभी प्रमुख मुद्दों को एक-एक करके साफ तौर से उठाया। सीमा क्षेत्रों में शांति और अमन को सामान्य संबंधों की प्रमुख शर्त बताते हुए जयशंकर ने चीन के पक्ष में भारी व्यापारिक घाटे, बाजार पहुंच की कमी और कुछ जरूरी कच्चे माल की आपूर्ति में चीन की तरफ से बाधा उत्पन्न करने जैसे संवेदनशील मुद्दों पर स्पष्ट चिंता जताई।

भारत-चीन विदेश मंत्रियों की बैठक

बैठक के दौरान जयशंकर ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी से कहा कि सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता सामान्य संबंधों की पूर्व शर्त है। 2020 में चीन की तरफ से पूर्वी लद्दाख में घुसपैठ किये जाने के बाद से यह भारत का सतत रुख है। दोनों मंत्री फिलीपींस की राजधानी मनीला में आसियान के उच्च स्तरीय कार्यक्रमों में शामिल होने पहुंचे थे। जयशंकर ने कहा कि, अक्टूबर 2024 से दोनों पक्ष इस महत्वपूर्ण उद्देश्य को सुनिश्चित करने के लिए लगे हुए हैं, लेकिन इस पर निरंतर ध्यान देने की जरूरत है।

मलाइका अरोड़ा

के बाद अब साहिबा बाली को डेट कर रहे अर्जुन कपूर? वायरल हुई तस्वीर

अर्जुन कपूर अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में छाए रहते हैं. मलाइका अरोड़ा से ब्रेकअप के बाद उनका नाम अब एक्ट्रेस साहिबा बाली से जोड़ा जा रहा है. पिछले कुछ वक्त से अर्जुन कपूर और साहिबा की डेटिंग को लेकर तमाम तरह की रूमर्स फैल रही हैं. इसी बीच,



अर्जुन कपूर और साहिबा एक बार फिर साथ दिखाई दिए हैं. बीते रोज दोनों लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में साथ मैच देखते हुए नजर आए, यहां से अर्जुन और साहिबा का तस्वीर काफी वायरल हो रही है.

अर्जुन कपूर और साहिबा बाली एक बार फिर डेटिंग की अटकलों के घेरे में आ गए हैं, क्योंकि उन्हें लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में एक साथ देखा गया. दोनों ने रविवार, 19 जुलाई को भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा वनडे मैच देखा और स्टैंड्स से उनकी तस्वीरें तेजी से ऑनलाइन वायरल होने लगीं.

अर्जुन कपूर और साहिबा बाली की तस्वीर

इंडिया- इंग्लैंड मैच से इस वायरल तस्वीर में अर्जुन कपूर ब्लू कलर के कपड़े पहने हुए नजर आए और उनकी साइड में काला चश्मा लगाए हुए साहिबा भी दिखाई दीं. दोनों को साथ देखकर सोशल मीडिया पर हलचल मच गई और इसके बाद लोगों ने तमाम तरह के अंदाजे लगाने शुरू कर दिए. एक सोशल मीडिया यूजर ने सवाल किया कि क्या दोनों के बीच कुछ चल रहा है क्या.

दिलचस्प बात ये रही कि दोनों ने नीले रंग के मैचिंग कपड़े पहने हुए थे और कई तस्वीरों में वो स्टैंड्स में साथ नजर आए. कई सोशल मीडिया यूजर्स पूछ रहे हैं, 'क्या चल रहा है?' वहीं कुछ ने तो उन्हें बधाई देना भी शुरू कर दिया. हालांकि, अभी तक अर्जुन कपूर और साहिबा, दोनों में से ही किसी ने इन डेटिंग रूमर्स पर कुछ नहीं कहा है.

'मेरे माता-पिता के अच्छे कर्म हैं कि..' 'रामायण' में लक्ष्मण का रोल मिलने पर भावुक हुए रवि दुबे



नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित 'रामायण' रिलीज के लिए तैयार है. इसमें की दिग्गज, बड़े और मंझे हुए कलाकार साथ में नजर आने वाले हैं. टीवी के मशहूर अभिनेता रवि दुबे भी इस फिल्म का हिस्सा हैं. उन्होंने श्री राम के भाई लक्ष्मण का रोल निभाने की अपनी जर्नी शेयर की और इस रोल के लिए चुने जाने को लेकर भी सभी का आभार व्यक्त किया. लक्ष्मण के पात्र मिलने को लेकर उन्होंने इसे अपने पेरेंट्स के अच्छे कर्मों का फल बताया है. इस दौरान एक्टर बात करते हुए काफी भावुक भी हो गए.

रवि दुबे ने फिल्म 'यू आर माय जान' (U R My Joan) से 2011 में बॉलीवुड डेब्यू किया था. इस फिल्म में वो कैमियो रोल में नजर आए थे. इसके बाद उन्होंने 2018 की '3 देव' में भी काम किया. 'रामायण' का ये रोल उनके हिंदी सिनेमा के करियर में टर्निंग पॉइंट साबित हो सकता है. फिलहाल जान लेते हैं एक्टर ने अपने लक्ष्मण के रोल पर क्या कहा.

कुमार विश्वास ने पूछा सवाल

इस इवेंट के होस्ट रहे कवि और राजनेता कुमार विश्वास ने रवि दुबे से सवाल पूछते हुए कहा, आप बहुत ही अच्छे अभिनेता हैं, लेकिन इस जर्नी में जहां आप अपने फिल्म के भैया और भाभी (रणबीर और साई पल्लवी) के साथ खड़े हुए हैं, कैसा रहा आपका एक्सपीरियंस...

बोले, 'जब श्री राम चुनते हैं तो....'

रवि दुबे ने कुमार विश्वास के सवाल का जवाब देते हुए कहा, सॉरी मैं थोड़ा नर्वस हूं तो आवाज अगर टूट जाए थोड़ी या इमोशनल हो जाऊं, तो माफ कीजिएगा. मेरे जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य है ये, और आदरणीय कुमार विश्वास जी ने बिल्कुल सही बात कही की श्री राम चुनते हैं और जब श्री राम चुनते हैं तो भाव भी वही देते हैं, साधन भी वही देते हैं, संसाधन भी वही देते हैं, हिम्मत भी वही देते हैं. श्री राम ने आदरणीय नमित जी को चुना, आदरणीय नितेश जी को चुना, मेरे भैया रणबीर भाई जो श्री राम का पात्र कर रहे हैं उनको चुना, माताेश्राई को चुना, मां सीता के रोल के लिए.

माता-पिता को दिया श्रेय

रवि दुबे ने आगे बात करते हुए कहा, ना जाने ये कैसे हो गया कि इतने बड़े नामों में, इतने बड़े मंच पर मैं यहां खड़ा हूं. ये मेरे माता-पिता आए हुए हैं यहां पर, ये शायद उनके अच्छे कर्म हैं, मेरे पूर्वजों के अच्छे कर्म हैं, जो कि मेरा महा सौभाग्य बन गए और यहां राम कथा में मैं आज श्री लक्ष्मण का पात्र निभा रहा हूं. बहुत-बहुत धन्यवाद मैं इस स्टेज पर जितने भी लोग खड़े हैं, नमित सर, नितेश सर, मैं हाथ जोड़कर जिंदगी भर आपका ऋणी रहूंगा.

कॉन्सर्ट में जैस्मिन सैंडलस के साथ बदसलूकी, स्टेज पर फैन की हरकत से मचा बवाल



बॉलीवुड-पंजाबी सिंगर जैस्मिन सैंडलस ने बीते रोज देहरादून में कॉन्सर्ट किया. इस दौरान हजारों की भीड़ सिंगर को सुनने के लिए वहां पहुंची. इस कॉन्सर्ट से कई वीडियोज सामने आए हैं और एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. इसमें दावा किया जा रहा है कि एक फैन ने जैस्मिन सैंडलस के साथ बदसलूकी की. बताया जा रहा है कि एक फैन जैस्मिन से मिलने के बहाने स्टेज के पास आया और फिर गलत तरीके से सिंगर को छूने की कोशिश की. इस क्लिप के वायरल होने के बाद लोग काफी भड़क गए और सिंगर की सिक्योरिटी पर भी सवाल खड़े किए.

जैस्मीन सैंडलस ने हाल ही में देहरादून में परफॉर्म किया. इस इवेंट के वीडियो सामने आने के बाद लोगों ने नाराजगी जाहिर की है. इस वीडियो में सिंगर को भीड़ से घिरे हुए और कॉन्सर्ट के दौरान गलत तरीके से छुए जाते हुए देखा जा सकता है. लोगों का कहना है कि परफॉर्मेंस के बाद एक फैन ने सिंगर को गलत तरीके से छूने की कोशिश की.

जैस्मिन के साथ हुई बदसलूकी

एक यूजर ने देहरादून में हुए जैस्मिन के हालिया कॉन्सर्ट का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वो फैंस से बातचीत करती दिख रही हैं, जिन्होंने उनका हाथ खींचकर उन्हें अपनी ओर बुलाया था. वो उनसे बात करने के लिए नीचे झुकती हैं और कुछ लोग उन्हें पकड़ने की कोशिश करते हुए भी दिखते हैं. उनकी टीम लोगों से पीछे हटने के लिए कहती हुई नजर आती है, लेकिन फिर भी नहीं हटते हैं और उन्हें गिफ्ट-फूल देने लग जाते हैं. कुछ देर बाद जैस्मिन फैंस से पीछे हटने के लिए कहती हैं और उनकी टीम भी उन्हें संभालने की कोशिश करती हुई दिखती है.

सोशल मीडिया यूजर्स भड़के

इस क्लिप के वायरल होने के एक यूजर ने लिखा, जैस्मीन सैंडलस को भीड़ ने घेर लिया और उनके साथ गलत तरीके से छूने की हरकत की. उन्होंने आगे लिखा, वो गुलाब लेने और फैंन्स से मिलने के लिए थोड़ा नीचे आईं, लेकिन कुछ लोगों ने अपनी असलियत दिखाई और उन्हें गलत तरीके से छुआ. एक यूजर ने कहा, अगर कोई महिला या कलाकार हाथ मिलाने के लिए आता है, तो हमेशा उनका सम्मान किया जाना चाहिए जबकि दूसरे ने लिखा, कुछ लोगों का दिमाग घुटनों में होता है.

'मुझे नहीं पता....' सोनम वांगचुक को लेकर हुआ सवाल तो उलझन में पड़ीं

मन्नारा चोपड़ा



मन्नारा चोपड़ा कई टीवी शो का हिस्सा रह चुकी हैं. 'बिग बॉस 17' से उन्हें काफी पॉपुलैरिटी मिली. एक्ट्रेस हाल ही में गोवा के एक इवेंट में पहुंची थीं. इसमें उनसे सोनम वांगचुक को लेकर सवाल किया गया. आमिर खान को मूवी का रेफरेंस भी दिया गया, लेकिन एक्ट्रेस के चेहरे के एक्सप्रेशन देखकर ही लग रहा था कि उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं है. इसके बाद उन्होंने खुद ही कहा कि उन्हें इस बारे में नहीं पता है.मन्नारा चोपड़ा का ये वीडियो एक पैपराजी पेज से शेयर किया गया है, जिसके बाद लोग न सिर्फ इस वीडियो पर बल्कि एक्ट्रेस के इंस्टाग्राम पर भी कमेंट करते नजर आ रहे हैं. लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है. कुछ इसके लिए उनको भला-बुरा कह रहे हैं, कुछ हैरानी जता रहे हैं तो इसी के साथ कुछ यूजर्स ने मन्नारा का सपोर्ट भी किया है.



मन्नारा चोपड़ा ने कहा, 'उन्हें नहीं पता'

पैपराजी ने मन्नारा चोपड़ा से सोनम वांगचुक की हंगर स्ट्राइक को लेकर अपना पॉइंट रखने को कहा. इसके बाद आमिर खान की फिल्म थ्री इडियट का रेफरेंस देकर भी बात की. इसे लेकर मन्नारा थोड़ी सी परेशान हुईं, क्योंकि उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं थी. उन्होंने कहा, कि वो इस बारे में कोई कमेंट नहीं करना चाहती हैं. इसके बाद बोलीं, नहीं, मुझे नहीं पता.

सोनम वांगचुक पर बेस्ड था आमिर का रोल ?

दरअसल सोशल मीडिया पर जब '3 इडियट्स' के एक्टर ओमी वैद्य (चतुर का रोल) ने एक वीडियो शेयर कर कहा था कि 'फुनसुख वांगडू' का किरदार सोनम वांगचुक पर बेस्ड था तो इसे लेकर काफी चर्चाएं होने लगीं. इसके बाद आमिर खान ने इस बात को स्पष्ट किया था कि वह और फिल्म के लेखक पहले से सोनम वांगचुक को नहीं जानते थे. ये रोल उन पर आधारित नहीं था. इसी के साथ उन्होंने सोनम वांगचुक की सेहत को लेकर भी चिंता जाहिर की थी.

मन्नारा चोपड़ा का करियर

मन्नारा चोपड़ा ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग और विज्ञापनों से की थी. इसके बाद वो तेलुगु फिल्म 'प्रेमा गीमा जंधा नाई' में नजर आईं. 2014 में रिलीज हुई इस फिल्म में उन्होंने कॉलेज गर्ल का रोल प्ले किया था. 2014 में ही उन्होंने फिल्म 'जिद' से बॉलीवुड में कदम रखा. इसके अलावा वो बिग बॉस 17 की सेकंड रनरअप रह चुकी हैं और लाफ्टर शेफ्स का भी हिस्सा रहीं.मन्नारा चोपड़ा एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा और परिणीति चोपड़ा की बहन हैं. हालांकि ऑनस्क्रीन कभी भी किसी बड़े प्रोजेक्ट में उन्होंने साथ काम नहीं किया है.

रात 10.30 बजे होगा उद्घाटन, 74 देशों के 3 हजार एथलीट्स 10 खेलों में दिखाएंगे दम

भारत लॉन बॉल से कॉमनवेल्थ गेम्स में करेगा अपने अभियान की शुरुआत

● नई दिल्ली

राष्ट्रमंडल खेल 2026 की शुरुआत 23 जुलाई से होने जा रही है, जिसमें 74 देशों के करीब तीन हजार एथलीट्स 10 खेलों में हिस्सा लेंगे। इनमें 215 गोल्ड मेडल दांव पर होंगे। भारत राष्ट्रमंडल खेल में 19वीं बार हिस्सा लेने जा रहा है, जिसमें उसके 124 एथलीट्स मेडल के लिए अपनी दावेदारी पेश करेंगे। आठ एथलीट्स सामान्य खेलों और पांच पैरा-स्पोर्ट्स में मेडल के लिए मुकाबला करते नजर आएंगे।

भारत अपने अभियान की शुरुआत पुरुषों और महिलाओं के लॉन बॉल इवेंट्स से करेगा। राष्ट्रमंडल खेल 2022 में यादगार प्रदर्शन करते हुए पदक जीतने और इतिहास रचने के बाद भारतीय लॉन बॉल टीम ग्लासगो (स्कॉटलैंड) पहुंची है। टीम राष्ट्रमंडल खेल 2026 में एक बार फिर दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों को चुनौती देने के लिए तैयार है। भारतीय महिला लॉन बॉल टीम ने बर्मिंघम में खेले गए कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में इतिहास रचा था। लवली चौबे, पिंकी, नयनमोनी सैकिया और रूपा रानी टिर्की ने महिला फोर्स इवेंट के फाइनल में दक्षिण अफ्रीकी को हराकर ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता था, जो लॉन बॉल में भारत का पहला मेडल था। इसके अलावा, सुनील बहादुर, चंदन सिंह, नवनीत सिंह और दिनेश कुमार की पुरुष फोर्स टीम ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया था।

पिछली बार भारत पुरुष पेयर्स इवेंट में भी पदक जीतने के करीब पहुंचा था। राष्ट्रमंडल खेलों का उद्घाटन समारोह भारतीय समयानुसार रात 10:30 बजे से ग्लासगो के ''द हाइड्रो'' में होगा, जो एक मशहूर वेन्यू है। इस बार एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स, स्विमिंग और पैरा स्विमिंग, आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक, ट्रैक साइकिलिंग और पैरा ट्रैक साइकिलिंग, नेटबॉल, भारोत्तोलन और पैरा भारोत्तोलन, मुक्केबाजी, जूडो, बॉल्स और पैरा बॉल्स, थ्री इंटू थ्री बास्केटबॉल और थ्री इंटू थ्री व्हीलचेयर बास्केटबॉल जैसे कुल 10 खेल राष्ट्रमंडल खेल में देखे जाएंगे।



लॉन बॉल...

- **दोपहर 2:00 बजे से:** पुरुषों का एकल ग्रुप स्टेज
- **दोपहर 2:00 बजे से:** महिलाओं का पेयर्स ग्रुप स्टेज

लॉन बॉल में खिलाड़ी

- पुतुल सोनोवाल (पुरुष एकल)
- नयनमोनी सैकिया (महिला एकल)
- नवनीत सिंह (पुरुष पेयर्स)
- दिनेश कुमार (पुरुष पेयर्स)
- रूपा रानी तिर्की (महिला पेयर्स)
- पिंकी सिंह (महिला पेयर्स)

यहां होगा प्रसारण

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क और दूरदर्शन स्पोर्ट्स पर किया जाएगा। फैंस इस टूर्नामेंट को डीडी फ्री डिश पर भी फ्री में देख सकेंगे। वहीं, लाइव स्ट्रीमिंग सोनी लिव पर उपलब्ध होगी।

नीरज चोपड़ा की पाक के नदीम से होगी टक्कर



भारत की सबसे बड़ी उम्मीदें एथलेटिक्स, वेटलिफ्टिंग और मुक्केबाजी से होंगी। एथलेटिक्स में सभी की नजरें स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा पर रहेंगी। नीरज का लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना होगा, लेकिन उन्हें पाकिस्तान के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम से कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है। चोपड़ा इंजरी के बाद वापसी कर रहे हैं। ऐसे में सबकी नजरें उनके ऊपर होंगी। इसके अलावा लॉन्ग जंप के मुरली श्रीशंकर, ट्रिपल जंप के प्रवीण चित्रवेल और धावक गुलवीर सिंह से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

वेटलिफ्टिंग...

मीराबाई चानू से पदक की आस...



वेटलिफ्टिंग में ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू महिला 48 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक की सबसे मजबूत दावेदार मानी जा रही हैं। वहीं बिंद्यारानी देवी और ज्ञानेश्वरी यादव भी भारत के लिए पदक जीत सकती हैं। मुक्केबाजी में भारत की उम्मीदें ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और विश्व चैंपियन जैस्मीन लांबोरिया पर टिकी होंगी। इनके अलावा साक्षी चौधरी और प्रीति पवार भी स्वर्ण पदक मजबूत दावेदार हैं।

भारतीय बॉक्सिंग टीम का सामान आयरलैंड में छूटा

कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए मंगलवार को बेलफास्ट से ग्लासगो पहुंची टीम को परेशानी का सामना करना पड़ा। टीम का आधा सामान बेलफास्ट में ही छूट गया, जहां खिलाड़ी ट्रेनिंग कर रहे थे। इनमें बॉक्सिंग गियर, किट और ओपनिंग सेरेमनी की ड्रेस शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, टीम के सदस्यों ने बताया कि आयरलैंड की राजधानी बेलफास्ट से ग्लासगो जाने वाला विमान काफी छोटा था। इस वजह से काफी सामान वहीं छोड़ना पड़ा। कॉमनवेल्थ गेम्स 23 जुलाई से शुरू हो रहे हैं। पहले दिन ओपनिंग सेरेमनी होगी। बॉक्सिंग के मुकाबले 24 जुलाई से शुरू होने हैं। भारत ने गेम्स में 22 बॉक्स उतारे हैं।

जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत के साथ सीरीज शुरू करना चाहेगा भारत

● हरारे

श्रेयस अय्यर बतौर कप्तान पहली जीत दर्ज करने को बेताब होंगे जब उनकी युवा भारतीय टीम आत्मविश्वास से ओतप्रोत जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के पहले मैच में गुरुवार यानी 23 जुलाई को उतरेगी।

शाम 4.30 से बजे शुरू होगा मुकाबला

कप्तान के रूप में पहले सात टी20 मैचों में से आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ छह गंवा चुके अय्यर के पास टीम को जीत की राह पर लौटाने का यह सुनहरा मौका है। जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत अपेक्षित है लेकिन अगर हार गए तो उस ड्रेसिंग रूम की हालत का अनुमान ही लगाया जा सकता है जिसमें 15 वर्ष के वैभव सूर्यवंशी भी हैं । भारत ने इस दौरे के लिये वीवीएस लक्ष्मण को कोच के रूप में भेजा है।



वैभव पर होंगी नजरें

एक बार फिर नजरें वंडर ब्वॉय सूर्यवंशी पर होंगी जो अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करेंगे क्योंकि संजू सैमसन को टीम में जगह नहीं मिली है । हरारे स्पोर्टस क्लब से अभिषेक और सूर्यवंशी की पुरानी यादें जुड़ी है । अभिषेक ने इसी मैदान पर पदार्पण किया था और दूसरे मैच में पहला टी20 शतक भी यहीं लगाया था । सूर्यवंशी ने छह फरवरी को इस मैदान पर इंग्लैंड की अंडर 19 टीम के खिलाफ जूनियर विश्व कप फाइनल में शतक लगाया था । हरारे स्पोर्टस क्लब की पिच में नमी और उछाल रहता है जिससे भारतीय बल्लेबाजों को दिक्कतें आ सकती है।

टी20 सीरीज के लिए दोनों टीमें

भारत : श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, यश ठाकुर, प्रिंस यादव, मयंक यादव, अशोक शर्मा, रवि बिश्नोई, प्रभसिमरन सिंह, रिंकू सिंह

जिम्बाब्वे: सिकंदर यादव (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रियान बर्ल, तनाका शिवांगा, बेन कुरेन, ब्राड इवांस, वेसले माधेवेरे, टी मारुमनी, वेलिंगटन मसाकाजा, ब्लेसिंग मुजरबानी, डियोन मायर्स , रिचर्ड एनगारवा, न्यूमैन एन, मिल्टन शुम्बा, टी सिगा ।

गिल नंबर वन बल्लेबाज बनने से एक अंक पीछे

● नई दिल्ली

आईसीसी की ओर से जारी की गई वनडे रैंकिंग में शुभमन गिल नंबर-1 बनने से चूक गए। इंग्लैंड के खिलाफ 2 अर्धशतकीय पारियां खेलने के बाद भी भारतीय कप्तान पहले स्थान पर नहीं पहुंच पाए हैं।



दूसरी ओर लॉर्ड्स में 138 रन की आइकॉनिक पारी खेलकर रोहित शर्मा चौथे स्थान पर हैं। उनकी रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं आया है। क्योंकि विराट कोहली लगातार रन बनाकर तीसरे नंबर पर काबिज हैं। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज की 3 पारियों में शुभमन गिल ने 2 फिफ्टी बनाई। पहले मुकाबले में 75 गेंदों में 80 रन बनाकर वह रिटायर हर्ट हो गए। दूसरी पारी में 30 रन बना सके, आखिरी मैच में 77 रन जड़े। इसके बावजूद उनके और वनडे रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बैठे डेरेल मिचेल के बीच सिर्फ 1 अंका का फासला है।

रहमत शाह बने अफगानिस्तान के नए कप्तान

नई दिल्ली, आरएनएन। अफगानिस्तान के सबसे सफल कप्तानों में से एक हशमतुल्लाह शाहिदी ने टीम की कप्तानी छोड़ दी थी। इसके बाद अब अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अपने नए कप्तान का एलान कर दिया है। शाहिदी की जगह अब अनुभवी बल्लेबाज रहमत शाह को टीम का कप्तान बनाया गया है। वे वनडे और टेस्ट की कप्तानी करते हुए दिखाई देंगे। शाहिदी ने अफगानिस्तान को अपनी कप्तानी में कई यादगार जीत दिलाई। वे 31 मई 2021 के राष्ट्रीय टीम के कप्तान बने थे ।

अलीरेजा फिरोजा ने जीता चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स खिताब



● चेन्नई

फ्रांस के ग्रैंडमास्टर अलीरेजा फिरोजा ने बुधवार को भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ सातवें और अंतिम दौर का मुकाबला ड्रॉ खेलकर चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। टूर्नामेंट के आखिरी राउंड से पहले फिरोजा 4 अंक के साथ शीर्ष पर थे और उनके पास अर्जुन एरिगैसी तथा उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव पर आधे अंक की बढ़त थी। उन्होंने अर्जुन के खिलाफ 41 चालों में मुकाबला बराबरी पर समाप्त कर 4.5 अंकों के साथ चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

25 लाख रुपये का पुरस्कार मिला

फिरोजा ने पूरे टूर्नामेंट में दो मुकाबले जीते और बाकी पांच ड्रॉ खेले। इस प्रदर्शन के दम पर उन्होंने 4.5 अंक जुटाए और चैंपियन बनने के साथ 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि भी अपने नाम की। दिमित्री आंद्रेइकिन ने अंतिम दौर में जीत के साथ 4 अंक हासिल किए और भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। वहीं नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव, निहाल सरीन और एम. प्रणेश 3.5-3.5 अंकों के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर रहे।

डेविड वॉर्नर को शराब पीकर गाड़ी चलाने के केस में हो सकती है जेल

दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने स्वीकार की अपनी गलती

● नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज डेविड वॉर्नर की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। दरअसल, वॉर्नर ने शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामले में अपना गुनाह कबूल कर लिया है। बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के वेवरली लोकल कोर्ट में वॉर्नर के वकील बॉबी हिल ने बताया कि 39 वर्षीय क्रिकेटर ने इस मामले में अपनी गलती स्वीकार कर ली है। यह मामला इस साल ईस्टर रविवार यानी 5 अप्रैल का है। पुलिस स्टेशन में हुए दूसरे ब्रेथ टेस्ट में वॉर्नर के ब्लड अल्कोहल लेवल की रीडिंग 0.104 आई, जो कानूनी सीमा से दोगुनी से भी ज्यादा थी। वार्नर ने दोस्त के घर पर तीन गिलास वाइन पी थी। इस मामले में वॉर्नर को 18 अगस्त को सजा सुनाई जाएगी। उन्हें कम से कम छह महीने के लिए ड्राइविंग बैन। करीब 2200 ऑस्ट्रेलियन डॉलर तक का जुर्माना और नौ महीने तक की जेल की सजा हो सकती है।



यॉर्कशायर काउंटी टीम के लिए खेलेंगे कुलदीप यादव

नई दिल्ली, आरएनएन। कुलदीप यादव को भारतीय टीम की प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिल रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ तीनों ही मैचों में बेंच पर रहे। अभी भारतीय टीम टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे गई है।



उस टीम में कुलदीप को शामिल नहीं किया गया है। इस बीच कुलदीप यादव इंग्लैंड में खेलते नजर आएंगे। वह यॉर्कशायर काउंटी टीम का हिस्सा बन गए हैं। 31 साल के बाएं हाथ के स्पिनर वन डे कप के पांच मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे। ग्लैमॉर्गन के खिलाफ टीम को अगला मुकाबला खेलना है। उस मुकाबले के लिए कुलदीप यादव उपलब्ध रहेंगे।

क्रांति ने दुनिया में बढ़ाया भारत का मानः डॉ. यादव



● भोपाल / खेल संवाददाता

भारतीय महिला टीम की स्टार क्रिकेटर क्रांति गौड़ को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बेटों के साथ-साथ हमारी बेटियां भी किसी से कम नहीं है।

मध्यप्रदेश की बेटी क्रांति गौड़ ने अपनी प्रतिभा और कौशल के दम पर पूरे देश और प्रदेश का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित संवाद भवन में आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश की सुप्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर क्रांति गौड़ और उनके पिता नरसिंह एवं भाई महेन्द्र सिंह को भी सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लार्ड्स के टेस्ट ऑनर्स बोर्ड पर अपना नाम दर्ज कराने वाली देश की पहली महिला क्रिकेटर क्रांति गौड़ को तीन लाख रुपए का चेक और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लार्ड्स के ऐतिहासिक क्रिकेट ग्राउंड पर बुंदेलखण्ड की गौरव क्रांति गौड़ के सात विकेट लेकर बेहतरीन प्रदर्शन की मुक्तकंठ से सराहना की तथा क्रांति को इस बड़ी उपलब्धि के लिए अपनी ओर से दो लाख रूपये की सम्मान राशि का चेक भी सौंपा।

परिवार के सपोर्ट से पहनी ब्लू जर्सी : गौड़

क्रिकेटर क्रांति गौड़ ने कहा कि उन्होंने बचपन में अनेक संघर्षों के बीच यह तय कर लिया था कि उन्हें टीम इंडिया की ब्लू जर्सी पहनी है। एक छोटे से गांव से क्रिकेट के अंतर्राष्ट्रीय मंच तक की यात्रा माता-पिता और परिवार के सहयोग के बिना पूरी नहीं हो सकती थी।

उन्नति को हराकर पीवी सिंधू दूसरे दौर में पहुंचीं

● नई दिल्ली

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने जापान ओपन में खिताब जीतने के बाद अपने शानदार फॉर्म को बरकरार रखते हुए चीन ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया।

वहीं युवा भारतीय शटलर आयुष शेट्टी ने इंडोनेशिया के विश्व नंबर-11 अल्वी फरहान को हराकर बड़ा उलटफेर किया और प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। सिंधू ने पहले दौर में भारत की ही 18 वर्षीय उन्नति हुड्डा को तीन गेम तक चले मुकाबले में 21-14, 9-21, 21-10 से हराया। 56 मिनट तक चले इस मुकाबले में सिंधू ने पहला गेम आसानी से जीता, लेकिन दूसरे गेम में उन्नति ने शानदार वापसी करते हुए मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। निर्णायक गेम में सिंधू ने अपने अनुभव का पूरा फायदा उठाया और एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की। इस जीत के साथ सिंधू ने पिछले साल उन्नति के हाथों मिली हार का हिसाब भी बराबर कर लिया।



अब होगी चेन यूफेई से टक्कर

दूसरे दौर में सिंधू का सामना वीन की चौथी वरीयता प्राप्त और पूर्व ओलंपिक चैंपियन चेन यूफेई से होगा। दिलचस्प बात यह है कि सिंधू ने पिछले सप्ताह जापान ओपन के दौरान चेन यूफेई को हराया था, जिससे उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ा हुआ है। पुरुष एकल में भारत के युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने इंडोनेशिया के विश्व नंबर-11 और पूर्व विश्व जूनियर चैंपियन अल्वी फरहान को 21-17, 5-21, 21-17 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई।

अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स को मिलेगा विश्वस्तरीय स्वरूप

● भोपाल

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने टीटी नगर स्टेडियम में बरखेड़ा नाथू स्थित अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के निर्माण एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक लेकर अधिकारियों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सभी कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में कॉम्पलेक्स में विकसित की जा रही खेल अधोसंरचना, सुरक्षा व्यवस्था, जनसुविधाओं, ऊर्जा प्रबंधन तथा निर्माण कार्यों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री सारंग ने कहा कि यह खेल परिसर मध्यप्रदेश की खेल प्रतिभाओं के लिए विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं का प्रमुख केंद्र बनने जा रहा है। इसलिए निर्माण के प्रत्येक कार्य में गुणवत्ता, पारदर्शिता और तकनीकी मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए।



आस्था

गुरू पूर्णिमा से पहले विराट कोहली ने पत्नी अनुष्का के साथ प्रेमानंद महाराज का लिया आशीर्वाद

कीचड़ में नंगे पैर चलकर वृंदावन पहुंचे विराट कोहली

● वृंदावन

भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए। कोहली बुधवार को पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ वृंदावन पहुंचे और आशीर्वाद लिया। कोहली इससे पहले आईपीएल 2026 खत्म होने के बाद भी प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लेने पहुंचे थे।

मालूम हो कि आरसीबी ने इस सीजन खिताब अपने नाम किया था। 29 जुलाई को गुरू पूर्णिमा है और इससे पहले ही कोहली ने अनुष्का संग प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए हैं। कोहली और अनुष्का को श्री हित राधा केली कुंज आश्रम में नंगे पैर घूमते हुए देखा गया और उनके इस दौरे के वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। ऑनलाइन वायरल हो रहे कई वीडियो में इन दोनों को कड़ी सुरक्षा के बीच आश्रम पहुंचते हुए देखा जा सकता है। अनुष्का और विराट दोनों ने ही फेस मास्क पहनकर अपनी पहचान छिपाने की कोशिश की। आश्रम से बाहर निकलते समय विराट और अनुष्का ने हाथ में प्रसाद लिया हुआ था और वे कीचड़ भरे रास्तों पर नंगे पैर चल रहे थे।



प्रेमानंद महाराज के दर्शन लिए अनुष्का ने सिंपल सफेद सलवार-सूट पहना, जबकि विराट टी-शर्ट और पैंट में कैजुअल लुक में नजर आए। प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लेने से पहले, यह दोनों आश्रम परिसर में घूमते हुए दिखे। कोहली और अनुष्का की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

वहीं, वृंदावन में जैसे ही लोगों ने इन दोनों को देखा तो वे कोहली-अनुष्का की तस्वीरें लेने लगे।

भक्ति में लीन दिखे विराट और अनुष्का शर्मा

वायरल वीडियो में कोहली और अनुष्का आश्रम परिसर से बाहर निकलते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान वहां मौजूद लोगों का उन्होंने राधे-राधे कहकर अभिवादन किया। उनके इस व्यवहार ने वृंदावनवासियों का दिल जीत लिया। विराट और अनुष्का इस दौरान भक्ति में लीन नजर आए। मालूम हो कि पिछले कुछ वर्षों से यह दोनों लगातार वृंदावन आकर प्रेमानंद महाराज के दर्शन कर रहे हैं। विराट और अनुष्का की आस्था किसी से छिपी हुई नहीं है। दोनों कई बार इस बारे में बात कर चुके हैं कि व्यस्त जीवन के बीच आध्यात्म, ध्यान और शांत वातावरण उन्हें मानसिक संतुलन बनए रखने में मदद करता है।

डूरंड कप की ट्रॉफियां कोलकाता पहुंचीं

नई दिल्ली, आरएनएन। एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट डूरंड कप के 135वें संस्करण का काउंटडाउन शुरू हो गया है। टूर्नामेंट की तीन प्रतिष्ठित ट्रॉफियां बुधवार को ट्रॉफी टूर के तहत कोलकाता पहुंचीं। इसके साथ ही पांचों मेजबान राज्यों की यात्रा पूरी हो गई।। मोहन बागान सुपर जायंट और ईस्ट बंगाल एफसी आमने-सामने होंगे।

राजधानी (न्यू वॉम्बे)

दिन	रात
390 = 2	259 = 6
170 = 8	145 = 6

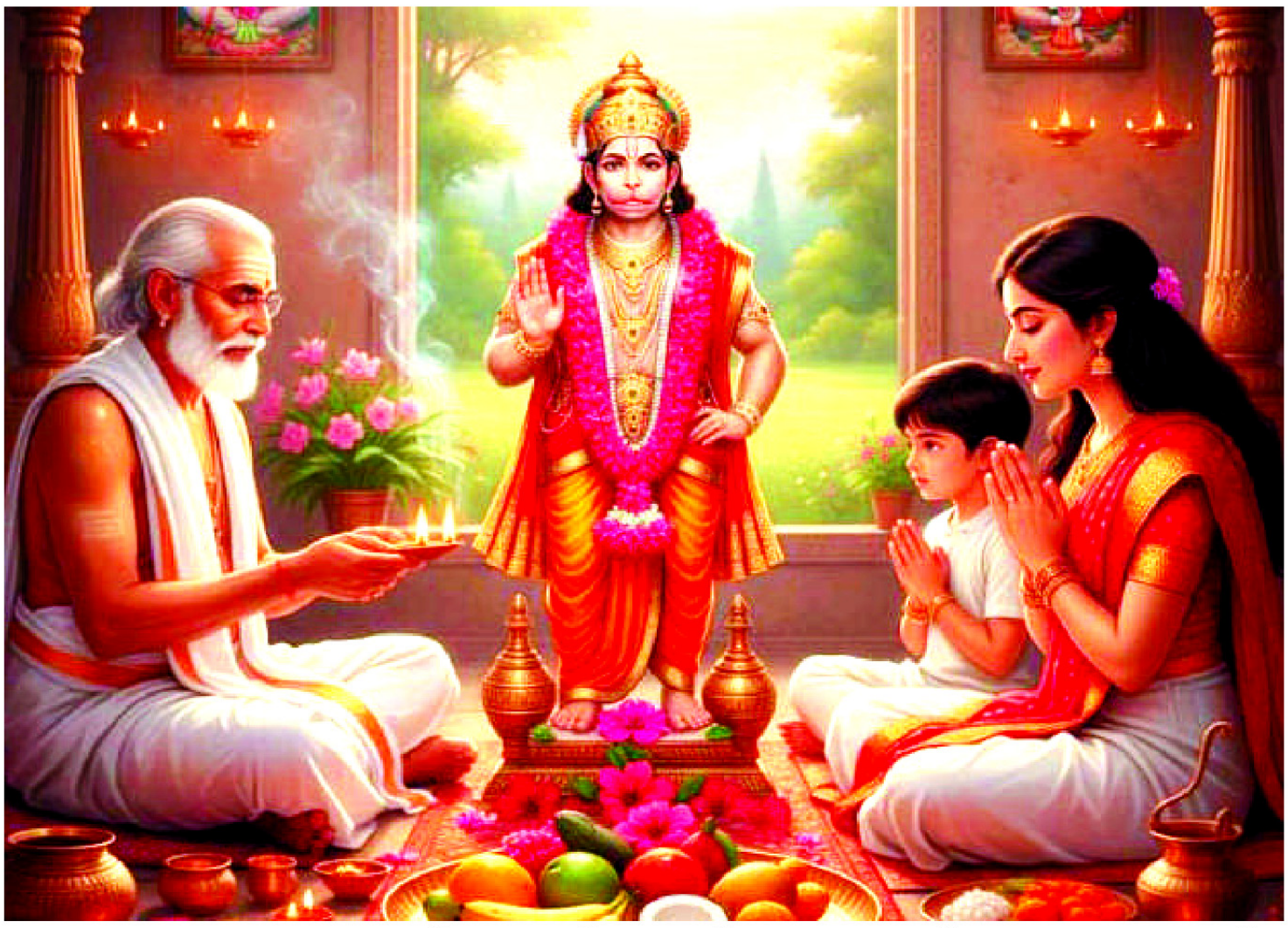
शुभांक

दिन	रात
700 = 7	368 = 7
260 = 8	100 = 1

भाग्यांक

2 5 7 0

www.kalyangame.com



घर की इस दिशा में लगाएंगे हनुमान जी की तस्वीर, तो नहीं आएगा कोई संकट

धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान श्रीराम के परम भक्त हनुमान जी की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करने से सभी संकट दूर होते हैं। साथ ही जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। घर में हनुमान जी (Vastu Tips For Hanuman Ji Photo) की तस्वीर को जरूर लगाना चाहिए, लेकिन लगाने से पहले यह जान लें कि बजरंगबली की तस्वीर लगाने के लिए कौन-सी दिशा शुभ मानी जाती है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, हनुमान जी की तस्वीर को सही दिशा में लगाने से परिवार के सदस्यों पर प्रभु की कृपा बनी रहती है और जीवन में कोई संकट नहीं आता है। ऐसे में आइए इस आर्टिकल में विस्तार से जानते हैं कि संकटमोचन की तस्वीर लगाने के नियम के बारे में।

इस जगह पर भूलकर भी न लगाएं तस्वीर

वास्तु शास्त्र के अनुसार, हनुमान जी की तस्वीर को बेडरूम में नहीं लगाना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि बेडरूम में प्रभु की तस्वीर लगाने से परिवार के सदस्यों को अशुभ फल की प्राप्ति होती है और बजरंगबली नाराज हो सकते हैं।

इसके अलावा बजरंगबली की तस्वीर को बाथरूम के पास भी लगाने से बचना चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास हो सकता है, जिससे परिवार के सदस्यों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

कहां लगाएं हनुमान जी की तस्वीर

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की दक्षिण दिशा में हनुमान जी की तस्वीर लगाना शुभ माना जाता है। इस दिशा में बजरंगबली की प्रतिमा लगाने से वास्तु दोष और सभी संकटों से मुक्ति मिलती है। साथ ही नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है। संकटमोचन की कृपा से घर में सुख-शांति बनी रहती है।

इस तरह की तस्वीर लगाएं

ऐसा माना जाता है कि बैठी हुई मुद्रा में हनुमान जी की तस्वीर लगाने से सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है। इसलिए तस्वीर को लेने से पहले मुद्रा का ध्यान जरूर रखें।

हनुमान जी की लाल रंग की तस्वीर लगाने से नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है।

घर में पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर लगाना शुभ माना जाता है। इस तरह की तस्वीर लगाने से बुरी शक्तियां वास नहीं करती हैं।

अगर आप घर में उड़ते हुए हनुमान लगाते हैं, तो इससे सभी कामों में सफलता प्राप्त और खूब तरक्की होगी।

शास्त्रों के अनुसार हनुमान जी बाल ब्रह्मचारी हैं और इसी वजह से उनकी तस्वीर बेडरूम में न रखकर घर के मंदिर में या किसी अन्य पवित्र स्थान पर रखना शुभ रहता है। वास्तु वैज्ञानिकों के अनुसार हनुमान जी का चित्र दक्षिण दिशा की ओर देखते हुए लगाना चाहिए क्योंकि हनुमान जी ने अपना प्रभाव अत्यधिक इसी दिशा में दिखाया है जैसे लंका दक्षिण में है, सीता माता की खोज दक्षिण से आरंभ हुई, लंका दहन और राम-रावण का युद्ध भी इसी दिशा में हुआ। दक्षिण दिशा में हनुमान जी विशेष बलशाली हैं।

इसी प्रकार से उत्तर दिशा में हनुमान जी की तस्वीर लगाने पर दक्षिण दिशा से आने वाली हर नकारात्मक शक्ति को हनुमान जी रोक देते हैं। वास्तु अनुसार इससे घर में सुख और समृद्धि का समावेश होता है और दक्षिण दिशा से आने वाली हर बुरी ताकत को हनुमान जी रोक देते हैं। जिस रूप में हनुमान जी अपनी शक्ति का प्रदर्शन कर रहे हों ऐसी तस्वीर को घर में लगाने से किसी भी तरह की बुरी शक्ति प्रवेश असंभव है।

इन सरल उपायों से करें घर में वास्तु दोष समाप्त, ऑफिस में भी आजमाएं



वास्तु-शास्त्र इसके रचयिता भगवान विश्वकर्मा की मानव को अभूतपूर्व देन है। ज्योतिष विज्ञान के अंतर्गत वास्तु का एक महत्वपूर्ण स्थान है। किसी भी भवन का निर्माण करते समय उसे वास्तुनुकूल बनाना आवश्यक है क्योंकि घर में सुख, शांति एवं समृद्धि इसी पर आधारित है। वास्तु दोष होने पर भवन में कई प्रकार की परेशानियां, अस्वस्थता, अकारण दुःख, हानि, चिंता एवं भय आदि बना रहता है। आधुनिक युग में फ्लैट संस्कृति चारों ओर विकसित हो चुकी है। इन फ्लैटों में अगर वास्तु दोष हो तो भी तोड़-फोड़कर अनुकूल बनाना संभव नहीं हो पाता है। कई जगह धनाभाव या अर्थाभाव के कारण भी व्यक्ति वास्तु दोष का निवारण नहीं कर पाता है। लेकिन ऐसे में निराश होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि ऐसे में हम घर के सामान या वस्तुओं में फेर-बदलकर वास्तु दोष को एक सीमा तक समाप्त कर सकते हैं।

उदाहरण के तौर पर आग्नेय कोण (पूर्व-दक्षिण का कोना) में रसोईघर होना चाहिए, किन्तु ऐसा न होने पर अग्नि की पुष्टि नहीं हो पाती है। इसके निवारण के लिए हम घर की इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं को जैसे फ्रीज, टी.वी. इत्यादि को इस कोने में रखकर इसे पुष्ट बना सकते हैं। इसी प्रकार घर की पूर्व एवं उत्तर दिशा को खाली रखा जाना चाहिए। अगर ऐसा संभव न हो तो पूर्व या उत्तर दिशा में रखी वस्तुओं के वजन से लगभग डेढ़ गुना वजन नैऋत्य कोण (दक्षिण-पश्चिम) या दक्षिण दिशा में रखा जाना चाहिए क्योंकि नैऋत्य कोण भारी एवं ईशान कोण (पूर्व-उत्तर) हलका होना चाहिए।

इसी प्रकार घर की घड़ियों को हमेशा पूर्व या उत्तर दिशा में लगाया जाना जाना चाहिए, इससे अच्छे समय के आगमन के व्यवधान समाप्त होते हैं। ईशान कोण पवित्र एवं स्वच्छ रखा जाना चाहिए एवं एक घड़ा जल भरकर इस कोने में रखना चाहिए, इसके सत्परिणाम मिलते हैं।

यही नहीं सभी महत्वपूर्ण कागजों को पूर्व या उत्तर दिशा में रखा जाना चाहिए ऐसा न करने से इनसे संबंधित घटनाएं अहितकारी रहती हैं। इस प्रकार घर के शयन कक्ष, पूजा-स्थल, तिजोरी, बाथरूम, बैठक-स्थल, भोजन-कक्ष, मुख्य द्वार एवं खिड़की आदि में परिवर्तन कर वास्तु दोष ठीक कर जीवन में सफलता प्राप्त की जा सकती है।

ऐसा ही आप अपने ऑफिस में भी कर सकते हैं। कई बार देखा गया है कि ऑफिस में आपके बैठने की जगह, फाइल्सथ, सिस्टाम, डारेक्शेन, विंडो सिटिंग जैसी बेहद छोटी चीजों को आप यथा स्थासन रखकर वास्तुक दोष समाप्तह कर सकते हैं और तरक्कीत कर सकते हैं।

पूरे हफ्ते करें कपूर के 3 उपाय, बनी रहेगी घर में सकारात्मक ऊर्जा और शांति



हिंदू धर्म में घर की तुलना स्वर्ग से की जाती है। ऐसे में हर कोई चाहता है कि उसके घर में सुख-शांति बनी रहे, लोगों के बीच आपसी प्रेम हो और कभी दरिद्रता उनके द्वार न आए। लेकिन कई बार न चाहते हुए भी घर में बुरी ऊर्जा का साया मंडराने लगता है और सब काम बिगड़ने लगते हैं। वास्तु शास्त्र में कपूर के कुछ ऐसे उपाय बताए गए हैं, जिनको पूरे सप्ताह कर लिया जाए, तो घर में सकारात्मक ऊर्जा वास करने लग जाती है।

मंगलवार और शनिवार करें यह काम

वास्तु शास्त्र में कपूर के अनेक फायदे बताए गए हैं। इसकी सुगंध बहुत शक्तिशाली होती है। इसमें यदि लौंग मिलाकर इसे जलाया जाए, तो इससे नकारात्मक ऊर्जा नष्ट होती है। यह कार्य आपको मंगलवार और शनिवार के दिन ही करना चाहिए क्योंकि यह दोनों दिन प्रबंधन और नियंत्रण के होते हैं। इस उपाय से किसी भी प्रकार की नकारात्मक ऊर्जा को इस दिन नियंत्रित किया जा सकता है।

रविवार और सोमवार को करें यह काम

घर में शाम के वक?त कपूर और दालचीनी जलाएं । इसे आग्नेय कोण में रखें। ज्यादा नकारात्मक ऊर्जा इस स्थान पर होती है। इन्हें जलाने पर निकलने वाली सुगंध घर में मौजूद हवा को शुद्ध करती है। धन लाभ और समृद्धि के लिए यह बहुत ही अच?छा उपाय है। किसी मिट्टी या पीतल के बर्तन में ही इसे जलाएं। रविवार और सोमवार को यह उपाय इसलिए करने चाहिए, क्योंकि यह दिन सूर्य देव और भगवान शिव के होते हैं और दोनों ही देवता धन-धान्य की वृद्धि, तरक्की और समृद्धि देने वाले होते हैं।

गुरुवार और शुक्रवार को करें यह काम

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की पूर्व दिशा में अगर आप कपूर और तेजपत्ता जलाते हैं, तो परिवार में प्रेम बना रहता है। इसकी सुगंध गुरु, शुक्र और शनि को प्रभावित करती है, जिससे घर का वास्तु दोष खत्म होता है। इतना ही नहीं, घर में रहने वाले लोगों का मन इससे शांत रहता है और वे तनावमुक्त रहते हैं। तेजपत्ते को गुरु का कारक माना जाता है, इसे जलाने से बुद्धि और सौभाग्य की भी प्राप्ति होती है।



बुधवार के दिन करें इन मंत्रों का जाप, शिक्षा-करियर में आएगा सकारात्मक बदलाव

बुधवार का दिन भगवान गणेश की पूजा-अर्चना के लिए विशेष रूप से समर्पित माना जाता है। इस दिन विधि-विधान से गणपति बप्पा की आराधना करने से एकाग्रता में वृद्धि होती है। इसलिए विद्यार्थियों के लिए यह दिन बेहद शुभ माना जाता है। कहते हैं कि, भगवान गणेश की कृपा से पढ़ाई में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं और शिक्षा में भी अच्छे परिणाम मिलने लगते हैं। यदि बुधवार के दिन भगवान गणेश की पूजा के साथ अपनी राशि के अनुसार मंत्र का जाप किया जाए, तो इसका शुभ प्रभाव और भी अधिक देखने को मिल सकता है। आइए जानते हैं राशि अनुसार कौन-सा मंत्र जप करना शुभ रहेगा।

मेष राशि

गणेश्वराय नमः ' मंत्र की एक माला का जप करें। मान्यता है कि, इससे रुके हुए कार्य पूरे होने लगते हैं और सफलता के मार्ग प्रशस्त होते हैं।

वृषभ राशि

गणेशाय नमः ' मंत्र की एक माला का जप करें। इससे शिक्षा और करियर में उन्नति के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। विवाह योग भी बनते हैं।

मिथुन राशि

गणपतये नमः ' मंत्र की एक माला का जप करें। इस मंत्र के प्रभाव से धन लाभ होने की मान्यता है। इसके अलावा विशेष लाभ मिलता है।

कर्क राशि

गणप्रदाय नमः ' मंत्र की एक माला का जप करें। इससे करियर में तरक्की और नए अवसर मिलने की संभावना बढ़ती है। गणेश जी भी प्रसन्न होते हैं।

सिंह राशि

गणेशाय नमः ' मंत्र की एक माला का जप करें। इससे विशेष शुभ फल प्राप्त होते हैं। धन लाभ होने के योग भी बनते हैं।

कन्या राशि

गणचराय नमः ' मंत्र की एक माला का जप करें। इससे नौकरी में प्रमोशन और नए अवसर मिलने के योग बन सकते हैं।

तुला राशि

गणजिते नमः ' मंत्र की एक माला का जप करें। इससे जीवन में शुभ लाभ प्राप्त होने और कार्यों में अनुकूल परिणाम मिलने की मान्यता है।

वृश्चिक राशि

गणनाथाय नमः ' मंत्र की एक माला का जप करें। इससे विवाह संबंधी बाधाएं दूर होने और शुभ योग बनने की मान्यता है।

धनु राशि

गुणप्रियाय नमः ' मंत्र की एक माला का जप करें। इससे करियर में प्रगति और सफलता के नए रास्ते खुल सकते हैं।

मकर राशि

गणप्राणाय नमः ' मंत्र की एक माला का जप करें। इस मंत्र के जाप से धन लाभ और आर्थिक उन्नति होने की मान्यता है।

कुंभ राशि

गणसेनाय नमः ' मंत्र की एक माला का जप करें। इससे धन लाभ के साथ कार्यों में सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

मीन राशि

गणप्रभवे नमः ' मंत्र की पांच माला का जप करें। इससे करियर में अनुकूल परिणाम मिलने की मान्यता है।

प्राचीन काल की बात है एक व्यक्ति अपनी पत्नी को लेने के लिए ससुराल गया। कुछ दिन अपने ससुराल में रुकने के बाद व्यक्ति ने अपने सास-ससुर से अपनी पत्नी को विदा करने को कहा लेकिन सास-ससुर ने कहा कि आज बुधवार है और इस दिन हम गमन नहीं करते हैं लेकिन व्यक्ति ने उनकी बात को मानने से साफ इनकार कर दिया। आखिरकार लड़की के माता-पिता को अपने दामाद की बात माननी पड़ी और अपनी बेटी को साथ भेज दिया। रास्ते में जंगल था, जहां उसकी पत्नी को प्यास लग गई। पति ने अपना रथ रोका और जंगल से पानी लाने के लिए चला गया। थोड़ी देर बाद जब वो वापस अपनी पत्नी के पास लौटा तो देखकर हैरान हो गया कि बिल्कुल उसी के जैसा व्यक्ति उसकी पत्नी के पास रथ में बैठा था।

ये देखकर उसे गुस्सा आ गया और कहा कि कौन है तू और मेरी पत्नी के पास क्यों बैठा है। लेकिन दूसरे व्यक्ति को जवाब सुनकर वो हैरान रह गया। व्यक्ति ने कहा कि मैं अपनी पत्नी के पास बैठा हूं। मैं इसे अभी अपने ससुराल से लेकर आया हूं। अब दोनों व्यक्ति झगड़ा करने लगे। इस झगड़े को देखकर राज्य के सिपाहियों ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

यह सब देखकर व्यक्ति बहुत निराश हुआ और कहा कि हे भगवान, ये कैसा इंसाफ है, जो सच्चा है वो झूठा बन गया है और जो झूठा है वो सच्चा बन गया है। ये कहते है कि फिर इसके बाद आकाशवाणी हुई कि 'हे मूर्ख आज बुधवार है और इस दिन गमन नहीं करते हैं। तूने किसी की बात नहीं मानी और इस दिन पत्नी को ले आया।' ये बात सुनकर उसे समझ में आया की उसने गलती कर दी। इसके बाद उसने बुधदेव से प्रार्थना की कि उसे क्षमा कर दे।

इसके बाद दोनों पति-पत्नि नियमानुसार भगवान बुध की पूजा करने लग गए। ज्योतिषियों के मुताबिक जो व्यक्ति इस कथा को याद रखता उसे बुधवार को किसी यात्रा का दोष नहीं लगता है और उसे सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है। बुधवार के दिन अगर कोई व्यक्ति किसी नए काम की शुरुआत करता है तो उसे भी शुभ माना जाता है।



रेत के अवैध परिवहन में लिप्त 10 ट्रेक्टर-ट्रॉली जब्त

शहर की सीमा पर स्थित तिराहा-चौराहों पर छापामार कार्रवाई कर पकड़ीं ट्रेक्टर-ट्रॉली



ग्वालियर / जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन व भण्डारण के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। साथ ही शहर की सीमा पर स्थित विभिन्न तिराहों-चौराहों पर रेत की ट्रॉली खड़ी करने की प्रवृत्ति पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। इस कड़ी में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर गुरुवार की सुबह लगभग 7 बजे अनुविभागीय दण्डाधिकारी झांसी रोड श्री अतुल सिंह के नेतृत्व में गई संयुक्त टीम ने विक्की फैक्ट्री तिराहा व हुरावली चौराहा सहित अन्य स्थानों पर छापामार कार्रवाई की। इस दौरान रेत से भरे 10 ट्रेक्टर-ट्रॉली जब्त किए गए।

प्रभारी खनिज अधिकारी श्री घनश्याम यादव ने बताया कि अवैध व ओवरलोड रेत से भरे 7 ट्रेक्टर-ट्रॉली झांसी रोड थाना क्षेत्र में जब्त की गई हैं। इसी तरह तीन ट्रेक्टर ट्रॉली सिरोल थाना क्षेत्र के अंतर्गत जब्त की गई हैं। इन ट्रेक्टर-ट्रॉलियों को संबंधित पुलिस थाना की अभिरक्षा में भेजा गया है। साथ ही इस अवैध कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ खनिज अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

कार्रवाई के लिये गई टीम में एसडीएम झांसी रोड श्री अतुल सिंह व तहसीलदार श्री कुलदीप दुबे सहित अन्य राजस्व अधिकारी, प्रभारी खनिज अधिकारी श्री घनश्याम यादव व पुलिस के अधिकारी-कर्मचारी शामिल थे।

सफलता की कहानी

कपिल सोनी के हुनर को सही दिशा दी प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम ने कपिल अब बना रहे हैं बेहतरीन डिजाइन के आभूषण



सराफा बाजार में दुकान स्थापित कर पाँच अन्य लोगों को दे रहे हैं रोजगार

ग्वालियर / व्यक्ति में हुनर हो तो सफलता उसे अवश्य मिलती है। ग्वालियर के युवा श्री कपिल सोनी ने अपने हुनर की बदौलत ही अपने व्यवसाय को स्थापित कर समाज में न केवल अपना नाम कमाया बल्कि अपने परिवार आर्थिक रूप से सक्षम बनाने में भी कामयाबी हासिल की है। कपिल सोनी का यह सपना प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम से साकार हो सका है। उद्योग विभाग के अधिकारियों द्वारा यह प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की जानकारी दी और उसे आर्थिक मदद के प्रावधानों के बारे में बताया। इससे कपिल ने योजना के तहत 10 लाख रुपए का ऋण लेने हेतु आवेदन किया।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया जीवाजी यूनिवर्सिटी ग्वालियर ब्रांच से 10 लाख रुपए का ऋण स्वीकृत हुआ। कपिल ने सराफा बाजार में सोने-चांदी के आभूषण तैयार करने का कार्य प्रारंभ किया। अपने हुनर की बदौलत उसके व्यवसाय में ब?ोत्तरी हुई और देखते ही देखते उसका जीवन बेहतर हो गया।

कपिल ने ज्वैलरी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित की और बेहतरीन डिजाइन, समय पर डिलेवरी और ग्राहकों का विश्वास जीतकर शीघ्र ही स्थानीय बाजार में अपनी अलग पहचान बना ली। कपिल अब लगभग 12 लाख रुपए प्रति साल का कारोबार कर रहे हैं। इसके साथ ही अपने साथ पाँच स्थानीय लोगों को भी प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मुहैया करा रहे हैं। कपिल का मानना है कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के माध्यम से उसका सपना पूरा हो सका है। योजना के सहयोग से ही उसे समाज में अपना मुकाम बनाने का मौका मिला है। उसका मानना है कि युवा अगर चाहें तो शासन की योजनाओं के माध्यम से अपना स्वयं का रोजगार स्थापित कर अपना और अपने परिवार का जीवन स्तर बेहतर बना सकते हैं।

कपिल सोनी का कहना है कि उद्योग विभाग के अधिकारियों के माध्यम से योजना के तहत उसका ऋण आवेदन तैयार कराने और बैंक से ऋण दिलाने में जो सहयोग किया है उसी के कारण वह अपना व्यवसाय स्थापित कर पाए हैं। उद्योग केन्द्र के माध्यम से युवाओं को निःशुल्क स्वरोजगार का मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है। कपिल और उसका परिवार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए युवाओं से भी आग्रह करते हैं कि वे स्वयं का रोजगार स्थापित करें।

वीबी जी राम जी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को किया प्रशिक्षित

विकसित भारत-2047 के लक्ष्य के अनुरूप विकसित ग्राम पंचायत बनाने के लिये बनेगी कार्ययोजना

बेहतर क्रियान्वयन के लिये कार्ययोजना बनाने की बारीकियां सिखाई गईं



ग्वालियर, / विकसित भारत (डूक्त ऋरूल) योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और ग्राम पंचायतों में बेहतर कार्ययोजना तैयार करने के उद्देश्य से गुरुवार को जिला पंचायत में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें जिले की चारों जनपद पंचायतों के अतिरिक्त कार्यपालन अधिकारी, सहायक यंत्री, सहायक लेखा अधिकारी एवं उप यंत्रियों को योजना के विभिन्न प्रावधानों और प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सोजान सिंह रावत ने प्रशिक्षण के दौरान कहा कि प्रत्येक ग्राम को एक इकाई मानकर उसकी स्थानीय आवश्यकताओं, उपलब्ध संसाधनों और आजीविका के साधनों का आकलन किया जाए। ग्राम सभा के सहयोग से ऐसी कार्ययोजना तैयार की जाए, जो विकसित भारत-2047 के लक्ष्य के अनुरूप विकसित ग्राम पंचायत के निर्माण में सहायक बने।

प्रशिक्षण में योजना के 10 मॉड्यूल पर विस्तार से जानकारी दी गई। इनमें अधिनियम के प्रावधान, एमआईएस, लेखा व्यवस्था, तकनीकी एवं प्रशासनिक स्वीकृति, तकनीकी मापदंड, निगरानी, पारदर्शिता, तकनीक का उपयोग, मजदूरी दर तथा कार्यों के क्रियान्वयन से जुड़े विषय शामिल रहे।

मास्टर ट्रेनर्स ने कार्यों की मांग, जॉब कार्ड निर्माण, श्रमिकों की उपस्थिति, कार्यों की स्वीकृति, भुगतान व्यवस्था और मॉनिटरिंग की प्रक्रिया को उदाहरणों के साथ समझाया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया।

प्रशिक्षण में परियोजना अधिकारी श्री वेद व्रत व्यास, लेखा अधिकारी श्री दीपक शर्मा, सीनियर डाटा मैनेजर सुश्री अंजली शर्मा सहित जिला एवं जनपद पंचायतों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

वार्ड 51 में समझाया बल्क वेस्ट जनरेटर को स्वच्छता का महत्व



ग्वालियर-वार्ड क्रमांक 51 स्थित गेटेड सोसायटी , श्रीराम, झूलेलाल अपार्टमेंट बल्क वेस्ट जनरेटर में आम जनों से बात कर उन्हें स्वच्छता का महत्व समझाया।

नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के निर्देशानुसार स्वच्छता अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान चलाया जा रहा है। गेटेड सोसायटी , श्रीराम, झूलेलाल अपार्टमेंट (बल्क वेस्ट जनरेटर) में आम जनों को बताया गया कि के लिए सभी बुनियादी नियमों का पालन करना जरूरी है। इसके तहत, साइट पर ही बायोडिग्रेडेबल (गीले) कचरे की खाद बनानी होगी, और नॉन-बायोडिग्रेडेबल (सूखे) कचरे को आगे की प्रोसेसिंग या रीसाइक्लिंग के लिए नगर पालिका या संबंधित अथॉरिटी को भेजना होगा।

स्वच्छता अपनाओ, बीमारी भगाओ कार्यक्रम के तहत लोगों को अलग-अलग तरह के डिब्बों (बिन) में रखने पर जोर दिया गया।

स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग की सेवाओं के क्रियान्वन में लापरवाही पाए जाने पर कलेक्टर ने दिए कार्रवाई के निर्देश

स्वास्थ्य सुविधाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी

कलेक्टर ने महिला बाल विकास एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश





ग्वालियर / स्वास्थ्य सेवाओं एवं पोषण कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। कार्य में लापरवाही पाए जाने पर कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए हैं। कुपोषण, एनीमिया और डेंगू नियंत्रण की विस्तार से समीक्षा की गई है।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की अध्यक्षता में स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ पोषण सेवाओं की समीक्षा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एम एस सगर, कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती उपासना राय सहित स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने शासकीय कार्य में लापरवाही बरतने पर चार अधिकारियों का वेतन काटने एवं एक को सेवा से पृथक करने के निर्देश भी दिए हैं। उन्होंने कहा है कि स्वास्थ्य सेवाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने हाईरिस्क गर्भवती माताओं के शतप्रतिशत पंजीयन पर जोर देते हुए कहा है कि सभी एचआरपी महिलाओं की जानकारी पोर्टल पर समय पर दर्ज की जाए। जिन महिलाओं की समग्र आईडी नहीं बनी है उनकी आईडी ब्लॉक मेडीकल ऑफीसर एवं महिला बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी संयुक्त रूप से बनवाने का कार्य करें। जिले में किसी भी गर्भवती माताओं का पंजीयन छूटना नहीं चाहिए। महिला एवं बाल विकास विभाग व स्वास्थ्य विभाग के आंक?ों में अंतर नहीं होना चाहिए।

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कहा है कि गर्भवती माताओं को प्रसव संभावित तिथि से सात दिन पहले अस्पताल में भर्ती कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। आवश्यकता प?ने पर रेडक्रॉस के माध्यम से परिवहन सुविधा भी उपलब्ध कराई जा सकती है। उन्होंने डबरा एवं भितरवार क्षेत्र में अस्पतालों में स्थान की कमी होने पर एसडीएम के माध्यम से वैकल्पिक व्यवस्था कराने के निर्देश भी दिए हैं।

समीक्षा बैठक के दौरान एनीमिया नियंत्रण कार्यक्रम के संबंध में निर्देश दिए गए कि गंभीर एनीमिया से प्रभावित गर्भवती माताओं की जानकारी शतप्रतिशत पोर्टल पर दर्ज की जाए। मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिये अधिकारी गंभीरता से कार्य करें। अधिक बच्चों को रेफर करने पर बिरला नगर अस्पताल के प्रभारी अधिकारी को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने डेंगू की रोकथाम की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए हैं कि गत वर्षों में जिन स्थानों पर अधिक मरीज चिन्हित हुए हैं उन स्थानों पर विशेष ध्यान दिया जाए। नियमित सर्वे एवं फॉगिंग का कार्य भी कराया जाए। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने बैठक में लापरवाही पाए जाने पर शहरी स्वास्थ्य संस्था के प्रभारी चिकित्सक का सात दिन का वेतन काटने, संतोष जनक जवाब प्रस्तुत न करने पर एपीएन को सेवा से पृथक करने का नोटिस, दस्तक अभियान में लापरवाही पाए जाने पर परियोजना अधिकारी डबरा श्री अतिराज सेंगर का सात दिन का वेतन एवं परियोजना अधिकारी शहरी क्रमांक-4 का श्रीमती दीपिका रावत का तीन दिन का वेतन एवं परियोजना अधिकारी श्री ज्ञानेन्द्र शर्मा का सात दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए हैं कि पोषण ट्रैक एप्लीकेशन पर जो बच्चे प्रत्येक माह वजन लेने के बाद कुपोषित पाए जाते हैं उनका मुख्यमंत्री बाल संवर्धन कार्यक्रम के तहत शतप्रतिशत पंजीयन कराया जाए। इसके साथ ही आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने के लिये स्वास्थ्य विभाग को भी निर्देशित किया गया।

बैठक में गर्भवती माताओं के पंजीयन की समीक्षा के दौरान स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के मैदानी अमले को एक साथ बैठकर पंजीयन कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एम एस सगर ने स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं के संबंध में जानकारी दी। इसके साथ ही कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती उपासना राय ने विभागीय योजनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रस्तुत की।

बारिश के कारण सड़कों पर एकत्र होने वाले निराश्रित पशुओं को शिफ्ट करें अंतरविभागीय समन्वय बैठक में कलेक्टर रुचिका चौहान ने दिए निर्देश वीबी जी राम जी योजना के तहत पंचायतों की मदद से सड़कों के नजदीक शेड

श्रमिकों के पंजीयन के प्रति उदासीन अधिकारियों के खिलाफ होगी कार्रवाई

ग्वालियर/ जिले से होकर गुजर रहे राष्ट्रीय एवं राज्य मार्गों पर बारिश की वजह से एकत्र होने वाले निराश्रित पशुओं को अभियान बतौर दूसरी जगह शिफ्ट करें, जिससे स?क दुर्घटनाओं को रोका जा सके। निराश्रित पशुओं को शिफ्ट करने के लिये स?क मार्ग से कम से कम 50 से 100 मीटर दूर शेड बनवाए जाएं। यह शेड स?क मार्गों के किनारे बसीं ग्राम पंचायतों के अंतर्गत वीबी जी राम जी सहित अन्य योजनाओं के संयोजन से बनवाए जा सकते हैं। इस आशय के निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने अंतरविभागीय समन्वय बैठक में नेशनल हाईवे, स्टेट हाईवे, पीएमजीएसवाय एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से निराश्रित पशुओं को शिफ्ट करने की नियमित रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए हैं।

गुरुवार को कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत श्रमिकों का अभियान बतौर पंजीयन करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा स्व-सहायता समूहों से जु?ीं महिलायें एवं ब?-ब? निर्माण कार्यों में संलग्न श्रमिकों का पंजीयन कराया जाए। कोई भी पात्र श्रमिक पंजीयन से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने अभी तक की प्रगति पर नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को आगाह किया कि आगे प्रगति ठीक नहीं हुई तो उनके



खिलाफ कार्रवाई की जायेगी।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत, एडीएम श्री सी बी प्रसाद व अपर कलेक्टर श्री अनिल बनवारिया सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

गणेश प्रतिमा बनाने वाले शिल्पियों की बैठक लेकर बताएं ज्यादा ऊँचीं प्रतिमा न बनाएं -कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने आगामी गणेश उत्सव को ध्यान में रखकर जिले के सभी एसडीएम को पुलिस के साथ समन्वय बनाकर गणेश प्रतिमा बनाने वाले शिल्पियों एवं प्रतिमा स्थापित करने वाली समितियों की बैठक लेने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन बैठकों के माध्यम से उन्हें समझाएं कि निर्धारित ऊंचाई से ज्यादा ऊँची प्रतिमा न बनाएं, जिससे स्थापना व विसर्जन के लिये प्रतिमा ले जाते समय



कठिनाई न आए। कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए कि प्रतिमा बनाने वाले शिल्पियों को एनजीटी के निर्देशों की जानकारी उपलब्ध कराएं। साथ ही उन्हें साफ तौर पर बता दें कि पीओपी की प्रतिमाएं न बनाएं। उन्होंने कहा जिलेवासियों को मिट्टी की प्रतिमा स्थापित करने के लिये जागरूक करें।

जिले भर में अभियान बतौर करें स्कूली वाहनों की जाँच -कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने स्कूली बसों की अभियान बतौर जाँच करने पर बैठक में विशेष जोर दिया। उन्होंने क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी व जिले के सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि एलपीजी से चलने वाले वाहनों का उपयोग स्कूली बच्चों के परिवहन में कदापि न होने दें। ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इसी तरह ऑटो में क्षमता से अधिक बच्चे कदापि न बैठाने दें। उन्होंने स्कूली वाहनों में सुरक्षा मानकों की बारीकी से जांच कर बच्चों के लिये सुरक्षित आवागमन सुविधा मुकम्मल करने के निर्देश दिए।

जिला स्तरीय रोजगार मेला की तैयारियों की भी हुई समीक्षा

जिले में अगस्त माह के दूसरे पखवाड़े में जिला स्तरीय वृहद रोजगार मेला सह युवा संगम प्रस्तावित है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने उद्योग विभाग सहित सभी विभागों से समन्वय बनाकर रोजगार मेले के लिये कंपनियों से चर्चा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा मेले में अधिक से अधिक कंपनियां बुलाई जाएं। साथ ही मेले का व्यापक प्रचार-प्रसार भी करें, जिससे अधिकाधिक युवाओं को प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप नौकरी व रोजगार मिल सके।

यह भी निर्देश दिए

ज़रूरतमंद किसानों को कृषि यंत्र उपलब्ध कराने के लिये कस्टम हायर सेंटर का प्रचार-प्रसार करें।

सार्थक एप पर कृषि व उससे जु? विभागों के सभी अधिकारी-कर्मचारी अनिवार्यतः उपस्थिति व ऑन बोर्डिंग स्थिति दर्ज करें।

केपीआई (की पर्फोमेंस इंडीकेटर) के आधार पर की योजनाओं की समीक्षा। कम प्रगति वाले विभागों के अधिकारियों को क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिये किया आगाह।

सीएम हैल्पलाइन की वर्तमान प्रगति पर जताया संतोष और अच्छा प्रदर्शन न करने वाले अधिकारियों को दी चेतावनी।

शिक्षा जागरूकता अभियान के अंतर्गत संस्कार संरक्षण समिति ने विद्यार्थियों को वितरित किए स्कूल बैग



सिद्धि सरकार ब्यूरो अंसारहुसैन

झांसी, संस्कार संरक्षण समिति (रजि.), झांसी द्वारा संचालित ÷शिक्षा जागरूकता अभियान÷ के अंतर्गत आज प्राथमिक कंपोजिट विद्यालय, सैयंर गेट, नगर क्षेत्र झांसी में विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्कूल बैग वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष सुशील जांगड़े ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही जीवन की सबसे बड़ी शक्ति है। प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो अर कोई भी बच्चा संसाधनों के अभाव में अपनी पढ़ाई से वंचित न रहे, यही समिति का संकल्प है।

इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों को स्कूल बैग वितरित किए गए तथा उन्हें नियमित रूप से विद्यालय आने, मन लगाकर अध्ययन करने और अपने उज्ज्वल भविष्य के निर्माण हेतु प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाध्यापक, समस्त शिक्षकगण एवं विद्यालय स्टाफ की गरिमामयी उपस्थिति रही। विद्यालय परिवार ने संस्कार संरक्षण समिति द्वारा संचालित इस शिक्षा जागरूकता अभियान की सराहना करते हुए इसे बच्चों के हित में एक प्रेरणादायी पहल बताया..

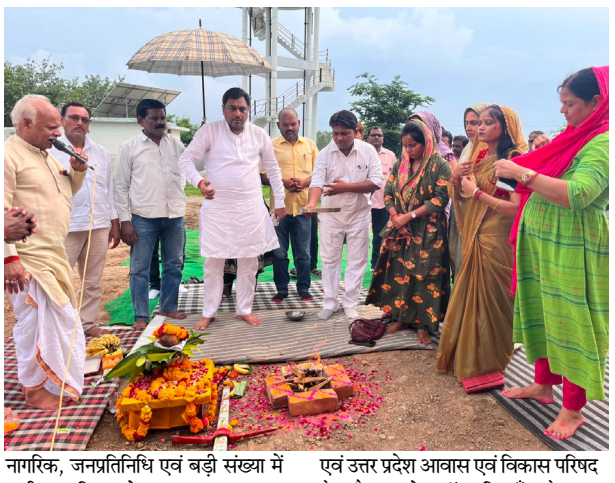
कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका नजमी शमी, चंदन असोलिया, मोहन खस, देवेन्द्र वर्मा, रजनी गुप्ता, अनिल कुमार, नैन्सी ओझा, कांति राय, शिवाकांत मिश्रा, रितिका शर्मा, तरुण राय आदि उपस्थित रहे7

विधायक राजीव सिंह पारीछा ने 305 लाख रुपये की विकास परियोजनाओं का किया भूमि पूजन

सिद्धि सरकार ब्यूरो अंसारहुसैन

झाँसी, बबीना विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक राजीव सिंह %पारीछा% ने गुरुवार को जनपद झाँसी के विकास को नई गति प्रदान करते हुए कुल 305 लाख रुपये की लागत की दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं का विधिवत भूमि पूजन किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री मा. योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण विकास, धार्मिक स्थलों के संरक्षण एवं सामाजिक अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 में बुन्देलखण्ड विकास निधि (राज्यांश) के अंतर्गत ब्लॉक चिरगाँव के ग्राम चिरगाँव देहात में ओपारा रोड स्थित पानी की टंकी के पास कुशवाहा समाज के लिए 164 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले सामुदायिक भवन का भूमि पूजन विधायक राजीव सिंह %पारीछा% ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ किया।



इस अवसर पर राजकान्तेश वर्मा (ब्लॉक प्रमुख, चिरगाँव), बिरजू कुशवाहा (मंडल अध्यक्ष, चिरगाँव), श्रीमती पूनम देवी (प्रधान प्रतिनिधि, ग्राम पंचायत चिरगाँव देहात) सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

विधायक पारीछा ने कहा कि इस सामुदायिक भवन के निर्माण से कुशवाहा समाज को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयोजनों के लिए एक आधुनिक एवं सुसज्जित स्थान उपलब्ध होगा, जिससे सामाजिक एकता और सहभागिता को और अधिक बल मिलेगा। इसके उपरांत विधायक राजीव सिंह %पारीछा% ने उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग एवं उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद के सौजन्य से ब्लॉक चिरगाँव के ग्राम सिमरथरी-छिरौना के मध्य स्थित ÷डांग के हनुमान जी÷ मंदिर के 141 लाख रुपये की लागत से होने वाले सौंदर्यीकरण कार्य का विधिवत भूमि पूजन किया।

इस अवसर पर कुं. राघवेन्द्र सिंह जू देव ÷संजले राजा÷ (अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद, चिरगाँव), राजकान्तेश वर्मा (ब्लॉक प्रमुख, चिरगाँव), अरविन्द राजपूत (जिला महामंत्री, भारतीय जनता पार्टी), धर्मेन्द्र शर्मा (क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी), उमानाथ शुक्ला (अधिशासी अभियंता, उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद), बिरजू कुशवाहा (मंडल अध्यक्ष, चिरगाँव), जितेन्द्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, श्रद्धालु एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विधायक पारीछा ने कहा कि डांग के हनुमान जी मंदिर क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है। मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण एवं आधारभूत सुविधाओं के विकास से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएँ प्राप्त होंगी तथा धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे क्षेत्र के आर्थिक एवं सामाजिक विकास को भी नई गति मिलेगी।

दोनों कार्यक्रमों में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्रवासियों ने विधायक राजीव सिंह %पारीछा% का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए क्षेत्र में निरंतर हो रहे विकास कार्यों के लिए उनका आभार व्यक्त किया। विधायक श्री पारीछा ने कहा कि बबीना विधानसभा के प्रत्येक गाँव के समग्र विकास के लिए वे पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं तथा जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बुंदेलखंड डिग्री कॉलेज विधि प्रथम बर्ष में पहले आओ पहले पाओ के आधार पर प्रवेश



सिद्धि सरकार ब्यूरो अंसार हुसैन

झांसी 7बुंदेलखंड डिग्री कॉलेज प्रचार एसके राय ने अवगत कराया कि विधि प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले वे समस्त अभ्यर्थी जिन्होंने बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की थी और उन्हें बुन्देलखण्ड महाविद्यालय आवंटित नहीं हो पाया था वे समस्त अभ्यर्थी दिनांक 25 जुलाई 2026 तक दोपहर 02ः00 बजे तक अपना आवंटन पत्र, रैंक प्रमाण पत्र एवं प्रवेश पत्र विधि विभाग, बुन्देलखण्ड कॉलेज, झाँसी में अनिवार्य रूप से जमा कर दें। रिक्त सीटों पर प्रवेश दिनांक 27 जुलाई 2026 दिन-सोमवार को प्रातः 10ः00 बजे काउंसलिंग के उपरांत मेरिट एवं आरक्षण के नियमानुसार दिया जायेगा। दिनांक 27 जुलाई 2026 को अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थियों का प्रवेश का अधिकार स्वतः समाप्त माना जायेगा। इसके उपरांत यदि सीटें शेष बचती हैं तो विश्वविद्यालय के द्वारा निर्गत आदेश के अनुसार ''पहले आओ पहले पाओ'' के आधार पर दिनांक 28 जुलाई 2026 को प्रवेश दिया जायेगा।

मंडल प्रमुख की तानाशाही के ख़िलाफ़ पी एन बी के कर्मचारियों का आन्दोलन लगातार दूसरे दिन भी जारी.....

सिद्धि सरकार
ब्यूरो अनसारहुसैन

झांसी आज लगातार दूसरे दिन भी पीएनबी के कर्मचारियों द्वारा कानपुर रोड स्थित मंडल कार्यालय झाँसी के समक्ष पी.एन.बी. प्रोग्रेसिव एम्प्लाइज एसोसिएशन के बैनर तले मण्डल प्रमुख झाँसी के मनमाने रवैये ख़िलाफ़ विरोध प्रदर्शन किया गया 7 संचालन कर रहे प्रदेश सहायक महामंत्री विनय कृष्ण यादव ने बताया कि किस तरह मंडल प्रमुख केशर लाल बैरवा साथियों को डरा धमका कर पूरे बैंक का माहौल खराब कर रहे हैं जबकि उनकी यूनियन न केवल मंडल में 90 प्रतिशत से ज्यादा सदस्यता वाला बहुमत संगठन है, बल्कि उनकी यूनियन बैंकिंग इंडस्ट्री के लायन कहे जाने वाले और आल इण्डिया फेडरेशन के महामंत्री कॉम पी आर मेहता के नेतृत्व में प्रधान कार्यालय स्तर पर प्रबंधन के साथ सारी सेवा शर्तों के



समझौते करती है। उन्होंने बताया कि ऐसी एक घटना 8 जुलाई को साथी विशाल वर्मा के साथ हुई जिनको मंडल प्रमुख द्वारा धमकाया गया जिस कारण उन्हें उसी रात में घबराहट के कारण इमरजेंसी वार्ड मेडिकल कॉलेज उरई में ले जाया गया था जो कि अभी तक अस्वस्थ चल रहे हैं। चैयरमैन और वरिष्ठ साथी प्रताप सिंह ने कहा कि प्रबंधन के कर्मचारियों के प्रति तानाशाही रवैये से मंडल में औधोगिक अशांति है। अध्यक्ष और प्रांतीय संरक्षक कॉम आर पी गुप्ता ने बताया कि मंडल प्रमुख कल प्रदर्शन से डरकर जानबूझ कर ललितपुर भाग गए थे और उन्होंने दुहराया कि अगर यूनियन के साथ समझौता नही किया गया तो ये आन्दोलन आगे धरना और हड़ताल का रूप लेगा 7 कई साथियों ने वहां अपने विचार व्यक्त किए जो कि मंडल प्रमुख कर्मचारी विरोधी नीतियों को लेकर बहुत आक्रोश में थे, ख़ासकर नए महिला साथियों की दूरस्थ और जटिल स्थानों पर पदस्थापना को लेकर 7 सभा को पदाधिकारियों- अमित बबेले, नेहा श्रीवास्तव, जावेद खान, अनूप सूरी, सिद्धांत दुबे, सैयद अरमान आलम, अनुराग तिवारी, रूद्र प्रताप, के सी रामपुरिया, अवधेश शर्मा, शैलेन्द्र यादव, मुकेश साहू, रंजीत कुमार आदि ने संबोधित किया 7 इस अवसर पर अनुकृति, प्रभात बोराते, सुनील, अनिल, कीर्ति साहू, श्रद्धा साहू, सरोज, फरहीन, नीरज, निखलेश, मयंक तिवारी, राहुल तिवारी,, प्रिंस, विजय शर्मा, आशीष, संजय भारती, सादिक, अक्षय प्रताप, रतन, योगेश, वीरेंद्र, दीपक, प्रीती, अनिल साहू, के पी सिंह, दिनेश कुमार, पवन परिहार, विकास, सौरभ, सरजीत, सोनाली, नरेश आदि उपस्थित रहे ।

यूनिवर्सिटी तोड़ने के विरोध में चलाया हस्ताक्षर अभियान



सिद्धि सरकार
ब्यूरो अनसारहुसैन

झांसी बुन्देलखण्ड कॉलेज झाँसी के बाहर गेट पर समाजवादी छात्र सभा के जिला अध्यक्ष अयान अली हाशमी के नेतृत्व में मोहमद जौहर अली विश्वविद्यालय को तोड़ने के आदेश के विरोध में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया कॉलेज में छात्र-छात्राओं का खूब समर्थन मिल रहा है स्वेच्छा से छात्र छात्रायें अभियान में बड़ चड़ाक समर्थन देकर हस्ताक्षर कर रहे हैं

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय न टूटे और हज़ारों छात्र छात्राओं का भविष्य बच सके भाजपा सरकार ने एक भी विश्वविद्यालय नहीं बनाया बस इनको विश्वविद्यालय तोड़ना और लोगों का भविष्य तोड़ना है नफरत फैलाना है। विश्वविद्यालय में बच्चे पढ़ते हैं बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करना ठीक नहीं है यदि विश्वविद्यालय टूट गया तो बच्चे कहा पढ़ेंगे। इस मौके पर हेमन्त यादव प्रदेश सचिव सुबोध कान्त अहिरवार सुमित कश्यप विकास यादव शिवम यादव आदिल खान रिषभ सक्सेना आदी उपस्थित रहे,,

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में परास्नातक नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित

सिद्धि सरकार
ब्यूरो अनसारहुसैन

अर्थशास्त्र एक दर्शन है, वाणिज्य एक गतिविधि है और प्रबंधन एक रणनीति है÷ प्रोफेसर बाजपेयी



झाँसी। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के बैंकिंग, अर्थशास्त्र एवं वित्त विभाग में परास्नातक प्रथम वर्ष के नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, अर्थशास्त्र, वाणिज्य एवं प्रबंधन के विभिन्न आयामों से परिचित कराते हुए उनके शैक्षणिक एवं व्यावसायिक विकास की दिशा निर्धारित करना रहा।कार्यक्रम में प्रख्यात अर्थशास्त्री एवं शिक्षाविद् प्रोफेसर ए.डी.एन. बाजपेयी का विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। प्रोफेसर बाजपेयी का अर्थशास्त्र के क्षेत्र में समृद्ध अकादमिक अनुभव रहा है तथा वे देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में कुलपति के रूप में भी अपनी सेवाएँ दे चुके हैं।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। बैंकिंग, अर्थशास्त्र एवं वित्त विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शम्भू नाथ सिंह की उपस्थिति में कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रोफेसर ए.डी.एन. बाजपेयी द्वारा एक पौधा रोपित किया गया। यह पौधा एमबीए के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए एक स्मृति एवं उनके विश्वविद्यालय जीवन की स्थायी पहचान के रूप में विकसित किया जाएगा।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो मुकेश पांडेय ने विभाग को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने प्रोफेसर ए.डी.एन. बाजपेयी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने विद्यार्थियों, युवाओं एवं देश के भावी नेतृत्व के लिए अपना बहुमूल्य समय प्रदान किया और अपने अनुभवों एवं ज्ञान से विद्यार्थियों को लाभान्वित किया।

कार्यक्रम में प्रोफेसर सी.वी. सिंह, डॉ. अतुल गोयल, डॉ. ईरा तिवारी, डॉ. ज्योति कुमारी मिश्रा, डॉ. शिल्पा मिश्रा, डॉ. राधिका चौधरी, डॉ. फुरकान मलिक, डॉ. संदीप अग्रवाल सहित विभाग के शिक्षकगण एवं परास्नातक के नवप्रवेशित छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को शिक्षा, अर्थशास्त्र, वाणिज्य एवं प्रबंधन के व्यापक दृष्टिकोण से परिचित कराने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी जिम्मेदारी का भी संदेश दिया।

पूज्य सेंट्रल सिंधी पंचायत एवं झूलेलाल सिंधी सेवा मंडल के तत्वावधान में 40 दिवसीय चालीहा व्रत महोत्सव का भव्य शुभारंभ

सिद्धि सरकार ब्यूरो अंसारहुसैन

झांसी। पूज्य सेंट्रल सिंधी पंचायत एवं झूलेलाल सिंधी सेवा मंडल के संयुक्त तत्वावधान में पूज्य सेंट्रल सिंधी पंचायत भवन, रानी महल (सिंधी गुरुद्वारा) में सिंधी समाज की आस्था, श्रद्धा एवं धार्मिक परंपराओं के प्रतीक 40 दिवसीय चालीहा व्रत महोत्सव का श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ शुभारंभ किया गया। महोत्सव के प्रथम दिवस बड़ी संख्या में समाज के श्रद्धालुजन उपस्थित रहे तथा संपूर्ण वातावरण भगवान झूलेलाल जी के जयघोष एवं भजनों से भक्तिमय हो उठा।

समाज के पुरोहित पंडित कपिल शर्मा ने विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सर्वप्रथम दिनेश कोडवानी एवं हर्षा कोडवानी से पूजन-अर्चन एवं कलश स्थापना कराकर महोत्सव का शुभारंभ कराया। इसके उपरांत रक्षा सूत्र बांधकर रोहित अशवानी, गुरप्रीत अशवानी, सिमरन बचवानी, अनु हीरवानी एवं श्वेता सिंघवानी ने पूरे विधि-विधान से 40 दिवसीय चालीहा व्रत का संकल्प लिया। श्रद्धालुओं ने भगवान झूलेलाल से समाज की सुख-समृद्धि, शांति, उत्तम स्वास्थ्य एवं विश्व कल्याण की कामना की।

इस अवसर पर पंडित कपिल शर्मा द्वारा 40 दिवसीय सहज पाठ श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का शुभारंभ कराया गया। साथ ही सिंधी समाज की धार्मिक परंपरा के अनुसार भगवान झूलेलाल जी की अखंड ज्योति स्थापित की गई, जो पूरे चालीहा महोत्सव के दौरान निरंतर प्रज्ज्वलित रहेगी। तत्पश्चात भगवान झूलेलाल जी की विधिवत आरती, पल्लव एवं अरदास संपन्न हुई, जिसमें उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई और भगवान झूलेलाल से सभी के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि की प्रार्थना की।



अध्यक्ष हरीश हासानी, झूलेलाल सिंधी सेवा मंडल के अध्यक्ष आकाश खियानी, राम आहूजा, चंद्र प्रकाश नैनवानी, वासुदेव वाधवा, जय किशन फब्यानी, नितेश रंगलानी, अजय कुकरेजा, कलतार भंभानी, संजय सिंघवानी, रवि खेमचंदानी, पद्मा आहूजा, सुमन दलवानी, बेबी पारी, पार्वती सिंघवानी, कविता सिंघवानी, मुस्कान सिंघवानी, नीलू गोदवानी, वर्षा होतवानी सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक, महिलाएं एवं युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि चालीहा व्रत सिंधी समाज की आस्था, तपस्या एवं भगवान झूलेलाल के प्रति अटूट श्रद्धा का प्रतीक है। यह 40 दिवसीय अनुष्ठान समाज में धार्मिक चेतना, सेवा, संस्कार, एकता एवं भाईचारे की भावना को सुदृढ़ करता है। उन्होंने समाज के सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में प्रतिदिन आयोजित होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों, आरती, पल्लव, सहज पाठ एवं अन्य आयोजनों में सहभागिता करने का आह्वान किया।

रास्ता बंद होने से 300 बीघा खेती प्रभावित,किसानों ने राज्यपाल से लगाई गुहार



सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान

बाँदा।ग्राम मवई बुजुर्ग के किसानों ने बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे एवं बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की बाउंड्री के कारण खेतों तक पहुंच का रास्ता बंद होने का आरोप लगाते हुए महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर समस्या के समाधान की मांग की है।किसानों का कहना है कि गांव की लगभग 300 बीघा निजी कृषि भूमि के एक ओर बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का फ्लाईओवर है,जबकि दूसरी ओर विश्व विद्यालय की बाउंड्री वाल बना दी गई है।इससे खेतों तक पहुंचने का पारंपरिक मार्ग पूरी तरह बंद हो गया है और किसानों को खेती बाड़ी करने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने आम रास्ते को अपनी भूमि बताते हुए वहां बाउंड्री का निर्माण करा दिया,जिससे किसानों का आवागमन बाधित हो गया।इसके कारण बुआई,सिंचाई,फसल की देखरेख और कटाई जैसे कृषि कार्य प्रभावित हो रहे हैं।किसानों ने मांग की है कि बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के दूसरी ओर चाहितारा मोड़ से चिल्ला रोड तक लगभग एक किलोमीटर लंबा पक्का संपर्क मार्ग बनवाया जाए,ताकि वे आसानी से अपने खेतों तक पहुंच सकें।ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो उनकी आजीविका पर गंभीर असर पड़ेगा।ज्ञापन के साथ खतौनी की प्रतियां एवं स्थल के फोटोग्राफ भी संलग्न किए गए हैं।ज्ञापन देने वालों में संतोष कुमार सविता,रामजी त्रिवेदी,आशीष कुमार,रामबरन यादव,छत्रपाल सविता, श्रीराम सहित ग्राम मवई बुजुर्ग के अनेक किसान एवं ग्रामीण शामिल रहे।

लगातार बारिश से केन और यमुना नदी का जलस्तर बढ़ा,प्रशासन सतर्क

सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान



बाँदा।जनपद में लगातार हो रही बारिश के चलते केन एवं यमुना नदी के जलस्तर में धीरे-धीरे वृद्धि दर्ज की जा रही है।हालांकि दोनों नदियां अभी खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं। जिला प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और संबंधित अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।बुधवार दोपहर 12 बजे प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार केन नदी का जलस्तर 95.18 मीटर दर्ज किया गया,जो फिलहाल खतरे के निशान से काफी नीचे है।वहीं चिल्ला घाट पर यमुना नदी का जलस्तर 85.99 मीटर रिकॉर्ड किया गया है,जिसमें लगातार बढ़ोतरी हो रही है,लेकिन यह भी अभी खतरे के स्तर से काफी कम है।प्रशासन द्वारा नदी किनारे स्थित क्षेत्रों की लगातार निगरानी की जा रही है।बाढ़ चौकियों को अलर्ट मोड पर रखा गया है तथा जलस्तर में किसी भी अप्रत्याशित वृद्धि की स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।प्रशासन ने नदी किनारे रहने वाले लोगों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से नदी के किनारे न जाएं और किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देकर प्रशासन द्वारा जारी सूचनाओं का पालन करें।

अर्श ने ऑल इंडिया सीनियर बैडमिंटन में जीता कांस्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित

सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान



बाँदा।जनपद के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी मोहम्मद अर्श ने चेन्नई (तमिलनाडु) में आयोजित योनेक्स-सनराइज ऑल इंडिया सीनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट-2026 के पुरुष युगल वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया।प्रतियोगिता में देशभर के शीर्ष खिलाड़ियों के बीच उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उन्होंने सेमीफाइनल तक का सफर तय किया और बांदा तथा उत्तर प्रदेश का नाम रोशन किया।मोहम्मद अर्श की इस उपलब्धि पर खेल जगत और जनपद में खुशी का माहौल है।खिलाड़ियों,खेल प्रेमियों एवं विभिन्न खेल संगठनों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।बलखंडी नाका निवासी मोहम्मद अशफाक के पुत्र मोहम्मद अर्श ने सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर यह सफलता हासिल की है।उनके पिता फैशन टेलर का कार्य करते हैं।जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष सीरजध्वज सिंह,सचिव काजी जमीर अहमद ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष रामेंद्र शर्मा,महासचिव डॉ.इन्द्रवीर सिंह जादौन,मीडिया प्रभारी सुनील सक्सेना तथा वरिष्ठ बैडमिंटन खिलाड़ी एवं कोच प्रदीप कुमार ने अर्श की उपलब्धि को जिले के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक बताया।मोहम्मद अर्श का चयन 28 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक फिलीपींस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए भी हुआ है,जहाँ वह भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।राष्ट्रीय स्तर पर कांस्य पदक और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में चयन के साथ मोहम्मद अर्श ने भारतीय बैडमिंटन के उभरते खिलाड़ियों में अपनी मजबूत पहचान बनाई है।

महिला कबड्डी टीम के चयन ट्रायल 25 जुलाई को,खिलाड़ियों से समय पर पहुंचने की अपील



सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान

बाँदा।खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता के लिए जिला स्तरीय ओपन महिला कबड्डी चयन ट्रायल का आयोजन 25 जुलाई को शाम 3ः30 बजे जेएन कॉलेज कबड्डी मैदान में किया जाएगा।जिला कबड्डी एसोसिएशन के सचिव कमल यादव ने बताया कि जिला स्तर पर चयनित खिलाड़ी 29 जुलाई को चित्रकूट में होने वाले मंडलीय चयन ट्रायल में प्रतिभाग करेंगी।मंडलीय स्तर पर चयनित टीम 4 से 6 अगस्त तक आगरा स्थित एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी।उन्होंने जिले की सभी पात्र महिला खिलाड़ियों से निर्धारित समय पर ट्रायल स्थल पर पहुंचने की अपील की है।चयन प्रक्रिया में शामिल होने के लिए खिलाड़ियों को आधार कार्ड की मूल प्रति,उसकी एक छायाप्रति तथा दो पासपोर्ट आकार के फोटो साथ लाना अनिवार्य होगा।आवश्यक दस्तावेजों के अभाव में किसी भी खिलाड़ी को ट्रायल में शामिल नहीं किया जाएगा।जिला कबड्डी एसोसिएशन ने अधिक से अधिक महिला खिलाड़ियों से चयन ट्रायल में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का आह्वान किया है।

सेंट जॉर्ज क्रिकेट अकादमी के स्पेशल समर कैंप का समापन, खिलाड़ियों को किया सम्मानित

सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान



बाँदा।सेंट जॉर्ज क्रिकेट अकादमी में आयोजित स्पेशल समर क्रिकेट कैंप का समापन समारोह बुधवार को उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।इस अवसर पर कैंप में उत्कृष्ट प्रदर्शन और अनुशासितसहभागिता करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।समारोह में जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव वासिफ जमा खां,अध्यक्ष धनंजय करवरिया कोषाध्यक्ष मनोज मिश्रा,वरिष्ठ उपनिरीक्षक ओमप्रकाश सिंह ललित प्रताप स्पोर्ट्स फाउंडेशन के अध्यक्ष रामबली,सेंट जॉर्ज क्रिकेट अकादमी के चेयरमैन एवं सेंट जॉर्ज स्कूल के प्रधानाचार्य अल्बर्ट रसकिन,विद्यालय के प्रबंधक राघवेंद्र तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार सुनील सक्सेना,वरिष्ठ पत्रकार शिवकुमार %बड़कू भैया% तथा बैंक ऑफ महाराष्ट्र के शाखा प्रबंधक हिमांशु मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल में अनुशासन, समर्पण और निरंतर अभ्यास को सफलता का आधार बताया।स्पेशल समर कैंप में 24 खिलाड़ियों ने भाग लिया।इनमें विष्णु यश,सिद्धार्थ साहू,सिद्धांत, यश राजपूत,मनन गुप्ता,अथर्व सिंह,आरव,अव्यंश गुप्ता,ध्रुव सोनी,आदर्श खुराना अभिनय ठाकुर,प्रतीक्षा सिंह आयुष निषाद,अविरल गुप्ता,हर्षित राजपूत अभिकल्प,गर्वित यादव, रुद्र नामदेव,शुभांश गुप्ता,आदित्य तिवारी,निर्मलजीत सिंह,आर्यन दत्त ऋषभ देव और ऋषित त्रिपाठी शामिल रहे।मुख्य कोच ललित प्रताप ने बताया कि कैंप का उद्देश्य खिलाड़ियों को तकनीकी प्रशिक्षण देने के साथ उनके सर्वांगीण विकास पर कार्य करना था। प्रशिक्षण के दौरान आधुनिक क्रिकेट तकनीक,फिटनेस मानसिक मजबूती और संतुलित आहार के महत्व की जानकारी भी दी गई।कार्यक्रम में सहायक कोच सियोन माही,मनीष माधव,विवेक यादव और शुभम कुमार की सक्रिय भूमिका रही। बड़ी संख्या में अभिभावक एवं खेल प्रेमी भी समारोह में मौजूद रहे।अंत में ललित प्रताप स्पोर्ट्स फाउंडेशन के अध्यक्ष रामबली ने सभी अतिथियों अभिभावकों एवं खिलाड़ियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसे प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे।

कृषि विश्वविद्यालय में छह दिवसीय कृषक प्रशिक्षण शुरू,कृषि उद्यमिता और मूल्य संवर्धन पर जोर



सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान

बाँदा।बाँदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि अर्थशास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान (एनआईएफ-डीएसटी),भारत सरकार के सहयोग से छह दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन,ग्रामीण आजीविका में सुधार तथा कृषि आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देना है।कार्यक्रम में बांदा और चित्रकूट के किसान,एफपीओ तथा एनजीओ प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।उद्घाटन सत्र में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो.जी.एस.पंवार,निदेशक अनुसंधान प्रो. जगन्नाथ पाठक तथा निदेशक प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रो.बी.पी.मिश्रा ने किसानों से प्रशिक्षण में प्राप्त तकनीकों को अपनाकर स्वरोजगार और कृषि आधारित उद्योग स्थापित करने का आह्वान किया।नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन के वैज्ञानिक डॉ. नवनीत ने बताया कि प्रशिक्षण में छह प्रमुख नवाचार आधारित कृषि मशीनों का व्यावहारिक प्रदर्शन कराया जा रहा है।20 से 25 जुलाई तक चलने वाले इस प्रशिक्षण में यमुनानगर (हरियाणा) के खाद्य प्रसंस्करण विशेषज्ञ प्रिंस कम्भोज किसानों को खाद्य प्रसंस्करण का व्यावहारिक प्रशिक्षण दे रहे हैं।वहीं खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग के डॉ. प्रतीक शुक्ला,केवीके बांदा की डॉ. प्रज्ञा ओझा एवं डॉ.दीक्षा पटेल फल प्रसंस्करण और उत्पाद निर्माण की तकनीकों की जानकारी दे रहे हैं।कृषि अभियांत्रिकी विशेषज्ञ डॉ. शशांक शेखर और डॉ.गजेंद्र सिंह मशीनों के संचालन का प्रशिक्षण दे रहे हैं,जबकि डॉ.अमित यादव प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों को सुरक्षित रखने के उपाय बता रहे हैं।कुल भास्कर आश्रम पीजी कॉलेज, प्रयागराज के डॉ.पुनीत कुमार अग्रवाल किसानों को विपणन, आर्थिक मूल्यांकन और उद्यम विकास के बारे में जानकारी दे रहे हैं।प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को बहुउद्देशीय खाद्य प्रसंस्करण मशीन सहित छह नवाचार तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।इसके माध्यम से आम,संतरा,टमाटर,एलोवेरा पपीता आदि से जूस,जैम,सॉस,केचप जेल,हर्बल शैंपू,गुलाब जल और अन्य मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करना सिखाया जा रहा है।साथ ही सब्जी बीज निकालने की मशीन जैविक खाद बनाने की मशीन और उन्नत दाल मिल के संचालन का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है।कार्यक्रम का संचालन परियोजना संचालक डॉ.पुष्पा यादव के नेतृत्व में किया जा रहा है।सह-संयोजक के रूप में डॉ.अभिषेक कालिया डॉ.पंकज कुमार ओझा और डॉ. यश गौतम सहयोग कर रहे हैं।आयोजकों का कहना है कि यह प्रशिक्षण किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने,मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

साथी पोर्टल पर पंजीकरण नहीं कराने वाले बीज विक्रेताओं के लाइसेंस होंगे निरस्त

सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान



बाँदा।जिले के बीज व्यवसायियों को भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा विकसित %साथी% पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कराने के निर्देश दिए गए हैं।जिला कृषि अधिकारी संजय कुमार ने बताया कि निर्धारित समय सीमा तक पंजीकरण नहीं कराने वाले बीज विक्रेताओं के विरुद्ध लाइसेंस निलंबन अथवा निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने बताया कि जिले में कुल 545 बीज लाइसेंस धारक हैं,लेकिन अब तक केवल 230 व्यवसायियों ने ही पोर्टल पर अपना विवरण दर्ज कराया है।शेष लाइसेंस धारकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे 31 जुलाई तक हर हाल में पंजीकरण प्रक्रिया पूरी कर लें।जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि साथी पोर्टल का उद्देश्य बीज उत्पादन,भंडारण परिवहन,वितरण एवं बिक्री व्यवस्था को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाना है।इसके माध्यम से बीज उत्पादन इकाई से लेकर किसान तक आपूर्ति श्रृंखला का डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध रहेगा,जिससे नकली,अमानक और अवैध स्रोतों से बिकने वाले बीजों पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जा सकेगा और किसानों को प्रमाणित एवं गुणवत्ता पूर्ण बीज उपलब्ध होंगे।पोर्टल पर बीज निर्माता,बीज प्रोसेसर,थोक एवं फुटकर विक्रेताओं को अपने लाइसेंस, पैन कार्ड,जीएसटी विवरण तथा प्रतिष्ठान से संबंधित आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने होंगे।पंजीकरण में किसी प्रकार की तकनीकी समस्या होने पर संबंधित व्यवसायी जिला कृषि अधिकारी कार्यालय से संपर्क कर सहायता प्राप्त कर सकते हैं।जिला कृषि अधिकारी ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय सीमा तक पंजीकरण न कराने वाले बीज व्यवसायियों के विरुद्धनियमानुसार लाइसेंस निलंबन या निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

सूत्रीय मांगों को लेकर 28 जुलाई को डीआईओएस कार्यालय पर शिक्षकों का धरना

सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान



बाँदा।उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (ठकुराई गुट) के आह्वान पर शिक्षकों की 21 सूत्रीय मांगों को लेकर 28 जुलाई को प्रदेश के सभी जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) कार्यालयों पर एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।बांदा में भी संगठन के पदाधिकारी एवं शिक्षक अपराह्न 2 बजे जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर धरना देंगे।प्रांतीय उपाध्यक्ष केदार वर्मा एवं जनपदीय संरक्षक जानकी शरण शुक्ल ने बताया कि गोरखपुर में आयोजित प्रांतीय सम्मेलन के दौरान शिक्षकों की 21 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन कृषि राज्यमंत्री को सौंपा गया था।मांगों पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई न होने के कारण संगठन ने प्रदेशव्यापी धरना देने का निर्णय लिया है।धरने को सफल बनाने के लिए जिलाध्यक्ष बालाराम एवं संगठन मंत्री पुष्पेंद्र त्रिपाठी के नेतृत्व में विभिन्न विद्यालयों का दौरा कर शिक्षकों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की जा रही है।जिला मंत्री मोहम्मद बाकर ने बताया कि धरना-प्रदर्शन के उपरांत मुख्यमंत्री को संबोधित 21 सूत्रीय मांगपत्र तथा जनपद की स्थानीय समस्याओं से संबंधित ज्ञापन जिला विद्यालय निरीक्षक को सौंपा जाएगा।संगठन ने सभी शिक्षकों से निर्धारित समय पर पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया है।

गुरसरांय में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में वर-वधू पक्ष का गरौठा विधायक, एमएलसी प्रतिनिधि ने फूल वर्षा कर किया जोरदार स्वागत

शहनाई,रमतूला मंगल गीतों के बीच शादी रही आकर्षण का केंद्र





गुरसरांय (झांसी)। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना अंतर्गत समाज कल्याण विभाग झांसी के तत्वाधान में 23 जुलाई गुरुवार को खुशबू गार्डन गुरसरांय में 76 शादी सभी जाति धर्म के लोगों की उनके रीति रिवाज अनुसार भव्यता से संपन्न हुई जहां पर हिंदुओं की शादी में पंडितों ने विधिवत सात फेरे लेकर वर-वधु को वेद उच्चारण के साथ भांवरै पढ़बाई और सात वचन वर-वधु ने एक दूसरे को देकर नवदंपति जीवन सफलता हेतु संकल्प लिया वही मुस्लिम रीति रिवाज से भी निकाह काजी ने पढाया कुल 76 शादियों में गुरसरांय ब्लॉक से 13 जोड़े,बामौर ब्लॉक से 14,मोठ़ ब्लॉक से 33,नगर पालिका परिषद गुरसरांय से 05,नगर पालिका परिषद समथर 02,एरच नगर पंचायत से 02,मोठ़ नगर पंचायत से 03,नगर पंचायत टोड़ीफतेहपुर से 03,गरौठा 01 जोड़े आए हुए थे शादी समारोह पूरी तरह मंगल गीतों के बीच पूरी तरह बुंदेलखंड की प्राचीन परंपराओं के अनुरूप रमतूला बज रहा था और महिलाएं मंगल गीत राम जी को सिया ब्याहन आई गीत गा रही थी इस बीच मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत वर-वधु ने एक दूसरे को माला डालकर जीवन भर के लिए चुना वही विधिवत पंडितों ने सात फेरे मंडप के बीच विधि विधान से लगवाए और विवाह स्थल किसी राज शाही शादी समारोह स्थल से कम नहीं था। कार्यक्रम में आशीर्वाद देने के लिए मुख्य रूप से एमएलसी प्रतिनिधि आरपी निरंजन और गरौठा क्षेत्र के विधायक जवाहरलाल राजपूत मौजूद रहे। जवाहरलाल राजपूत ने संबोधित करते हुए कहा प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का सपना है हर गरीब कन्या की शादी खुशाली के साथ हो और इसमें आर्थिक परेशानी ना हो प्रदेश सरकार का संकल्प है कि हर गरीब को पक्का घर और रोजगार हर किसान को उनकी आय दुगनी करने के लिए पूरी व्यवस्थाएं की जाएं और मेरा प्रयास होगा आज जिन वर-वधु ने सात फेरे लिए है उनके भविष्य के लिए आगे भी हम उन्हें आत्मनिर्भर बनाने से लेकर उनके सुख-दुख में हमेशा साथ रहेंगे। इस दौरान गुरसरांय ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि टीकाराम पटेल, बामौर ब्लॉक प्रमुख चंद्रभान सिंह अहिरवार,नगर पालिका परिषद गुरसरांय के अध्यक्ष जयपाल सिंह उर्फ राजू चौहान,चैयरमेन गरौठा डॉक्टर अरुण मिश्रा,एमएलसी प्रतिनिधि पुष्पेंद्र पटेल भड़ोकर,खण्ड विकास अधिकारी गुरसरांय/बामौर गौरव कुमार,केपी सिंह जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी झांसी,एडीओ पंचायत गुरसरांय मोहम्मद हनीफ,एडीओ समाज कल्याण अधिकारी अनुज पाठक,एडीओ समाज कल्याण अधिकारी बामौर कुमकुम उदैनिया,एडीओ समाज कल्याण अधिकारी मोठ़ आयुषी नायक आदि कई ब्लॉकों से आए हुए प्रमुख अधिकारियों में विनीत विश्वकर्मा,शिवप्रताप पटेल,सुनील कुमार तिवारी, देवेंद्र कुमार,महेंद्र चौधरी, किशोर कुमार,अतुल शाक्य,राजकुमार,नितिन कुमार,भरत व्यास,अनंत देव शर्मा यह सभी बामौर ब्लॉक से जबकि गुरसरांय ब्लॉक से रामप्रकाश निरंजन,तेज सिंह निरंजन,अशोक गुप्ता,रविंद्र निरंजन,रजत अग्रवाल,प्रदीप सोनी,अंकित पटेल,अतुल कुमार,रुचि मौर्य,विजय सिंह,छत्रपाल सिंह,शिवम बाबू,रघुनंदन मोठ़,गुरसरांय नगर पालिका से वरिष्ठ लिपिक सोनू बख्शी, मनीष बुधौलिया,सर्वेश खरे सहित कई हजारों की संख्या में जन सैलाब मुख्यमंत्री शादी समारोह का आनंद लेते नजर आया शादी समारोह में बेहतरीन व्यंजन और शुल्पाहार से लेकर शादी समारोह में आए लोगों का टीका लगाकर और फूल मालाएं पहनकर भव्यता से स्वागत किया गया अंत में आभार प्रमुख समाज कल्याण विभाग के प्रमुख अनुज पाठक ने किया।

संगीत के क्षेत्र में अपनी विधाओं से बुंदेलखंड ही नहीं पूरे देश में जादू बिखारने वाले पंडित परशुराम पाठक को सम्मानित करने की उठी मांग



गुरसरांय (झांसी)। बुंदेलखंड में हजारों शिष्यों को निःशुल्क संगीत की शिक्षा देने वाले मैहर घराने के संगीतगुरु पं परशुराम पाठक को पद्म पुरुष्कार से सम्मानित करने के लिए एम एल सी प्रतिनिधि पुष्पेन्द्र पटेल भ?ाकर ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ एम एल सी प्रतिनिधि रमा आर पी निरंजन को ज्ञापन सौंपा।उन्होंने स्थानीय विश्राम गृह में संगीतगुरु की उपलब्धियों की फाइल सौंपते हुए मुख्यमंत्री से मांग की है।कि सम्पूर्ण बुंदेलखंड में वरिष्ठ कलाकार होने के नाते उन्होंने हजारों शिष्यों को भारतीय संगीत की शिक्षा दी तथा देश मे बुंदेलखंड का नाम रोशन किया।उनके सम्मान से गरौठा विधानसभा के साथ ही सम्पूर्ण बुंदेलखंड वासियों के गौरव सम्मान बढेगा।

इस मौके पर मण्डल अध्यक्ष गरौठा सुरेन्द्र पाठक गुड्डू, मंडल अध्यक्ष बामोर पुष्पेंद्र दुबे,पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रतिनिधि नीरज शर्मा,सितारवादक पं सरजू शरण पाठक ,सुबोध पटेल घुरैया,मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा सुशांत घोष,धर्मेंद्र सिंह,जानकी पटेल, पूर्व प्रधान सियाराम पटेल,सहित कई भाजपा के लोग उपस्थित रहे।

कोवरा सर्प के डसने से 25 वर्षीय युवक की मौत



माधौगढ (जालौन)माधौगढ तहसील क्षेत्र के ग्राम गालमपुरा में कोवरा सर्प के डसने से 25 वर्षीये युवक की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में छाया मातम प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम गालमपुरा निवासी विवेक कुमार पुत्र मुन्नालाल दौहरे उम्र 25 वर्षीय खेत पर जानवरो के लिये सुवह 10 बजे चारा लेने खेत पर गया था तभी चारे मे घात लागाये बैठा कोवरा सर्प उसी दौरान विवेक कुमार को डस लिया। परिजन ने पहले स्थानीय स्तर पर उपचार कराते रहे, लेकिन हालत बिगड़ने पर उसे मेडिकल कॉलेज उरई ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान विवेक कुमार कि मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही घर मचा कोहराम परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल विवेक कुमार चार भाई है विवेक कुमार दूसरे नम्बर का था 4 वर्ष पूर्व मृत विवेक कुमार कि शादी एमपी हुई थी भारण पोषण के लिए खेती किसानी का काम करके परिवार का भारण पोषण कर का गुजर बसर करता था मौत कि खबर से गांव में छा

जातिसूचक टिप्पणी व कमजोर वर्गों के उत्पीड़न पर सख्त कार्रवाई की मांग



उरई (जालौन)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय सचिव कालूराम प्रजापति के नेतृत्व में विनीता बाल्मीकि प्रदेश उपाध्यक्ष, हरिओम प्रजापति, जितेंद्र प्रजापति, अभिषेक कुमार सहित दर्जनों लोगों ने कलेक्ट्रेट पहुंच कर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अपर मजिस्ट्रेट कुमार संजय को सौंपते हुए बताया कि समाज के पिछड़े, अतिपिछड़े, दलित एवं अतिदलित वर्गों के हितों और सम्मान की रक्षा को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भेजा गया। ज्ञापन में राजनीतिक प्रभाव का दुरुपयोग कर गरीब एवं कमजोर वर्गों को धमकाने, प्रताड़ित करने, जातिसूचक एवं आपत्तिजनक टिप्पणियां करने तथा सोशल मीडिया पर अमर्यादित भाषा के प्रयोग जैसी घटनाओं पर चिंता जताई गई।

ज्ञापन में मांग की गई कि जातिसूचक, अपमानजनक एवं भेदभावपूर्ण टिप्पणी करने वालों के खिलाफ निष्पक्ष जांच कर कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही नेताओं, सांसदों, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों द्वारा की जाने वाली जातिसूचक व आपत्तिजनक टिप्पणियों का संज्ञान लेकर संबंधित कानूनों के तहत कार्रवाई की जाए।

पार्टी ने गरीब, कमजोर एवं वंचित वर्गों को धमकाने, प्रताड़ित करने, उनकी जमीन पर अवैध कब्जा करने अथवा किसी भी प्रकार का उत्पीड़न करने वालों के खिलाफ तत्काल निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की। सोशल मीडिया पर जातिसूचक व अमर्यादित टिप्पणियों के जरिए समाज में वैमनस्य फैलाने वालों पर साइबर कानून सहित अन्य प्रचलित कानूनों के तहत कार्रवाई की मांग भी उठाई गई।ज्ञापन में यह भी कहा गया कि राजनीतिक प्रभाव, पद या दबाव के कारण किसी पीड़ित की शिकायत को दबाया न जाए और प्रत्येक मामले की निष्पक्षता से जांच हो। पिछड़े, अतिपिछड़े, दलित एवं अतिदलित वर्गों के स्वाभिमान, सम्मान, सुरक्षा और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए प्रभावी निगरानी व्यवस्था लागू करने तथा जातिवादी मानसिकता और अपमानजनक भाषा के खिलाफ प्रशासन द्वारा व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की मांग की गई।

पार्टी पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री से मांग की कि ज्ञापन में उठाए गए मुद्दों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित मामलों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए

नमामि गंगे योजना के तहत बिछाई गई पाइपलाइन में नहीं आ रहा पानी

क्रासर- ग्रामीणों ने अतिरिक्त मजिस्ट्रेट से की शिकायत



उरई (जालौन)। कालपी तहसील के कदौरा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम आटा के ग्रामीणों ने नमामि गंगे योजना के तहत बिछाई गई पाइपलाइन में पानी की आपूर्ति नहीं होने की शिकायत एसडीएम कुमार संजय से की है। ग्रामीणों का आरोप है कि करीब दो माह पहले गांव में नल लगाए गए थे, लेकिन नल लगने के लगभग दो माह बीत जाने के बाद भी आधे मोहल्ले में ही पानी की आपूर्ति हो रही है। ग्रामीणों के अनुसार, गांव के करीब 27 घरों में अभी तक पानी नहीं पहुंच रहा है, जिसके चलते लोगों को पेयजल के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या को लेकर पूर्व में सीएम पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है, लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ।ग्रामीणों ने एसडीएम कुमार संजय को प्रार्थना पत्र देकर संबंधित विभाग को निर्देशित कर मामले की जांच कराने तथा बंद पड़े नलों में शीघ्र पानी की आपूर्ति शुरू कराने की मांग की है।इस मौके पर प्रमुख रूप से रानी विश्वकर्मा, गौरव कुमार, अवधेश कुमार, राममोहन, लखन कुमार, नरेश कुमार सहित आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत रोमई मुस्तकिल में राशन की दुकान की लेकर खुली बैठक का हुआ आयोजन



कुठौंद जालौन। विकास खण्ड कुठौंद की ग्राम पंचायत रोमई मुस्तकिल में कई वर्षों से संचालित खाद्य सामग्री राशन की दुकान अनुशासन हीनता के चलते लगभग 4 माह पूर्व निरस्त हो चुकी है। जिसके सम्बन्ध में खुली बैठक को लेकर पूरे गांव में मुनादी कर्ता संतराम याज्ञिक के द्वारा डुग्गी बजाकर मुनादी की गई। इसके बाद बैठक का आयोजन ग्राम पंचायत सचिवालय में ए डी ओ पंचायत ब्रजेन्द्र कुमार तिवारी के द्वारा की गई। जिसमें ए डी ओ पंचायत ने समस्त ग्रामवासियों की मौजूदगी में यह प्रस्ताव रखा गया। कि खाद्य सामग्री राशन की दुकान का आवंटन 30 जुलाई 026को ग्राम पंचायत कार्यकारिणी तथा ग्राम वासियों की मौजूदगी में खुली बैठक में खाद्य सामग्री राशन की दुकान को आवंटित किया जाएगा। इसलिए ग्राम पंचायत में रहने वाले इच्छुक व्यक्ति खाद्य सामग्री वितरण राशन की दुकान के लिए अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। ग्राम पंचायत के पूर्व प्रधान व वर्तमान प्रशासक विनोद कुमार राठौर के द्वारा अवगत कराया गया कि जो इच्छुक व्यक्ति खाद्य सामग्री राशन की दुकान लेना चाहता हैं। वे लोग अपना आवेदन ग्राम पंचायत सचिवालय पर आकर जमा कर सकते हैं। जिससे आवंटित प्रक्रिया को सरलता एवं सुगमता मिल सके।

25 अगस्त तक चलेगा डायरिया अभियान



उरई (जालौन)।मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि जनपद जालौन में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित रखने एवं डायरिया जनित मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से 25 जून से 25 अगस्त, 2026 तक स्टॉप डायरिया अभियान-2026 संचालित किया जाएगा। इस वर्ष अभियान की थीम स्वच्छ जल, समुचित उपचार डायरिया से बचें हर बार निर्धारित की गई है।मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान आशा, एएनएम एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से घर-घर जाकर डायरिया से बचाव, समय पर उपचार तथा स्वच्छता संबंधी व्यवहार परिवर्तन के लिए व्यापक जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंगी। प्रत्येक परिवार को डायरिया के लक्षण, ओआरएस घोल तैयार करने एवं उपयोग करने की सही विधि, जिंक की गोली का महत्व, सुरक्षित पेयजल के उपयोग, साबुन से हाथ धोने की आदत तथा बच्चों को स्वच्छ एवं ताजा भोजन उपलब्ध कराने के संबंध में जानकारी दी जाएगी।उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों पर ओआरएस पैकेट एवं जिंक टैबलेट की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। डायरिया के लक्षण दिखाई देने पर बच्चे को तत्काल ओ0आर0एस0 घोल देना प्रारंभ करें तथा चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार 14 दिनों तक जिंक की गोली अवश्य दें। यदि बच्चे में बार-बार पतले दस्त, तेज बुखार, उल्टी, अत्यधिक प्यास, सुस्ती अथवा निर्जलीकरण के लक्षण दिखाई दें तो बिना विलंब निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करें।मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि डायरिया एक ऐसी बीमारी है. जिससे समय पर उपचार एवं उचित सावधानियां अपनाकर आसानी से बचाव किया जा सकता है। स्वच्छता, सुरक्षित पेयजल, हाथ धोने की आदत तथा ओ0आर0एस0 एवं जिंक का समय पर उपयोग बच्चों के जीवन की रक्षा में अत्यंत प्रभावी है। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों, शिक्षण संस्थानों, स्वयंसेवी संगठनों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं आमजन से अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान करने का आह्वान किया।स्वच्छ जल, समुचित उपचार डायरिया से बचें हर बार के संदेश के साथ स्वास्थ्य विभाग ने सभी नागरिकों से इस जनहितकारी अभियान में सहभागी बनने एवं स्वस्थ जालौन के निर्माण में योगदान देने की अपील की है

यमुना नदी पुल से युवक ने लगाई छलांग, पुलिस ने तत्परता दिखाकर बचाई जान

शेरगढ़ घाट यमुना नदी में बने पुल की सुरक्षा व्यवस्था पर फिर उठे सवाल



कुठौंद जालौन। थाना कुठौंद पुलिस की सक्रियता से यमुना पुल से नदी में कूदे एक युवक की जान बच गई। घटना के बाद क्षेत्र में एक बार फिर शेरगढ़ घाट स्थित यमुना पुल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार, रात्रि गश्त के दौरान थाना कुठौंद पुलिस को सूचना मिली कि औरैया की ओर स्थित यमुना पुल से एक युवक नदी में कूद गया है। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी शंकरपुर उपनिरीक्षक रामवीर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे तथा चौकी प्रभारी देवकली (औरैया) से समन्वय स्थापित कर संयुक्त रूप से तलाश अभियान शुरू किया। टॉर्च की रोशनी में काफी देर तक खोजबीन के बाद युवक पुल से लगभग एक किलोमीटर दूर नदी में मिला पुलिस ने युवक को सुरक्षित बाहर निकालकर उसका नाम-पता पूछा तो उसने अपना नाम दीपक पुत्र कृष्ण कुमार, निवासी ग्राम शेखपुर अहीर, थाना कुठौंद, जनपद जालौन, उम्र 26 वर्ष बताया।



दैनिक सिद्धि सरकार के लिए स्वामी मुद्रक प्रकाशक अखिलेश कुमार द्वारा परशुराम एसोसिएट एंड कानन ड्रीम प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी नहर रोड आजादपुरा ललितपुर उत्तर प्रदेश से छपरा कर 91 मसरा खुर्द ललितपुर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित संपादक अखिलेश कुमार चौबे
email id.siddhisarkar@ gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ललितपुर होगा)मो.न.. 9793 444 829 ,9044133894